02:12:2023

web: www.rashtriyakhabar.com

अखबार जो बदल दे नजरिया

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र

पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 14 अंक ›› 326 | epaper.rashtriyakhabar.com | मार्गशीर्ष, कृष्णपक्ष पंचमी, विक्रम संवत 2080

विदुर नीति

जिता सभा वस्त्रवता मिष्टाशा गोमता जिता।

अध्वा जितो यानवता सर्व शीलवता जितम॥

भावार्थ : अच्छे वस्त्रों से सुसज्जित व्यक्ति सभा को जीत लेता है, गाय को रखनेवाला स्वादिष्ट मिष्टान्नों को जीत लेता है, वाहन जिसके पास हो वह मार्ग/दूरी को जीत लेता है। किंतु सुशील/शीलवान व्यक्ति तो सभी को/सारे संसार को ही जीत लेता है।

रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
26.00 °c	16.00 °c

सूर्यास्त (आज) ›› 17 .01 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06 .13 बजे

फिलीपींस ने लापता विमान की तलाश जारी रखी

मनीला: फिलीपींस ने उत्तरी इसाबेला प्रांत में एक लापता विमान की तलाश शुरू कर दी है, जिसमें पायलट सहित दो सदस्य सवार थे। फिलीपींस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएपी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्राधिकरण के मुताबिक फिक्सड लैंडिंग गियर के साथ एकल इंजन वाले हल्के विमान ने गुरुवार को स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 9:39 बजे उड़ान भरी। विमान काउयान सिटी हवाई अड्डे से शहर के पूर्व में एक तटीय शहर पलानन की ओर जा रहा था। हल्के विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:23 बजे पलानन में उतरना था, लेकिन इस बीच उससे संपर्क टूट गया। सीएएपी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने कहा कि खोज और बचाव दल ने विमान के मार्ग के आसपास के क्षेत्रों की उसकी तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने सबसे पहले सूचना दी कि लापता छोटा विमान सेसना था।

बांग्लादेशी पत्रकार के मामले में पुलिस अधिकारी निलंबित

कुआलालम्पुर: मलेशिया की पुलिस ने बंगलादेश के पत्रकार का अपहरण और उसे प्रताड़ित करने के मामले में संदिग्ध तीन मलेशियाई पुलिस अधिकारियों में से एक को निलंबित कर दिया है। मलेशियाई मीडिया ने कुआलालम्पुर के पुलिस प्रमुख अलाउद्दीन अब्दुल माजिद के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। श्री माजिद ने कहा कि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। जांच के नतीजे आने तक शेष दो अधिकारियों को भी इसी तरह के अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा हम आगे के घटनाक्रम की प्रतीक्षा कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपनी पहचान उजागर करने से परहेज करने वाले 30 वर्षीय पीड़ित पत्रकार ने दावा किया है कि खुद को पुलिस अधिकारी ताने वाले लोगों ने उसे तीन दिनों तक सेलांगोर के एक मकान में बंधक बनाकर रखा और उसके हाथ बांध दिये गये तथा बेंत से पिटायी की गयी। इसके अलावा उन्हें छोड़े जाने के एवज में लाखों रुपयों की फिरौती भी मांगी गयी।

मध्य अलास्का में भूकंप का झटका

बीजिंग: उत्तर अमेरिका के पश्चिमोत्तरी सीमा पर पश्चिमी संयुक्त राज्य में स्थित राज्य अलास्का के मध्य में शुक्रवार को मध्यम स्तरीय भूकंप के झटके महसूस किये गये। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गयी। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार 5:50 बजे आया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गयी। भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 91.3 किमी की गहराई में तथा 63.02 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 150.62 डिग्री पश्चिमी देशांतर में स्थित था। इस घटना में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

बांग्लादेश में आम चुनाव का बहिष्कार करेगी बीएनपी

ढाका: बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) देश में आगामी सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव का बहिष्कार करेगी। ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। बीएनपी के प्रवक्ता एकेएम वहीदुज्जमां ने अपने बयान में कहा, हम चुनाव का बहिष्कार कर रहे हैं। हम अपने रुख पर कायम हैं कि प्रधानमंत्री सुश्री शेख हसीना के सत्ता में रहते हुए किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। नामांकन दाखिले के अंतिम दिन तक भी पार्टी की ओर से एक भी सीट के लिए नामांकन दाखिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की कार्रवाई में उनकी पार्टी के हजारों सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। बीएनपी और अन्य पार्टियों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन कर सुश्री हसीना से सत्ता छोड़ने और निष्पक्ष सरकार को चुनाव चलाने की मांग की है, लेकिन सरकार ने इन मांगों को असंवैधानिक बताया है। उन्होंने सुश्री हसीना पर पिछले दो चुनावों में धांधली करने का आरोप लगाते हुए कहा कि गिरफ्तार किये गये लोगों की संख्या और भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने भी कहा है कि वे चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक 12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

अदालत › गैर भाजपा शासित राज्यों में राजभवन की मनमानी पर शीर्ष अदालती अंकुश

सहमति रोकी तो राष्ट्रपति के पास नहीं भेज सकते : सुप्रीम कोर्ट

- रोकने से विधेयक खत्म नहीं होता
- पंजाब में भी ऐसा ही मामला आया
- राजभवन ऐसे कार्यों को रोक रहा है

राष्ट्रीय खबर

नयी दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि विधानसभा की ओर से भेजे गए विधेयक पर एक बार जब राज्यपाल सहमति नहीं देते तो बाद में यह नहीं कह सकते कि वह इसे राष्ट्रपति के पास भेज देंगे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की याचिका पर यह टिप्पणी की और स्पष्ट किया कि एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो वह इसे हमेशा के लिए रोककर विधेयक को खत्म नहीं कर सकते। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से कहा कि बहुत सारी चीजें हैं जिन्हें तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और वहां के राज्यपाल के बीच हल करना होगा। पीठ ने कहा, यदि राज्यपाल मुख्यमंत्री से बातचीत करते हैं और उनकी सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों के निपटारे के संबंध में गतिरोध को हल करते हैं तो हम इसकी सराहना करेंगे। पीठ ने कहा, हम चाहते हैं कि राज्यपाल इस गतिरोध को दूर करें। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि हम उच्च संवैधानिक पद के साथ काम कर रहे हैं।

दरअसल गैर भाजपा शासित राज्यों की यह शिकायत है कि सरकार द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए रोककर राज्य सरकार के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। कई स्तरों पर यह दलील पहले दी गयी थी कि संविधान के तहत राज्यपाल को ऐसा करने का अधिकार है। राज्य सरकार और राजभवन का ऐसा टकराव कई राज्यों में दिखा है। इसी क्रम में पहले भी पंजाब सरकार की एक याचिका पर शीर्ष अदालत यह साफ कर चुकी है कि राज्यपाल को भी इस किस्म के वीटों का कोई अधिकार नहीं है। संविधान के तहत राज्यपाल को जो अधिकार प्राप्त हैं, उनमें किसी बिल को अनिश्चितकाल तक रोकना शामिल नहीं है।

संविधान के अनुच्छेद 200 के मूल भाग के तहत राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं। वह विधेयक पर सहमति दे सकते हैं। सहमति रोक सकते है या वह को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित कर सकते है। पीठ ने कहा, एक बार जब राज्यपाल सहमति रोक देते हैं तो इसे राष्ट्रपति के पास भेजने का कोई सवाल ›› पेज 2 भी देखें

डिजिटल चैनलों के माध्यम से वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए

देश के सत्तर लाख मोबाइल नंबर निलंबित किये गये

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: केंद्र सरकार ने 70 लाख मोबाइल नंबर सस्पेंड कर दिए है। डिजिटल चैनलों के माध्यम से वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए केंद्र और अधिक कड़े कदम उठाने की राह पर है। और इसी मकसद से इस बार मोदी सरकार ने देश के 70 लाख मोबाइल नंबर रद्द करने का एलान किया है। इन मोबाइल नंबरों के जरिए संदिग्ध लेनदेन की सूचना मिली थी। इस बीच, बैंकों को भी इन डिजिटल लेनदेन में हेरफेर को रोकने के लिए सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इस बीच, केंद्र डिजिटल चैनलों के माध्यम से वित्तीय धोखाधड़ी में वृद्धि की निगरानी के लिए लगातार उच्च स्तरीय बैठकें कर रहा है। यह बात देश के वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस धोखाधड़ी को रोकने के लिए 70,000 मोबाइल नंबरों को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा, केंद्र आधार-आधारित भुगतान प्रणाली या एपीएस को कड़ा करने की राह पर है। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से भी धोखाधड़ी चल रही है। केंद्रीय सचिव ने कहा कि इस संबंध में राज्यों को आगाह कर दिया गया है। यह भी कहा गया है कि इस संबंध में उचित सुरक्षा व्यवस्था रखी जाए। सूचना के मुताबिक डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए केंद्र ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। उस बैठक में दूरसंचार मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधि मौजूद थे। बताया जा रहा है कि यह बैठक इस फजीवाड़े को रोकने की रूपरेखा बनाने के लिए है। नई केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय धोखाधड़ी से छुटकारा पाने के लिए अधिक सतर्कता की जरूरत है। जालसाजों ने हाल ही में एसएमएस और फोन कॉल के जरिए कई लोगों के खातों से पैसे उड़ाए हैं। इस बीच, यूको बैंक में हालिया कमी ने मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। बैंक में अचानक 820 करोड़ क्रेडिट होने पर संदेह पैदा हुआ। उस घटना के बाद केंद्र ने एक उच्च स्तरीय बैठक की थी।

अपने एलान के मुताबिक युद्धविराम समाप्त होते ही हमला

इजरायली हमलों में 32 की मौत,कई घायल

- इससे पहले दोनों तरफ के बंदी रिहा हुए
- हमास का हमला होते ही आईडीएफ सक्रिय
- दक्षिण गाजा में भी मौजूद है हमास आतंकवादी

राष्ट्रीय खबर

यरुशलेम: गाजा पट्टी पर शुक्रवार सुबह इजरायल की सेना के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। एन्क्लेव के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इससे पहले दिन में, अल अरबिया ब्रॉडकास्टर ने फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाला देते हुए बताया कि इजरायली हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने एक बयान में कहा,संघर्ष विराम की समाप्ति के तीन घंटे के भीतर इजरायली कब्जे के नरसंहार के पीड़ितों की संख्या बढ़कर 32 हो गई। इनमें कई लोगों को अलग-अलग स्तर की चोटें लगीं। मृत और घायल लोगों में अधिकांश महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इससे पहले दिन में, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि हमास ने मानवीय विराम तोड़ दिया, जिससे इजराइल को युद्ध फिर से शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट दी कि दोनों पक्ष अस्थायी मानवीय विराम को आठवें दिन तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसकी हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नवीनतम संघर्षविराम आज स्थानीय समयानुसार सुबह 07:00 बजे समाप्त हो गया। इजरायल और हमास के बीच एक सप्ताह के संघर्ष विराम की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद शुक्रवार को इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा को फिर से निशाना बनाते हुए पूरी ताकत के साथ हमला शुरू शुरू किया। इजरायल के ›› पेज 2 भी देखें

अपना वचन पूरा करने अर्नाल्ड डिक्स मंदिर पहुंचे

देहरादून: ऑस्ट्रेलिया से आये खनन बचाव विशेषज्ञ अर्नाल्ड डिक्स अपने वादे के मुताबिक भीड़ के छंट जाने के बाद मंदिर में ईश्वर को धन्यवाद देने पहुंचे। बता दें कि राहत दल ने उत्तराखंड में एक सुरंग से 41 मजदूरों को बचाया है। 17 दिनों के इस निरंतर प्रयास को आखिरकार सफलता मिल ही गई। उत्तरकाशी में सिल्कियारा टनल के इस रेस्क्यू ऑपरेशन के पीछे हीरो हैं अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नाल्ड डिक्स। उन्हें कई बार सुरंग के पास एक अस्थायी मंदिर में प्रार्थना करते हुए देखा गया है। इस बार रेस्क्यू में सफलता पाने के बाद वह उत्तरकाशी के मंदिर पहुंचे। अर्नोल्ड डिक्स सुरंग में बचाव कार्य की सफलता के बाद उन्होंने कहा कि वह एक बार मंदिर के दर्शन करना चाहते हैं। डिक्स कहते हैं, मंदिर जाने के लिए, धन्यवाद देने के लिए। । इसके बाद डिक्स उत्तरकाशी में बाबा बौखनाग के मंदिर गए। उत्तरकाशी टनल में रेस्क्यू में शामिल एसडीआरएफ के जवान उनके साथ मंदिर तक गए। जिनेवा इंटरनेशनल टनलिंग एंड स्पेस एसोसिएशन के सदस्य अर्नाल्ड डिक्स ने बताया कि उनके साथ जिस टीम ने रेस्क्यू कार्य किया, उन सभी ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। सबको सब पर भरोसा था। किसी ने किसी को छोटा नहीं होने दिया। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। इससे पहले, डिक्स को उस अस्थायी मंदिर के सामने प्रार्थना करते देखा गया था जिसे सिल्क्यारा ने सुरंग के बाहर बनाया था। 41 मजदूरों को बचाने की जद्दोजहद अभी भी जारी है। उस वक्त अर्नोल्ड प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज ने भारत में बचाव प्रयासों की सराहना की। ध्यान दें कि ऑस्ट्रेलिया के सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स हैं और इस प्रयास की चारों ओर ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री की प्रशंसा हुई।

नागार्जुन सागर बांध के आधा हिस्सा पर आंध्र का कब्जा

तेलंगना के चुनाव के बीच रात में ऐसी कार्रवाई

- हथियार बंद पुलिस बल तैनात किये गये
- डैम के 13 गेटों पर अपना कब्जा जमाया
- अपने इलाके के लिए पानी भी छोड़ा गया

राष्ट्रीय खबर

हैदराबाद: तेलंगना राज्य की चुनावी तैयारियों की मध्य रात्रि में ही आंध्र प्रदेश ने बांध का आधा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया है। आंध्र प्रदेश ने कृष्णा नदी पर बने नागार्जुन सागर बांध के आधे हिस्से पर कब्जा कर लिया है, जिससे तेलंगाना के साथ विवाद शुरू हो गया है। तेलंगाना सरकार ने बांध पर आंध्र प्रदेश के कब्जे के खिलाफ कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड में शिकायत दर्ज कराई है। आंध्र प्रदेश अधिकारियों ने बांध पर बैरिकेडिंग कर दी और तेलंगाना वाहनों की पहुंच प्रतिबंधित कर दी। आंध्र प्रदेश कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरों और स्वचालित प्रवेश द्वारों सहित बांध के बुनियादी ढांचे की योजना बना रहा है और उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। गुरुवार को तेलंगाना में चुनाव होने से कुछ घंटे पहले आधी रात के ऑपरेशन में, आंध्र प्रदेश सरकार ने कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर बांध के आधे हिस्से पर नियंत्रण कर लिया और पानी छोड़ दिया। इसका पक्ष. 2014 में जब तेलंगाना आंध्र प्रदेश (आंध्र प्रदेश) से अलग होकर बना, तब से दोनों राज्यों में बांध को लेकर विवाद चल रहा है। तेलंगाना की के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने आंध्र प्रदेश के वाईएसआरसीपी शासन द्वारा बांध के हिस्से पर कब्जा करने और बैरिकेडिंग करने के कदम के खिलाफ कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) से शिकायत की है। केआरएमबी दोनों राज्यों को पानी आवंटित करता है। राज्य के सिंचाई अधिकारियों के साथ आंध्र प्रदेश पुलिस के लगभग 400 पुलिसकर्मी गुरुवार को लगभग 1 बजे बांध में घुस गए, जिससे चुनावी मैदान में उतरी ›› पेज 2 भी देखें

तकनीक › दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल भी डॉक्टरों की चिंता का विषय .

फुटबॉल में हेडर से दिमाग को नुकसान होता है

- नये शोध के आंकड़े बताये गये हैं
- दिमागी संरचना नष्ट होती जाती है
- यह मनोभ्रांश का जोखिम लाता है

राष्ट्रीय खबर

रांची: फुटबॉल पूरी दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है। इस खेल में खिलाड़ी अक्सर अपनी तरफ से गेंद को खास स्थान तक पहुंचाने के लिए सर से भी उसे आगे बढ़ाते हैं। खेल की इस तकनीक को हेडर कहते हैं। अब एक शोध में कहा गया है कि यह हेडर करने की प्रवृत्ति संबंधित खिलाड़ी के दिमाग पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएसएनए) की वार्षिक बैठक में इस सप्ताह प्रस्तुत किए जा रहे नए शोध में सॉकर हेडिंग - जहां खिलाड़ी गेंद को अपने सिर से मारते हैं - को दो वर्षों में मस्तिष्क की सूक्ष्म संरचना और कार्य में मापने योग्य गिरावट से जोड़ा गया है। कोलंबिया में रेडियोलॉजी के प्रोफेसर, और वरिष्ठ लेखक माइकल एल लिप्टन ने कहा, सामान्य तौर पर मस्तिष्क की चोट और विशेष रूप से फुटबॉल के कारण मस्तिष्क पर दीर्घकालिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को लेकर दुनिया भर में भारी चिंता है। लग विश्वविद्यालय के वैगेलोस कॉलेज ऑफ फिजिशियन और सर्जन और कोलंबिया विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के संबद्ध प्रोफेसर हैं। इस ›› पेज 2 भी देखें

हमने एक संरचित, महामारी विज्ञान प्रश्नावली विकसित की है : डॉ लिप्टन

डॉ लिप्टन ने कहा, जब हमने पहली बार शुरूआत की थी, तो एक खिलाड़ी के सिर पर लगने वाले प्रभावों की संख्या का आकलन करने का कोई तरीका नहीं था। इसलिए, हमने एक संरचित, महामारी विज्ञान प्रश्नावली विकसित की है जिसे कई अध्ययनों में मान्य किया गया है। प्रश्नावली में प्रश्नों की एक श्रृंखला होती है कि कोई व्यक्ति कितनी बार गेंद खेलता है, अभ्यास करता है और गेंद को हेड करता है, और किस प्रकार की स्थितियों में। दो-वर्षीय शीर्षक एक्सपोजर को निम्न, मध्यम या उच्च के रूप में वर्गीकृत किया गया था। नामांकन के समय और दो साल बाद खिलाड़ियों का मौखिक सीखने और स्मृति के लिए मूल्यांकन किया गया और एमआरआई तकनीक, डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग (डीटीआई) से गुजरना पड़ा। डीटीआई ऊतक के माध्यम से पानी के अणुओं की सूक्ष्म गति को ट्रैक करके मस्तिष्क की सूक्ष्म संरचना की विशेषता बताता है। बेसलाइन परीक्षण के परिणामों की तुलना में, उच्च-शीर्षक समूह (दो वर्षों में 1,500 से अधिक हेडर) ने ललाट सफेद पदार्थ क्षेत्रों में प्रसार में वृद्धि और कुछ मस्तिष्क क्षेत्रों में अभिविन्यास फैलाव सूचकांक (मस्तिष्क संगठन का एक उपाय) में कमी का प्रदर्शन किया। इस विश्लेषण को आयु, लिंग, शिक्षा और आघात इतिहास सहित चर के लिए समायोजित किया गया।

शांति समझौते के बाद मणिपुर में शांति के एक नए युग की शुरूआत : एन. बीरेन सिंह

म्यांमार की स्थिति पर अमित शाह के साथ बातचीत

- दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मिले
- पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया

भूपेन गोस्वामी

गुवाहाटी : पूर्वोत्तर राज्य में सबसे पुराना घाटी-आधारित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के एक दिन बाद आज मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ राज्य के मुद्दों पर चर्चा की।बीरेन सिंह ने मणिपुर के भारत-म्यांमार सीमा मुद्दे को लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल से भी मुलाकात की।इंफाल में अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली में शाह के साथ अपनी मुलाकात के दौरान मणिपुर से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, जो पिछले सात महीने से अधिक समय से जारी जातीय हिंसा के कारण तबाह हो गया ›› पेज 2 भी देखें

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र राजनीति

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर >> अपडेट

दफादार चौकीदारों की मांगों को लेकर धरना जारी

रांची: दफादार चौकीदारों की 6 सूत्री मांगों को लेकर राजभवन के पास अनिश्चितकालीन धरना आज 9वें दिन भी जारी है। धरना की अध्यक्षता राज्य अध्यक्ष कृष्णा दयाल सिंह और संचालन प्रदेश संयुक्त सचिव समसुल अंसारी ने किया। धरना को संबोधित करते हुए कृष्णा दयाल सिंह ने कहा कि सेवानिवृत्त चौकीदार दफादार और सेवा विमुक्त चौकीदारों के रिक्त पदों पर निकाला गया विज्ञापन तत्काल रद्द किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि झारखंड चौकीदार स्वर्ग नियमावली 2015 की कंडिका 2(9) के आलोक में 100 से 120 आवासीय घरों पर नया विट सृजित कर नए विटो पर विज्ञापन निकाला जा सकता है। समसुल अंसारी ने कहा कि झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत द्वारा रांची में रैली प्रदर्शन न्याय मार्च धरना प्रदर्शन क्रमबद्ध अनशन आमरण अनशन और मुख्यमंत्री आवास का घेराव एवं जिला प्रमंडल स्तर पर आंदोलन के माध्यम से झारखंड सरकार को मांग पत्र सौंपा गया लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं होने से सभी में गुस्सा है।

योजना

झारखंड में परिवार की सभी बच्चियों को मिलेगा सावित्री बाई फुले योजना का लाभ

2025 तक राज्य बनेगा आत्मनिर्भर, सीएम हेमंत सोरेन ने किया एलान

राष्ट्रीय खबर

रांची: सीएम हेमंत सोरेन ने पलामू में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि परिवार में शामिल सभी बच्चियों को सावित्री बाई फुले योजना से जोड़ा जाएगा। पहले इस योजना से परिवार के सिर्फ दो बच्चियों को लाभ मिल सकता था, लेकिन इस बाध्यता को खत्म किया गया है। सीएम ने कहा कि परिवार में मौजूद सभी बच्चियों को इस योजना से जोड़ा जाएगा।

बच्चियों की पढ़ाई का सारा खर्च सरकार उठाएगी। नौकरी मिलने के बाद थोड़ा-थोड़ा पैसा वापस करना होगा। सीएम हेमंत सोरेन पलामू पुलिस लाइन में आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।सीएम ने हेमंत सोरेन ने कहा कि 2025 तक झारखंड आत्मनिर्भर होगा। किसी के पैसों की जरूरत नहीं होगी, उन्होंने कहा कि राज्य का 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया है, लेकिन उन्हें नहीं दिया जा रहा है। इसे वापस लाने के लिए मजबूती के साथ लड़ाई लड़नी होगी। किसान आंदोलन से सीख लेने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि पशुधन योजना के तहत किसानों को भैंस भी दिया जाएगा। किसानों को सभी पशु बीमा सहित मिलेंगे, किसानों को मजबूत किया जा रहा है।सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि 2021, 2022 के बाद सरकार आपके द्वार के तीसरा चरण 2023 में शुरू हुई है। शहर और गांव दोनो पर नजर है। दुख की बात विपक्ष शिविर में नहीं जा रहे है, सभी को निमंत्रण किया जा रहा है, लेकिन वे शिविर में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले वक्त में ऐसे लोग जनता को क्या जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास पूंजीपतियों का जमावड़ा है। जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक राज्य का विकास नहीं हो सकता। राज्य की सरकार गांव के विकास के लिए योजनाओं का संचालन कर रही है।सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में मजदूरों को कहीं भी कोई परेशानी नहीं हो, इसके लिए एक दर्जन राज्यों को पत्र लिखा गया है।

उत्तराखंड की तरह कई राज्यों में मजदूरों के साथ हादसे होते हैं, इसीलिए पत्र लिखा गया है। उत्तराखंड में मजदूरों को किस्मत ने बचा लिया, पैसा मजदूरों को खींच कर ले जाती है, लेकिन उन्हें रिस्क भी उठाना पड़ता है।आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि पूर्व में समस्या के समाधान के लिए 181 फोन नंबर था, इस नंबर से क्या हाल होता था सभी को पता है। सरकार अब सभी के द्वार जा रही है। उन्होंने कहा कि शौचालय के नाम पर फर्जी निकासी हुई है, शौचालय में गोइठा रखा हुआ है। कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि एक साथ दो-दो पीढ़ी पेंशन योजना का लाभ ले रही है।

झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने सरकार पर साधा निशाना,पूछा

पलायन के लिए क्यों मजबूर हैं झारखंडी

राष्ट्रीय खबर

रांची:झारखंड मुक्ति मोर्चा विधायक होने के बावजूद अक्सर अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा करने वाले लोबिन हेम्ब्रम ने फिर एक बार निशाना साधा है। नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में पलायन के लिए वर्तमान सरकार की गलत नीतियों को जिम्मेवार बताया है। लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि गलती होने पर मुआवजा नहीं हजार्ना दिया जाता है। इसलिए उत्तराखंड के उत्तरकाशी में टनल हादसे में फंसे हमारे मजदूर जब राज्य में लौटे तब सरकार उन्हें 15-15 लाख रुपये का मुआवजा दे और उन मजदूरों या उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दे। विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री ऐसा नहीं करते हैं तब यह समझा जाएगा कि उनके दिल में आदिवासी, मूलवासी और झारखंडियों के लिये कोई जगह नहीं है।उत्तरकाशी के टनल में फंसे सभी मजदूरों को सुरक्षित निकाले जाने और झारखंड के मजदूरों को हवाई जहाज से वापस लाने की योजना पर उन्होंने खुशी जताई। विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने मुख्यमंत्री से पूछा कि कोरोना काल में भी हवाई जहाज और ट्रेन से मजदूरों को वापस लाया गया था। फिर ये मजदूर 15-20 हजार की नौकरी के लिए दूसरे राज्यों में जाकर अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर क्यों हैं? विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि राज्य सरकार टनल से सुरक्षित निकाले गए राज्य के मजदूरों को हवाई जहाज से वापस ला रही है, यह प्रशंसा की बात है।

जाति आधारित राजनीति को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी के बयान का स्वागत

चार वर्गों के उत्थान से देश मजबूत होगा: झारखंड भाजपा

राष्ट्रीय खबर

रांची:जाति आधारित राजनीति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान गुरुवार को आया है। जिसके तहत उन्होंने कहा है कि मेरे लिए सबसे बड़ी जाति नारी, युवा, किसान और गरीब हैं, जब तक इन चारों जातियों को मुश्किलों से उबार नहीं देता तब तक मैं चैन से नहीं बैठने वाला हूं। इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। अगर इन चारों जातियों का उत्थान हो जाएगा तो सबका उत्थान हो जाएगा।पीएम मोदी का यह बयान राजनीतिक मायनों में काफी अहम माना जा रहा है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों में जिस तरह से जाति आधारित राजनीति हावी रहा है और इसके जरिए राजनीतिक रोटी सेंकी जाती रही है, उसे एक नई सियासी हवा देने की कोशिश की गई है। हाल के दिनों में बीजेपी जाति आधारित राजनीति के खिलाफ मुखर हुई है, जिसका प्रमाण लगातार नेताओं के आ रहे बयान से देखने से मिल रहा है। बिहार में जाति आधारित जनगणना की मांग को ठुकराकर बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व ने पहले ही साफ संकेत दे दिया है कि अब वो समय नहीं है जो जाति आधारित राजनीति को प्रमुखता दी जाए। ऐसे में पीएम ने जिस तरह से चार बड़े समूहों को चुनकर इन्हें प्राथमिकता सूची में रखी है, जो कहीं ना कहीं बड़ा मैसेज देने का काम है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान को अलग-अलग रूप में लोग देख रहे हैं। झारखंड बीजेपी ने पीएम के इस बयान का स्वागत करते हुए कहा है कि इन चार वर्गों के उत्थान से देश मजबूत होगा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि गरीबी की कोई जाति नहीं होता गरीब तो गरीब होता है गरीबों का उत्थान होगा तो वे राष्ट्र के मुख्य धारा से जुड़ेंगे। इसी तरह किसान अन्नदाता होते हैं अगर उनकी आय बढ़ेगी तो निश्चित रूप से देश प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगा। महिला तो मां काली और दुर्गा की प्रतीक होती हैं इनको सम्मान देने से ऐसे भी देश का सम्मान बढ़ता है। जहां तक युवा की बात करें तो कोई भी राष्ट्र युवा शक्ति से ही चलता है। ऐसे में इन वर्गों को प्रोत्साहित करने से देश प्रगति के रास्ते पर बढ़ेगा।

ईडी और सीबीआई को एक्टिवेट करने आते हैं बीजेपी नेता:कांग्रेस

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में इन दिनों भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं की सक्रियता बढ़ गयी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर पीएम नरेंद्र मोदी तक झारखंड का दौरा कर चुके हैं। धर्मेंद्र प्रधान से लेकर बीजेपी के जितने भी बड़े नेता आसपास के राज्यों में आते हैं, वे किसी न किसी तरह से झारखंड का दौरा जरूर करते हैं। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी अपने केंद्रीय और बड़े नेताओं के आगमन को पार्टी कार्यकताओं के बीच उत्साह का जरिया बता रही है। वहीं झारखंड कांग्रेस की नजर में बीजेपी नेताओं का आगमन राज्य में बीजेपी को मजबूत करने की जगह ईडी, आईटी और सीबीआई को एक्टिवेट करने जैसा है।भाजपा नेता अरुण कुमार झा ने झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के लगातार आगमन को कार्यकताओं में उत्साह का स्रोत बताते हुए कहा कि वैसे तो हम सभी चुनाव के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, लेकिन जब विपक्ष को लोकसभा चुनाव में जीरो पर आउट करना हो तो वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन बहुत जरूरी है। बीजेपी नेता ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने 14 लोकसभा सीटों में से 12 पर जीत हासिल की थी, इस बार लक्ष्य राज्य में इंडिया महागठबंधन के दलों को सत्ता से बाहर करना है।झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय स्तर के नेताओं की बढ़ती सक्रियता पर पूछे गये सवाल पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा और उसके नेता राज्य और देश की जनता की नजरों से गिर गये हैं।

एग्जिट पोल को झारखंड बीजेपी ने बताया उत्साहजनक

राष्ट्रीय खबर

रांची: विभिन्न एजेंसियों के द्वारा जारी एक्जिट पोल में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में अलग-अलग राजनीतिक तश्वीर होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। किसी ने सिर्फ मध्यप्रदेश में बीजेपी की फिर से वापसी होने की संभावना जताई है तो किसी ने राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार की विदाई होने की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस-बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर होने के आसार बताए जा रहे हैं। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव का परिणाम 3 दिसंबर को आएगा। इन सब के बीच मीडिया चैनलों के द्वारा जारी किए गए एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने रांची में मीडियाकर्मियों के द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मतपेटी में मत पड़ चुका हैं, धैर्य रखिए जल्द तस्वीर साफ हो जाएगा।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिंहा ने मीडिया चैनलों के द्वारा जारी एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए सुखद होगा।

बैठक

बीएसएफ के कार्यक्रम में आकर भी राजनीतिक तापमान बढ़ा गये

अमित शाह ने बाबूलाल से अलग से बैठक की

- अलग से करीब 25 मिनट की बैठक
- लोकसभा टिकट और संगठन का आकलन
- प्रदेश कार्यसमिति के पुनर्गठन पर अधिक ध्यान

राष्ट्रीय खबर

रांची: केंद्रीय गृह मंत्री की राजनीतिक चाल ने फिर से सुस्त पड़ी झारखंड की राजनीति को गरमा दिया है। दरअसल अमित शाह यहां हजारीबाग में सीमा सुरक्षा बल के कार्यक्रम में भाग लेने आये थे। इस कार्यक्रम से अलग हटकर उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी से बात चीत की। दोनों की करीब 25 मिनट की बात चीत ने भाजपा के अंदर और बाहर का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह से मुलाकात पर कयासों का दौर शुरू हो चुका है।

दरअसल लोकसभा चुनाव के पूर्व ऐसी बात चीत का एक अर्थ टिकट पाने अथवा कटने से जुड़ा होता है। इसके अलावा प्रदेश संगठन में भी फेरबदल की आहट है। झारखंड भाजपा की नई प्रदेश कार्यसमिति का अब तक गठन नहीं हो पाना भी एक वजह है।। दरअसल, बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाले करीब पांच माह गुजर चुके हैं। लेकिन अभी तक कार्यसमिति की घोषणा नहीं हुई है।

पिछले माह जोर शोर से चर्चा उठी थी कि बाबूलाल मरांडी, संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह और प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी के बीच इसको लेकर मंथन हुआ है। लेकिन लिस्ट अबतक सामने नहीं आई। खास बात है कि कर्मवीर सिंह को भी संगठन मंत्री के रुप में कार्यभार संभाले करीब एक साल हो चुका है। इसके बावजूद अभी तक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश वाली कमेटी से ही काम चलाया जा रहा है। हालांकि रघुवर दास को राज्यपाल बनाकर पार्टी से अलग करने और अमर बाउरी को नेता प्रतिपक्ष बनाकर भाजपा ने संकेत दे दिया है कि कार्यसमिति में किसकी चलेगी और इसकी सूरत कैसी होगी। इसमें कास्ट इक्वेशन खासकर ओबीसी से आदित्य साहू और सामान्य वर्ग से अनंत ओझा और रणधीर सिंह को विशेष तवज्जो दी जा सकती है। वैसे प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालते ही बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के जरिए अपने जेवीएम वाले कैडर को भाजपा कैडर के साथ तालमेल बिठाने में बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन नतीजों पर पहुंचने में लगातार विलंब हो रहा है। दूसरी तरफ खुद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आदिवासियों को अपने पाले में करने की कोशिश से भी सभी वाकिफ है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर कार्यसमिति के गठन में विलंब क्यों हो रहा है। इस मुलाकात को लेकर हर किसी का अपना अलग नजरिया है। चुनाव से पहले प्रदेश कार्यसमिति में फेरबदल से पहले हर नाम पर मंथन होता है।

आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव को भी देखा जाता है। केंद्रीय नेतृत्व के गाइडलाइन को भी ध्यान में रखना होता है। संभव है कि दिसंबर तक कार्यसमिति बन जानी चाहिए। जहां तक अमित शाह से मुलाकात की बात है तो वह पार्टी के बड़े नेता हैं। लिहाजा, बाबूलाल मरांडी ने उनको झारखंड की राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया होगा। झारखंड में माइनिंग और जमीन घोटाला से जुड़े कई मामले चल रहे हैं। कुछ मामले हाईकोर्ट में भी हैं। लेकिन ईडी की धीमी कार्रवाई पर जरुर चर्चा हुई होगी।खास बात है कि पार्टी के संविधान और नियम के मुताबिक हर तीन माह पर कार्यकारिणी की बैठक करने का प्रावधान है। लेकिन झारखंड में पूर्व भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रकाश के नेतृत्व में जनवरी माह में कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। पार्टी नियम के तहत झारखंड को श्रेणी-2 के प्रदेश में रखा गया है। इसके तहत कार्यकारिणी में अध्यक्ष के अलावा अधिक से अधिक 90 सदस्य होंगे। इनमें 30 महिलाएं और सात लोग एसटी और एससी वर्ग के होंगे। इसमें अधिक से अधिक 8 उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री, एक महामंत्री संगठन और एक कोषाध्यक्ष होंगे। इन पदाधिकारियों में कम से कम 7 महिलाएं और तीन एसटी-एससी वर्ग के लोग होंगे। प्रदेश अध्यक्ष अपनी कार्यसमिति में कम से कम 25 प्रतिशत नये सदस्यों को जगह देंगे।

पेज एक का शेष

सहमति रोकी तो राष्ट्रपति.. .. ..

ही नहीं उठता। अटॉर्नी जनरल के अपनी ओर से यह कहने पर कि यह एक खुला प्रश्न है और इसकी जांच की जानी चाहिए, पीठ ने कहा, हमने वह कानून बनाया है। यह हमारे फैसले (पंजाब के राज्यपाल मामले में) द्वारा शासित है। पीठ ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति एक निर्वाचित पद रखता है। इसलिए संविधान ने उसे अधिक व्यापक शक्तियाँ प्रदान की हैं। पीठ ने कहा, केंद्र सरकार के नामित व्यक्ति के रूप में राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के मूल भाग में निर्दिष्ट तीन विकल्पों में से एक का उपयोग करना चाहिए। पीठ कहा कि वह इस मसले पर अगले सप्ताह विचार करेगी। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने 20 नवंबर को सवाल किया था कि जनवरी 2020 में सहमति के लिए प्रस्तुत विधेयकों पर निर्णय लेने में तमिलनाडु के राज्यपाल तीन साल तक क्या कर रहे थे।

इजरायली हमले में 42 की मौत .. .. ..

हवाई हमलों दक्षिण गाजा पर हमला किया, जिसमें खान यूनिस शहर के पूर्व में अबासन समुदाय रहते हैं। इजरायल के एक अन्य हवाई हमले ने गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में एक घर को निशाना बनाया। दक्षिण गाजा पट्टी में लगातार विस्फोटों की आवाज सुनायी दी गई और क्षेत्र से काला धुएं का गुब्बार निकलता दिखाई दिया। इजरायल में भी गाजा से सटे तीन इलाकों में सायरन की आवाज सुनी गयी और रॉकेट हमले की चेतावनी दी गयी। इलाके के लोगों को चेतावनी दी गयी कि कि हमास ने भी अपने हमले फिर से शुरू कर दिए हैं। गाजा की 23 लाख की अधिकांश आबादी अब दक्षिण गाजा में फंस गई है और वहां से निकलने के लिए रास्ते तलाश रहे हैं। गाजा में अपने अस्थायी संघर्षविराम को एक और दिन बढ़ाने के समझौते के तहत हमास द्वारा अतिरिक्त बंदियों को मुक्त करने के कुछ घंटों बाद इजरायल के अधिकारियों ने शुक्रवार को फिलिस्तीन के 30 कैदियों को रिहा कर दिया था। फिलिस्तीनी कैदियों को ले जा रही एक बस के वेस्ट बैंक के कब्जे वाले शहर रामल्ला पहुंचने पर कैदियों का स्वागत किया गया, जहां कई फिलिस्तीनी नागरिक पहले से ही मौजूद थे। जिनमें से कुछ लोगों के हाथ में हमास का हरा झंडा था।

तेलंगना के चुनाव के बीच .. .. ..

तेलंगाना पुलिस हैरान रह गई और इसके 36 गेटों में से आधे पर नियंत्रण कर लिया। जब तेलंगाना के अधिकारी और नलगोंडा के कुछ पुलिसकर्मी बांध पर पहुंचे, तो आंध्र प्रदेश अधिकारियों के साथ बहस शुरू हो गई। लेकिन जब आंध्र प्रदेश अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि वे अपनी सरकार के निदेर्शों पर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, तो तेलंगाना के अधिकारी वापस लौट आए। आंध्र प्रदेश अधिकारी कथित तौर पर तेलंगाना से वाहनों को अनुमति नहीं दे रहे थे जब तक कि वे राज्य के पते के साथ आधार कार्ड नहीं दिखाते।

फुटबॉल में हेडर से दिमाग .. .. ..

चिंता का एक बड़ा हिस्सा युवा वयस्कता में बदलाव की संभावना से संबंधित है जो बाद में जीवन में न्यूरोडीजेनेरेशन और मनोभ्रंश के जोखिम को जन्म दे सकता है। पिछले शोध में एक ही समय में फुटबॉल खेलने से संबंधित मस्तिष्क पर प्रतिकूल प्रभावों की जांच की गई थी, इस नए अध्ययन में दो वर्षों में मस्तिष्क में होने वाले परिवर्तनों को देखा गया। अध्ययन में 148 युवा वयस्क शौकिया फुटबॉल खिलाड़ी (औसत आयु 27, 26 फीसद महिलाएं) शामिल थे। अनुसंधान टीम ने खिलाड़ियों के लिए एक विशेष प्रश्नावली विकसित की ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि वे फुटबॉल की गेंद को कितनी बार अपने सिर से मारते हैं। डॉ लिप्टन ने कहा, हमारे विश्लेषण में पाया गया कि दो साल की अवधि में उच्च स्तर का सिरदर्द मस्तिष्क की सूक्ष्म संरचना में बदलाव से जुड़ा था, जैसा कि हल्के दर्दनाक मस्तिष्क की चोटों में देखा गया था। डॉ लिप्टन और सहकर्मियों ने आज एक और अध्ययन भी प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने फुटबॉल हेडिंग और मौखिक सीखने के प्रदर्शन से दोहराए जाने वाले सिर के प्रभावों के बीच संबंध की जांच करने के लिए डीटीआई का उपयोग किया।

दूसरे अध्ययन के लिए, शोधकताओं ने 353 शौकिया फुटबॉल खिलाड़ियों (उम्र 18-53, 27 फीसद महिला) में डीटीआई और मौखिक सीखने के प्रदर्शन परीक्षण से पहले 12 महीने से अधिक समय का विश्लेषण किया। गहरे सफेद पदार्थ क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाले पिछले शोध के विपरीत, इस अध्ययन ने मस्तिष्क के भूरे और खोपड़ी के करीब सफेद पदार्थ के बीच इंटरफेस की अखंडता का मूल्यांकन करने के लिए डीटीआई मापदंडों का उपयोग करते हुए एक नई तकनीक का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि ग्रे मैटर-व्हाइट मैटर इंटरफेस अखंडता दोहराए जाने वाले सिर प्रभावों और संज्ञानात्मक प्रदर्शन के बीच प्रतिकूल संबंध में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस शोध के आधार पर ही बताया गया है कि फुटबॉल में हेडर लगाना दिमाग को अंदर से नुकसान पहुंचाता है।

म्यांमार की स्थिति पर अमित .. .. ..

है।अधिकारी ने कहा, राज्य सरकार ने किसानों सहित विस्थापित और हिंसा प्रभावित लोगों से संबंधित विभिन्न परियोजनाएं और प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, और उन्हें लागू करने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता मांगी है। मुख्यमंत्री ने इन प्रस्तावों पर गृहमंत्री से चर्चा की। उन्होंने म्यांमार से अवैध घुसपैठ पर भी चर्चा की। शाह से मुलाकात के बाद सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से मिलना सम्मान की बात है। मैं मणिपुर की बेहतरी के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने और शांति वार्ता के माध्यम से यूएनएलएफ को मुख्यधारा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए उनका बेहद आभारी हूं। मणिपुर के भारत-म्यांमार सीमा मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ बैठक के बाद गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, जिन समूहों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित घोषित किया गया था, उनमें पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, जिसे आमतौर पर पीएलए के नाम से जाना जाता है, और इसकी राजनीतिक शाखा, रिवोल्यूशनरी पीपुल्स फ्रंट (आरपीएफ) शामिल हैं। पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (पीआरईपीएके) और इसकी सशस्त्र शाखा रेड आर्मी; कंगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और उसकी सशस्त्र शाखा है, जिसे लाल सेना भी कहा जाता है।

हालांकि, एक महत्वपूर्ण अभियान में, मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई की है, 255 व्यक्तियों को हिरासत में लिया है और विभिन्न जिलों में कई बड़े हथियार और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया है। राज्य भर में आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए गए अभियान में एनएच -37 पर कुल 430 वाहन और एनएच -2 पर 460 वाहन आवश्यक सामान ले जा रहे थे।स्वतंत्र और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील हिस्सों में वाहनों के साथ पुलिस काफिले के साथ संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा उपायों को तेज कर दिया गया था। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में रणनीतिक रूप से कुल 141 नाके/जांच चौकियां तैनात की गई थीं।अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने इम्फाल पूर्व, थौबल, इंफाल पश्चिम और चुराचांदपुर जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। अवैध हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी के साथ कार्रवाई के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए। इंफाल पूर्व में, अधिकारियों ने एक मैगजीन के साथ 9 मिमी की पिस्तौल, 9 मिमी गोला-बारूद के 3 राउंड और 6 हथगोले जब्त किए। इस बीच, चुराचांदपुर जिले में 6 हथियारों की अधिक व्यापक बरामदगी देखी गई, जिसमें एक पत्रिका के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, एक पत्रिका के साथ एक 9 मिमी सीएमजी, एक पत्रिका के साथ एक .303 राइफल जिसमें 2 राउंड गोला-बारूद था, 1 राउंड गोला-बारूद के साथ दो 12 बोर राइफल, और एक एकल बैरल। इसके अतिरिक्त, 3 राउंड के साथ दो देशी लंबी दूरी के मोर्टार, 38 मिमी विरोधी दंगा के 4 कारतूस, 1 स्ट्रिंगर कारतूस, 6 आंसू गैस के गोले और 1 रेडियो सेट भी बरामद किए गए।

शहर ›› अपडेट

मलखंब प्रतियोगिता का आयोजन 4 व 5 को

रांची: विश्वामित्र पांडे मेमोरियल मलखंब प्रतियोगिता का आयोजन 4 और 5 दिसंबर को बंगीय सांस्कृतिक परिषद विद्यालय धुर्वा में होगा। यह आयोजन वाइड ग्लोब एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं रांची जिला मलखंब संघ की ओर से किया जायेगा। इस मलखंड प्रतियोगिता में रांची जिला से बड़ी संख्या में बालक बालिका हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि मलखंब एक प्राचीन भारतीय खेल है जिससे शरीर और मन दोनो का विकास होता है। उन्होंने कहा कि रांची में मलखंब खेल को आगे बढ़ाने के लिए संघ इस तरह की प्रतियोगिता कराता रहेगा। प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित तैयारियां पूरी हो चुकी है। रांची जिला मलखंड संघ के महासचिव आशुतोष दिवेदी ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्घाटन वाइड ग्लोब एकेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कौशल कुमार पांडे करेंगे।

अभियान

एड्स को लेकर झारखंड में जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश

अभी भी प्रदेश में मिल रहे हैं मरीज: स्वास्थ्य मंत्री

राष्ट्रीय खबर

रांची: 1 दिसंबर को पूरी दुनिया में विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इस दिन एड्स के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। इसी के मद्देनजर झारखंड सरकार के द्वारा भी रांची के श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से एड्स पर काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में पहुंचे गणमान्य लोगों ने इस बीमारी से बचाव के उपाय बताए। श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के कुलपति तपन सांडिल ने कहा कि वर्ष 1986 में पहली बार इस बीमारी को भारत में डिटेक्ट किया गया था। इसके बाद 90 के दशक में इस बीमारी का प्रकोप बढ़ता गया। लेकिन केंद्र और झारखंड सरकार के प्रयास से आज के दौर में इस बीमारी पर नियंत्रण किया जा रहा है, जो आने वाले दिनों में हमारे अगली पीढ़ी को सुरक्षित रखेगा।इस कार्यक्रम में पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड में फिलहाल 15 हजार 326 मरीज हैं। जिनका इलाज एआरटी सेंटर के माध्यम से लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में एड्स के मरीज को ज्यादा से ज्यादा सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। वर्तमान में मुफ्त राशन और पेंशन योजना से एड्स के मरीजों को जोड़ा गया है।स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि जितने भी मरीज चिन्हित किए गए हैं, उन्हें राज्य सरकार के द्वारा हरसंभव मदद पहुंचायी जाए, उसको सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। वर्ष 2023-24 में करीब छह लाख पचास हजार लोगों की एचआईवी जांच करायी गयी। जिसमें करीब 975 लोग एचआईवी से संक्रमित पाए गए। इस कार्यक्रम में आए सभी गणमान्य लोगों ने यह अपील की है कि एड्स के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जाए ताकि आने वाले दिनों में झारखंड सहित पूरे देश से एड्स बीमारी को जड़ से मिटाया जा सके।वहीं एड्स के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे किन्नर समाज के लोग भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि एड्स जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए ज्यादा से ज्यादा जागरुकता के साथ कानून व्यवस्था को भी मजबूत करनी पड़ेगी। इससे अगर कोई भी व्यक्ति नशा या यौनाचार को बढ़ावा देता है तो वैसे शक्स पर कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं इस कार्यक्रम में पहुंचे लोक कलाकारों ने नाटक के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया।

न्यूज फटाफट

विकास ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने निकाली एड्स जागरूकता रैली

रांची: विश्व एड्स दिवस पर विकास ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के छात्र छात्रों जागरूकता रैली निकाली। रैली विकास इंस्टीट्यूशंस से एनएच 23 पथ होते हुए विकास बाजार चौक तक गई। इस दौरान नर्सिंग के छात्र छात्राएं हाथों में बैनर पोस्टर लिए नारा लगाते हुए लोगों को एड्स के प्रति जागरूक कर रहे थे। कार्यक्रम की शुरूआत विकास इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग पारा मेडिकल साइंस के डायरेक्टर राधा चरण सिंह सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर की। इस दौरान राधा चरण सिंह ने कहा कि विश्व एड्स दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी एवं इससे बचने के उपायों के प्रति जागरूक करना है। इसके साथ ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह भी है कि जो मरीज एड्स से ग्रसित है। उनके साथ समाज में किसी प्रकार का भेदभाव ना किया जाए। कार्यक्रम के दौरान वाइस प्रिंसिपल ने बताया कि एड्स बिमारी किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से नहीं होती है। एड्स बीमारी किस प्रकार होती है एवं इससे बचाव के उपायों के संबंध में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान राम लखन मेहता के द्वारा सभी को एड्स दिवस के दिन कपड़े पर लाल रिबन लगाने के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। जागरूकता रैली में डॉ एपी सिंह, एसके तिवारी, कॉर्डिनेटर मो इरशाद अंसारी, डॉ एसपी सिंह, सतेन्द्र कुमार सिंह, अनुपा खालको, आलिया कुमारी, अनुराधा कुमारी सहित कॉलेज के छात्र-छात्राए शामिल थे।

झारखंड में अपस्टॉक्स के ग्राहकों की संख्या में 474 प्रतिशत की बढ़ोतरी

रांची: भारत के प्रमुख निवेश प्लेटफॉर्म में से एक अपस्टॉक्स ने अपने ऐप पर नए फीचर पेश किए हैं। जिससे भारत में लोगों के लिए निवेश बेहद सरल बन जाएगा। अपस्टॉक्स का लक्ष्य निवेशकों के लिए निवेश प्रक्रिया को सहज और अधिक आकर्षक बनाना। अपस्टॉक्स के निदेशक अमित ललन ने कहा कि अपस्टॉक्स के मुख्य अभियान ह्यइन्वेस्ट राइट, इन्वेस्ट नाउ के एक महत्वपूर्ण अंग हैं। जिसका लक्ष्य है, निवेशकों को कहां, क्यों और कैसे निवेश करना है। इसके बारे में जानकारी देना। अपस्टॉक्स के निदेशक अमित ललन ने प्रेसवार्ता में बताया कि ग्राहकों पर विशेष ध्यान और इक्विटी भागीदारी बढ़ाने के निरंतर प्रयास के साथ, अपस्टॉक्स के पास अब ग्राहकों की संख्या बढ़कर 1।2 करोड़ से अधिक हो गई है। अपस्टॉक्स पर डीमैट खाता संख्या में जिन राज्यों में भारी वृद्धि हुई, झारखंड राज्य उनमें से एक रहा। कंपनी ने झारखंड में अपने ग्राहकों की संख्या में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की। इसमें मार्च 2021 के बाद से अक्टूबर 2023 तक 474% की बढ़ोतरी दर्ज हुई। झारखंड सभी ग्राहकों में से लगभग 80% ग्राहक 18-35 वर्ष की आयु वर्ग के हैं। रांची में अपस्टॉक्स एक विविध ग्राहक आधार के साथ मौजूद है, जहां 78% से अधिक उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की आयु के हैं। इसमें व्यवसायी, सरकारी कर्मचारी और गृहिणियां शामिल हैं। अपस्टॉक्स के लगभग 27% ग्राहक धनबाद और रांची से हैं। श्री ललन ने कहा कि वित्तीय निवेश के बारे में जागरूकता पैदा करने के हमारे प्रयासों को पूरे देश से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

पंचायत सचिवालय संघ शीतकालीन सत्र में विधानसभा का घेराव करेगा

रांची: पंचायत सचिवालय संघ का धरना आज 148 वें दिन भी जारी रहा है। संघ के सदस्य अपनी पांच सूत्री मांगों को लेकर धरना पर बैठे हुए हैं। संघ के अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि अभी तक विभागीय मंत्री से लेकर सत्ता पक्ष के कई विधायकों से मिलकर वार्ता हुई है। पर हर बार सत्ता से जुड़े लोगों के द्वारा सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है। संघ की मांगों पर कोई ठोस पहल सरकार के द्वारा नहीं की गई है। यह दुर्भाग्य की बात है कि झामुमो ने चुनाव के समय जो वादे किए थे उसे भी पूरा नहीं कर रही है। चंद्रदीप कुमार ने कहा कि संघ की प्रदेश कमेटी की कल (2 दिसंबर को) धरना स्थल पर ही बैठक का आयोजन होगा। इसमें आंदोलन के मद्देनजर ठोस रणनीति बनायी जायेगी। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र के समय विधानसभा घेराव किया जायेगा। इसके अलावा झारखंड सरकार के चार साल पूरे होने पर संघ की ओर से नंग धड़ग प्रदर्शन करने पर भी विचार किया जा रहा है। संघ के नेताओं ने कहा कि आंदोलन तबतक चलेगा जबतक सरकार संघ की मांगों को नहीं मानती। धरना स्थल पर शकील अहमद, तस्लीम अंसारी, धर्मवीर, गौतम, अजय, बबलू, चंपा, अब्दुल, पवन, संतोष, प्रभात सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित थे।

आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल हुए सेवानिवृत, दी गयी विदाई

रांची: दक्षिणी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल गुरूवार 30 नवंबर को सेवानिवृत हो गए। सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सहयोगी अधिकारियों और कर्मचारियों ने विदाई दी। आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में समारोह के दौरान मनोज कुमार जायसवाल ने अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने सभी पदाधिकारियों व कर्मियों की कार्यशैली एवं सहयोग की सराहना करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मियों ने मनोज कुमार जायसवाल के साथ अपने कार्यानुभव साझा करते हुए उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी।

दैनिक भोजन में करें मिलेट्स का उपयोग : डॉ अरुण

रांची: अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के उपलक्ष्य में कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट टॉक का आयोजन हुआ। बतौर रिसोर्स पर्सन बिरसा कृषि विवि के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार ने सत्र को सम्बोधित कर मिलेट्स (मोटा अनाज)के उपयोग से होने वाले फायदे के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की। इसके पूर्व प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने पुष्प गुच्छ देकर रिसोर्स पर्सन डॉ अरुण कुमार का स्वागत किया। सत्र को सम्बोधित करते हुए डॉ कुमार ने विद्यार्थियों से कहा कि वे बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए अपने अपने दैनिक भोज्य पदार्थ में मिलेट्स यथा ज्वार, बाजरा, माडुआ, कोदो, रागी, कूटकी का उपयोग शामिल करें। उन्होंने इसकी पोष्टीकता और इनमे पाए जाने वाले रोगों से लड़ने की प्रतिरोधत्मक क्षमता के बारे विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इसके इसकी पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों को दी जा रही मदद व चलाये जा रहे स्कीम से सम्बंधित जानकारी भी दिया। बता दें कि मिलेट्स के उपयोग को बढ़ावा देने को लेकर वैश्विक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है, और यही कारण है कि वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। चर्चा के दौरान प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन के अलावा डॉ ए भट्टचार्य, डॉ पी एस शर्मा, डॉ विजय शंकर सिंह, डॉ शालिनी सिंह आदि वरिष्ठ शिक्षक मौजूद थे।

पर्यावरण और पारंपरिक संगीत के लिए साइकिल से लोगों को जागरूक कर रहे आईआईटी के प्रोफेसर

रांची: देश में पर्यावरण को बचाने और युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति और संगीत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोफेसर किरण सेठ साइकिल चलाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रांची पहुंचने के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रोफेसर किरण सेठ ने कहा कि वे अब तक कन्याकुमारी से श्रीनगर तक साइकिल चला चुके हैं। अब वह गुवाहाटी से दिल्ली तक साइकिल यात्रा शुरू करने जा रहे हैं।प्रोफेसर किरण सेठ ने बताया कि वे अब तक दस हजार किलोमीटर साइकिल चला चुके हैं और हजारों गांवों और ब्लॉकों में युवाओं को पारंपरिक संगीत और अपनी संस्कृति के बारे में जागरूक किया है। साइकिल से उन्होंने यह अभियान चलाने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वह महात्मा गांधी के सादा जीवन उच्च विचार की सोच को लोगों के बीच लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाने से पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश भी मिलता है और एकाग्रता भी बनी रहती है।प्रोफेसर किरण सेठ के साथ झारखंड में उनके अभियान को सफल बनाने के लिए काम कर रहे राजीव रंजन कहते हैं कि वे कई वर्षों से स्पिक मैके नामक संस्था से जुड़े हुए हैं।

क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

आरंभिक मैचों में डीएवी हेहल ने बाजी मारी

राष्ट्रीय खबर

रांची: डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के तत्वावधान में गुरुवार को रांची के विकास विद्यालय में क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुआ। इसके तहत क्रिकेट प्रतियोगिताओं की शुरूआत गुरुवार से हो गई। बता दें कि डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स के तहत तीन स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। पहले क्लस्टर फिर जोनल और फिर नेशनल। कलस्टर स्तर पर जीतने वाली टीमें जोनल लेवल में पहुंचती है तथा जोनल में विजयी टीम में नेशनल खेलती है।प्रतियोगिता का आयोजन डीएवी कपिल देव पब्लिक स्कूल के द्वारा किया जा रहा है। गुरुवार रांची के विकास विद्यालय मैदान में अलग-अलग आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं के लिए क्लस्टर स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के ग्रुप के फाइनल में डीएवी हेहल ने डीएवी कपिल देव को हराया। वहीं 19 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों के ग्रुप के फाइनल में भी डीएवी हेहल ने डीएवी कपिल देव को हराया। 17 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के ग्रुप में डीएवी गुमला ने डीएवी खूंटी को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। एक-दूसरे मैच में डीएवी सिमडेगा ने डीएवी गढ़वा को हराया और अगले चक्र में प्रवेश किया। मौके पर मौजूद डीएवी हेहल के प्राचार्य एसके मिश्रा ने बच्चों को खेल को करियर के रूप में अपनाने की सलाह दी। इस क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता में अलग-अलग आयु वर्ग के 13 टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें प्रत्येक टीम में 15-15 खिलाड़ी शामिल हैं।

विधायक ने पीसीसी पथ और गार्डवाल का किया शिलान्यास

रांची: राहे प्रखंड क्षेत्र के होटलो पंचायत अंतर्गत धतकीजारा गांव में विधायक सुदेश कुमार महतो ने विधायक निधि से 300 फीट पीसीसी सड़क तथा 100 फीट गार्डवाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। दोनों कार्यों में 7 लाख की लागत आयेगी। इस दौरान विधायक ने कहा कि गांव की जरूरत को पूरा किया जा रहा है। पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य पर वृहत पैमाने पर काम किये जा रहे है। हमारा प्रयास जेनरेशन ग्रोथ को लेकर है। गांव को राशन और पेंशन से ऊपर लाना है। मौके पर संजय सिद्धार्थ, प्रमुख लीलमनी देवी, रंग बहादुर महतो, मीना देवी, सुभाष महतो, मनोरंजन भोक्ता, प्रमोद सिंह, मुकेश, ब्रजेश मुंडा तथा प्रमोद सिंह आदि मौजूद थे।

अगले 48 घंटों में भारत में तूफान आने की संभावना

माइचौंग तूफान का झारखंड में भी दिखेगा असर

राष्ट्रीय खबर

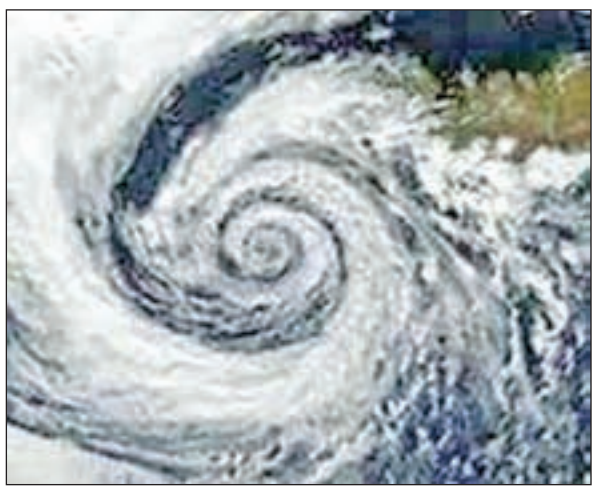

रांची: अगले 48 घंटों में भारत में तूफान आने की संभावना है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र के बीच कई तटीय क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा गया है। पूर्वोत्तर राज्यों में आए चक्रवाती तूफान मिधिली के बाद अब बंगाल की खाड़ी में एक और तूफान बढ़ रहा है। इससे लेकर मौसम विभाग ने कहा कि एक और चक्रवाती तूफान आने वाला है। यह इस साल का चौथा तूफान होगा, और इसके भारत, बांग्लादेश और म्यांमार तक अपना असर छोड़ने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान को माइचौंग नाम दिया गया है।दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर बना दबाव पिछले 03 घंटे के दौरान 10 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, 2 दिसंबर तक गहरे दबाव में तब्दील होने और 3 दिसंबर के आसपास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और 4 दिसंबर की शाम के आसपास चक्रवाती तूफान के रूप में चेन्नई और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश और आसपास के उत्तरी तमिलनाडु तटों को पार करेगा।मौसम विज्ञान केंद्र रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया की झारखंड में इस तूफान का हल्का असर होगा। 4 से 6 दिसंबर तक कुछ जिलों में हल्की बारिश की संभावना है। वहीं इस दौरान राज्य में बादल छाए रहने के आसार हैं।

राज्य के सभी रेडियोलॉजिस्ट और अल्ट्रासोनोग्राफी करने वाले डॉक्टरों को झारखंड मेडिकल काउंसिल से रजिस्टर्ड होना जरूरी

राष्ट्रीय खबर

रांची: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, नामकुम में पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 के अंतर्गत राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक शुक्रवार को हुई। इसकी अध्यक्षता स्त्री एवं प्रसूति विभाग, रिम्स की रिटायर प्रोफेसर डॉ रेणुका सिन्हा ने की। इसमें सर्वसम्मति से विभिन्न बिंदुओं पर फैसले लिए गए। राज्य में प्रैक्टिस कर रहे या सेवा दे रहे सभी रेडियोलॉजिस्ट तथा अल्ट्रासोनोग्राफी करने वाले डॉक्टरों को झारखंड मेडिकल काउंसिल या मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से अनिवार्य तौर पर रजिस्टर्ड होना होगा। आरओएस/आइएमए एवं पीजी स्टूडेंट्स के इंडक्शन कार्यक्रम में पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 पर उन्मुखीकरण एवं संवेदीकरण को शामिल किए जाने की सलाह दी गई। राज्य में संचालित अल्ट्रासाउंड क्लिनिक एवं सिविल सर्जन कार्यालय द्वारा एक्ट के क्रियान्वयन से संबंधित मानकों पर भी चर्चा की गई। बैठक में पीसीपीएनडीटी के राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ आर एन शर्मा, शिशु शल्य विभाग रिम्स के डॉ हरेन्द्र बिरुआ, बायो केमेस्ट्री विभाग की डॉ अनुपा प्रसाद, झालसा के मनीष मिश्रा, आदिवासी जन परिषद की चंद्र रश्मि पिंगुआ, पीसीपीएनडीटी की राज्य समन्वयक रफत फरजाना, पीसीपीएनडीटी कोषांग की श्वेता वर्मा सहित अन्य भी उपस्थित थे।

झारखंड में खेलों के विकास में कंसल्टेंट्स की मदद लेगा खेल प्राधिकरण

राष्ट्रीय खबर

रांची: झारखंड में खेलों के विकास की और अधिक संभावनाओं को तलाशने को कंसल्टेंट्स की मदद ली जाएगी। इसके लिए झारखंड खेल प्राधिकरण ने पहल करते विज्ञापन जारी किया है। अनुबंध के आधार पर कंसल्टेंट्स की मदद दो सालों तक ली जानी है। जरूरत के हिसाब से कुल पांच सालों तक सेवा ली जा सकती है। साझा की ओर से कहा गया है कि वह सीनियर स्पोर्ट्स फेलो सह कंसल्टेंट के लिए एक योग्य कैंडिडेट तलाश रहा है। स्पोर्ट्स फेलो सह जूनियर कंसल्टेंट के पद पर भी एक कैंडिडेट चाहिए। दोनों पद जेनरल कैटेगरी के कैंडिडेट के लिए हैं।कंसल्टेंट्स के पदों के लिए दो दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक आवेदन किए जा सकते हैं। वेबसाइट की मदद से विस्तृत जानकारी ली जा सकती है। भरे हुए आवेदन को ई- मेल पर भेजना होगा। दूसरे किसी तरीके से भेजे जाने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

रांची के पिस्का नगड़ी में 22 पड़हा शक्ति खूंटा संगा पड़हा जतरा महोत्सव का आयोजन, लोक गीतों पर झुमने लगे लोग

राष्ट्रीय खबर

रांची: जिले के पिस्का नगड़ी प्रखंड के चेटे गांव में ऐतिहासिक 22 पड़हा शक्ति खूंटा संगा पड़हा जतरा महोत्सव-2023 का आयोजन किया गया। मौके पर 50 मौजा से सैकड़ों खोड़हा अपने आदिवासी पोशाक और रीति-रिवाज के साथ समारोह स्थल पर पहुंचे। सभी आदिवासी लोगों ने इस मौके पर विधि-विधान से शक्ति खूंटा की पूजा-अर्चना की।महोत्सव सह समिति के मुख्य संरक्षक और आदिवासी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अजय कच्छप के नेतृत्व में अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर जतरा का उद्घाटन किया। महोत्सव सह जतरा स्थल पर उपस्थित सैकड़ों ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मुख्य संरक्षक सह आदिवासी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष अजय कच्छप ने कहा कि जतरा हमारी संस्कृति की पहचान है। हम युवाओं को अपने सांस्कृतिक जीवन को बचाना है और आदिवासी समाज को शिक्षा के माध्यम से विकास के पथ पर ले जाना है।मौके पर महोत्सव में झारखंडी आधुनिक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राज्य के लोकप्रिय आधुनिक गायकों ने कई लोक गीत गाए। गीत सुन महोत्सव में मौजूद हजारों दर्शक नाचने लगे। पूर्वा जतरा स्थल पर पहुंचे सभी खोड़हा समूहों को कला-सांस्कृतिक, नृत्य-गीत, गीत गोविंद और पारंपरिक प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खोड़हा समूहों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस आयोजन में झारखंड आंदोलनकारी अशोक लोहरा और बिरसा लोहरा, केंद्रीय सरना समिति के उपाध्यक्ष मनु तिग्गा, पूर्व अध्यक्ष विजय कच्छप, उपाध्यक्ष रवींद्र तिर्की, महासचिव सुमन लोहरा, सचिव गणेश मिर्धा, सुखदास मुंडा, चमन तिर्की, मंगल मुंडा, सुनील मुंडा, महादेव उरांव, संजय लोहरा, मदन लोहरा (पूर्व सैनिक), रवि लोहरा, विजय लिंडा और अन्य शामिल हुए।

शहर ›› अपडेट

73 लाख रुपए की धोखाधड़ी

रांची: जगन्नाथपुर थाने में 73 लाख रुपए की धोखाधड़ी की प्राथमिकी सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन खूंटी में पदस्थापित हवलदार संजीत कुमार ने दर्ज कराई है। जिसके अनुसार, संजीत कुमार ने अपने और अपने भाई के नाम से जमीन लेने के लिए लटमा बाजार शिव मंदिर एयरपोर्ट के पीछे जमीन का एग्रीमेंट किया। एग्रीमेंट के तहत दोनों ने करीब 73 लाख 16 हजार रुपए का भुगतान किया। लेकिन भुगतान के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की गई। संजीत कुमार ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि उनके साथ षडयंत्र कर धोखाधड़ी की गई और आरोपियों ने उनके व उनके भाई के 73 लाख रुपए का गबन कर लिया। संजीत व उनके बड़े भाई ने जिन आरोपियों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए, उन सभी 28 लोगों के नाम व उनके एकाउंट नंबर का डिटेल्स पुलिस को उपलब्ध कराया है। पुलिस मामला दर्ज कर छानबीन कर रही है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

झुठा केस वापस ले अन्यथा होगा उग्र आंदोलन

तालगड़िया : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के संयोजक जगन्नाथ रजवार ने वेदांता-इलेक्ट्रो स्टील में आंदोलन करने वालों पर किए गए मुकदमा वापस लेने की मांग की है। कहा कि सुरक्षा गार्डों द्वारा महिलाओं समेत आंदोलनकारियों पर डंडा चलाने की इस घटना निंदनीय है। कंपनी के दमनकारी नीति के खिलाफ जेबीकेएसएस आवाज बुलंद करती रहेगी। रैयत, मजदूरों के 13 सूत्री मांगो को लेकर गेट जाम करने की सूचना सक्षम अधिकारी को देने उपरांत निर्धारित तिथि से शांतिपूर्ण रुप से गेट जाम किया। गेट जाम में प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट मुकदर्शक बने हुए थे। पुलिस की मौजूदगी में रैयत, मजदूर, महिलाओं को कंपनी के प्रहरियों ने बेरहमी से पीट-पीट घायल किया यह दिखाई नहीं दिया। चंदनकियारी सीओ के द्वारा रैयत, मजदूर, महिलाओं के साथ-साथ जेबीकेएसएस सुप्रिमो टाईगर जयराम महतो के खिलाफ किये गए झुठा केस वापस ले अन्यथा उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

नगड़ी चेटे पंचायत का ऐतिहासिक 22 पड़हा जतरा का आयोजन

नगड़ी : गुरुवार को नगड़ी चेटे पंचायत क्षेत्र में ऐतिहासिक 22 पड़हा शक्ति खुटा सांगा पड़हा जतरा महोत्सव का आयोजन पाहन के द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई गई। गांव देवता को रंगुआ मूर्गे की बलि देकर गांव और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस मौके पर जतरा स्थल पर झूला मिठाई दुकान, बच्चों के लिए खिलोना व अनेकों सामाग्री का दुकान लगाया गया जंहा लोग भरपूर मेला का आंनद लिए। जमकर पारंपरिक नाच-गान किया। वहीं इस कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे अजय कच्छप ने कहा कि इस एतिहासिक 22 पड़हा जतरा महोत्सव में सैकड़ो गांव के खोडहा दल शामिल होते हैं। झारखंड की सास्कृतिक विरासत हैं इसे बचाए रखने की जरूरत है ।युवाओं को अपनी पूर्वजों का दिया हुआ ।

अपराध

सूबे में जमीन विवाद का मामला बढ़ता ही जा रहा

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर रोड़ेबाजी, कई लोग घायल

राष्ट्रीय खबर

चास : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर रोड़ेबाजी हुई। इस रोड़ेबाजी में दोनों पक्षों के लोग घायल हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी घायलों को सदर अस्पताल में इलाज के लिए भेजा। पुलिस के समक्ष ही लोग हो हंगामा करते हुए घर में लगे सीसी टीवी कैमरा व चदरा का सीट उखाड़ कर फेंक दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चास प्रखंड स्थित बहादपुर मोड़ में भांगाबाजार गांव के माणिक मंडल ने खाता संख्या 01 प्लॉट नंबर 675 के अधीन रकवा 61 डिसमिल पर बहादुरपुर गांव के शर्मा बाउरी, विजय बाउरी, अनिल बाउरी और माणिक मंडल के बीच इसी जमीन को लेकर काफी दिनों से झंझट चलते आ रहा है। माणिक मंडल द्वारा उक्त जमीन पर दो मंजिला पक्का बिल्डिंग बना हुआ है। इसी से सटा जमीन पर माणिक एक घर और निर्माण कराने के उद्देश्य से दिवाल खड़ा कर ढलाई की तैयारी कर ही रहा था कि गांव के भारती देवी पति तुलसी बाउरी, बधन बाउरी, विमला देवी, संतोष बाउरी, अनील बाउरी व नुनीवाला देवी ने निर्माण कार्य को रोकने के लिए कहा। इतने माणिक मंडल ने अपना जमीन बताते हुए निर्माण कार्य बरकरार रखा। इसी को लेकर दोनों पक्षों के लोग आपस में भीड़ गए और लाठी डंडा से एक दुसरे पर हमला करने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही गांव से दर्जनों लोग आ गए और पत्थरबाजी करने लगे। इस पत्थरबाजी से भारती देवी पति तुलसी बाउरी, बधन बाउरी, विमला देवी, संतोष बाउरी, अनिल बाउरी एवं नुनी बाला देवी को गंभीर चोट लगी।

दुसरे पक्ष के माणिक मंडल पर भी हमला कर घायल किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार लिखे जाने तक किसी भी पक्ष से प्राथमिकी दर्ज नहीं किया गया। थाना प्रभारी दीपक कुमार साह एवं अंचलाधिकारी दिबाकर दुबे दोनों पक्षों के लोगों को समझा बुझाकर मामला को शांति बनाये रखने के लिए अपील कर रहे थे।

न्यूज फटाफट

लुगूबुरू घंटाबाड़ी सरना धर्म गढ़ में हिंदुकरण पर लगे रोक : सेंगेल

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान ने आदिवासियों के पवित्र, धार्मिक स्थल गोमिया प्रखंड ललपानिया में स्थित लुगूबुरू घंटाबाड़ी सरना धर्म गढ़ को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर पांच प्रतिनिधिमंडल द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री के नाम बोकारो उपायुक्त के मार्फत ज्ञापन पत्र सुपुर्द किया। लेकिन उपायुक्त के अनुपस्थित में अपर समाहर्ता सह प्रथम अपीलीय पदाधिकारी मेनका को सुपुर्द? किया गया। उन्होंने कहा कि बोकारो जिला के ललपनिया में स्थित लुगूबुरू घंटाबाड़ी सरना धर्म गढ़ भारत और दुनिया के प्रकृति पूजक आदिवासियों का पवित्र? स्थल? है। उन्होंने मांग किया कि हिंदू देवी, देवता, मंदिर, मूर्ति आदि की स्थापना जारी है। इसको तुरंत रोका जाए। लुगूबुरू में डीवीसी के द्वारा प्रस्तावित 1500 मेगावाट हाइडल पावर प्रोजेक्ट को तुरंत रद्द किया जाए सहित देश और विदेश के करोड़ों आदिवासियों के आस्था और विश्वास का केन्द्र लुगूबुरू घंटाबाडी.धर्म गढ़ देश और दुनिया प्रकृति पूजक आदिवासियों के पवित्र, धार्मिक स्थल के संरक्षित कर इसका विकास किया जाए। साथ ही सेंगेल की तरफ से शनिवार को सेंगेल? के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व? सांसद सालखन? मुर्मू सेक्टर 12 ए में मीडिया बंधुओं के साथ प्रेस कांफ्रेंस आयोजित है। जिसमें सरना धर्म कोड को 2023 में हर हाल लेना, 10 दिसंबर को मधुबन, गिरीडीह में बुरू बचाओ यात्रा और 22 दिसंबर को दुमका में हासा-भाषा विजय दिवस आयोजित को सफल बनाना और 30 दिसंबर रेल व रोड चक्का जाम को सफल बनाना एवं अन्य आदिवासी अधिकार मुद्दों पर संबोधित करेगें। ज्ञापन पत्र सुपुर्द करने में सेंगेल के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष देवनारायण मुर्मू, बोकारो सेंगेल जिलाध्यक्ष सुखदेव मुर्मू, कोमल किस्कू, जलेश्वर किस्कू, कृष्णा किस्कू, विशाल किस्कू, राज हांसदा आदि लोग शामिल? थे।

रांची महानगर के उपाध्यक्ष ने किया बुढ़मू का दौरा

बुढ़मू : कांग्रेस पार्टी के रांची लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेता मदन कुमार महतो एवं रांची जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह बुढ़मू प्रखंड प्रभारी महेश कुमार मनीष, और कांग्रेस कमेटी के रांची महानगर के उपाध्यक्ष लाल बाबू ने शुक्रवार को बुढ़मू का दौरा किया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने बुढ़मू पहुंचकर प्रखंड के कार्यकताओं से मिलकर क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं से अवगत हुए। और क्षेत्र की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के रांची लोकसभा के वरिष्ठ नेता मदन कुमार महतो ने बुढ़मू में एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया। और मीडिया वालों से बातचीत करते हुए उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव में रांची लोकसभा क्षेत्र से टिकट लेने को लेकर दावेदारी करने की बात बताया। वरिष्ठ नेता मदन कुमार महतो ने कहा कि रांची लोकसभा क्षेत्र में मेरा पकड़ है। और जनाधार है। उन्होंने कहा अगर रांची लोकसभा सीट से मुझे टिकट मिलता है। तो मैं जीत दर्ज करूंगा। मौके पर विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई। मौके पर कांग्रेस पार्टी के सदन साहू, बालेश्वर यादव, सूरज कुमार महतो, राजेश लोहरा, हेमंत दुबे, रंथु कच्छप, निर्मल मुंडा, अनूप मुंडा, मंगा गाड़ी, नदीम अंसारी सरतराज हुसैन, असजद अंसारी, विकास यादव समेत कांग्रेस पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्यों के विधानसभा चुनाव में होगी भाजपा की जीत: अर्जुन मुंडा

राष्ट्रीय खबर

चास : जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हुई है वहां भाजपा जीत दर्ज करेगी। क्योंकि भाजपा एक भारत श्रेष्ठ भारत के संकल्प को लेकर चल रही है। उक्त बातें शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बोकारो निवास में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य का चुनाव और देश का चुनाव दो अलग-अलग चीज हैं। देश के चुनाव को लेकर राष्ट्रीय मुद्दे देखे जाते हैं। एग्जिट पोल के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये संभावना पर होती है। लेकिन जनता ने जो हमें साथ दिया है उसको लेकर बीजेपी अस्वस्त है और इसी आधार पर जीत का दावा भी हम कर रहे है। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बयान पर जिसमें केंद्र सरकार के नई ट्रेनों के परिचालन पर ब्यूटी पार्लर पर दिए बयान पर कहा कि जिस तरह से महिलाओं का उदाहरण मुख्यमंत्री ने दिए है उससे महिलाओं का अपमान हुआ है। साज सज्जा करना कोई गलत बात नहीं है। कहा कि यहां पार्टी मजबूत हो रही है और सिर्फ एक चुनाव भर से आकलन नहीं किया जा सकता है। इस दौरान बोकारो विधायक बिरंची नारायण के साथ-साथ अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। इससे पूर्व गुरुवार को भाजपा कार्यकताओं द्वारा बिरसा मुंडा चौक पर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

100 डेज आउटरिच कैंपेग्न के तहत डालसा का ओरमांझी में कार्यक्रम आयोजित

नालसा व झालसा स्कीम से हुये लोग अवगत

राष्ट्रीय खबर

रांची : न्यायामूर्ति एस चंद्रशेखर, कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा के द्वारा परिकल्पित आउटरिच योजना जो कि 100 दिनों तक होना सुनिश्चित हुआ है। इसी कड़ी में आज 01.12.2023 को ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र एवं कस्तुरबा गांधी आवासीय स्कूल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी सम्पा दास, प्रीति पाल, किरण कुमारी, शिला तिग्गा एवं राजा वर्मा उपस्थित थे। एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने बच्चों से संबंधित कानूनों जैसे जे.जे एक्ट, पोक्सो एक्ट इत्यादि की जानकारी दी। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच एलएडीसी अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने प्रकाश डाला उन्होंने बाल विवाह के रोकथाम के विषय पर विस्तार से चर्चा की एवं बाल विवाह अधिनियम के बारे में बतायी। पीएलवी ने बाल श्रम एवं बाल संरक्षण पर प्रकाशा डाली। इसके अलावा दहेज प्रथा कानून के बारे में विस्तार से बतायी। राजेश कुमार सिन्हा ने एमएसीटी एक्ट के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। सम्पा दास एवं प्रीति पाल तथा किरण कुमारी ने सड़क दुर्घटना में से संबंधित कानून की जानकारी दी। लोगों को बाल श्रम के प्रति जागरूक किया। पीएलवी सम्पा दास, किरण कुमारी ने वृद्धा पेंशन एवं विधवा पेंशन की जानकारी दी और पेंशन से संबंधित लाभ लेने की बातें कहीं ।

निर्माणाधीन कार्य में तेजी लाएं एजेंसी : उपायुक्त

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने शुक्रवार को निमार्णाधीन जेएसएलपीएस प्लास मार्ट एवं सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन वेटिंग हाल, अस्पताल में लिफ्ट आदि का क्रमवार निरीक्षण किया। मौके पर उप विकास आयुक्त कीर्तीश्री जी उपस्थित थी। उपायुक्त ने निमार्णाधीन प्लास मार्ट में चल रहे कार्य का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा। वहीं, सदर अस्पताल परिसर में बन रहे वेटिंग हाल, शौचालय एवं लिफ्ट के कार्य प्रगति* का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित एजेंसी को सदर अस्पताल के लिफ्ट निर्माण कार्य को जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। ताकि उपचार के लिए अस्पताल आ रहे मरीजों एवं उनके परिजनों को इसका लाभ मिल सके। मौके पर द्वय पदाधिकारियों ने कई संबंधित अधिकारियों को कई दिशानिर्देश दिया।

विद्यार्थी प्रतिभा खोज परीक्षा 2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : युवा विद्यार्थी केंद्र संगठन द्वारा संचालित अनुमंडलीय स्तरीय प्रतिभा विद्यार्थी खोज परीक्षा-2024 के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया 1 दिसंबर यानी शुक्रवार से शुरू हो चुकी है। यह प्रक्रिया 13 जनवरी तक चलेगी। इसके लिए संगठन की ऑफिशियल संपर्क/व्हाट्सएप नंबर : 9431991382 में टैक्स मैसेज भेजने पर एक गूगल फॉर्म दिया जायेगा या फिर स्कैन कर के भी आप गूगल फॉर्म पर जाकर फॉर्म भरा जा सकता है। या फिर अपने विद्यालय के कार्यालय से फार्म प्राप्त कर भरा जा सकता है। फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारियां देना अनिवार्य होगा। इस परीक्षा का संचालन श्री चिरंजीत महतो और श्री धनपति महतो की देख रेख में होगी। संगठन के संस्थापक श्री सुवर्ण महतो तथा संरक्षक श्री सुशांत महतो एवं मुख्य संरक्षक श्रीमती मधुश्री महतो ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए कहा की लिखित परीक्षा ओएमआर शीट पर अनुमंडल के विभिन्न प्रखंड में निर्धारित केंद्रों पर दिनांक 28 जनवरी होगी।

लाभुकों के बीच परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र का वितरण

राष्ट्रीय खबर

बोकारो : चास प्रखंड अंतर्गत बांसगोड़ा पूर्वी-बांसगोड़ा पश्चिमी पंचायत के विद्यालय में संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं उप आयुक्त श्रीमती कीर्तीश्री जी शामिल हुए। मौके पर जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार मणि, चास प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश कुमार, अंचलाधिकारी दिवाकर दूबे, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल भारती, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, नोडल पदाधिकारी पंकज दूबे समेत प्रखंड स्तरीय सभी पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंडों में आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान सभी विभागों द्वारा लगाएं गए स्टालों का उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने निरीक्षण किया। वहीं मौके पर ऑन स्पॉट स्वीकृत लाभुकों के बीच पेंशन, पीएम आवास आदि सरकारी योजनाओं के परिसंपत्ति व स्वीकृति पत्र को वितरित किया। मौके पर 20 सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, समाजसेवी मंटू यादव, प्रमुख बेला देवी, मुखिया पूर्वी बांसगोड़ा सावित्री मुर्मू, मुखिया पश्चिमी बांसगोड़ा सगुपता, जन प्रतिनिधि काफी संख्या में पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण आदि उपस्थित थे।

जिला गव्य विकास कार्यालय, खूँटी।

'पशुपालकों के लिए आम सूचना'

प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा, रांची के पत्रांक– 326 दिनांक– 25.07.2023 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2023–24 में खूँटी जिला के लिए राज्य के अन्दर निःशुल्क **दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण** प्रशिक्षण कार्यक्रम का निर्धारण किया गया है। इच्छुक दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों/स्वंय सहायता समूह के सदस्यों/सखी मण्डल के सदस्य प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु जिला गव्य विकास कार्यालय, खूँटी से कार्यालय अवधि में निःशुल्क आवेदन पत्र (विहित प्रपत्र) प्राप्त कर सकते हैं। उक्त आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी पूर्ण रूप से भरकर एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि से अनुशंसा करवाकर एवं पहचान पत्र (आधार कार्ड का छायाप्रति), एक पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, अपने नाम के बैंक खाता पासबुक की छायाप्रति जिसमें खाता संख्या एवं IFSC कोड सुस्पष्ट हो, जिला गव्य विकास कार्यालय, खूँटी में जमा करना आवश्यक होगा। प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण संस्थान धुर्वा, रांची तक आने–जाने का मार्ग व्यय (बस भाड़ा) स्वयं वहन करना है, जिसकी प्रतिपूर्ति प्रशिक्षण सत्र के बाद उक्त संस्था द्वारा निर्धारित व्यय की राशि एवं दैनिक भत्ता 100 (एक सौ) रू० प्रतिदिन के दर से आवेदक के बैंक खाता के माध्यम से सीधे भुगतान कर दी जायेगी। आवेदक द्वारा भरे हुए अनुशंसित आवेदन पत्र (विहित प्रपत्र) जमा करने के उपरान्त ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जायगा।

क्र०	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या									कुल योग
		OSP (सामान्य)			TSP (अ०ज०जा०)			SCSP (अ०जा०)			
		पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	
1	05.12.2023 से 10.12.2023 तक	0	0	0	20	10	30	02	02	04	34
2	26.12.2023 से 31.12.2023 तक	0	0	0	20	10	30	02	02	04	34
3	02.01.2024 से 07.01.2024 तक	0	0	0	20	10	30	02	02	04	34
4	23.01.2024 से 28.01.2024 तक	0	0	0	20	10	30	02	02	04	34
5	05.03.2024 से 10.03.2024 तक	0	0	0	20	10	30	02	02	04	34

पशुपालकों का चयन निम्नवर्णित अर्हता के अनुरूप किया जायेगा :–

1. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के वित्तीय वर्ष– 2020–21, 2021–22, 2022–23 एवं 2023–24 को योजना से लाभान्वित/चयनित लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण दिया जायेगा।
2. आवेदक संबंधित जिले के स्थायी निवासी एवं साक्षर पशुपालक हो जिनकी न्यूनतम उम्र 18 वर्ष उम्र हो।
2. दुधारू मवेशी पालन करते है या करने के इच्छुक है एवं पूर्व के विगत तीन वर्षो में संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किये हो।
3. झारखण्ड मिल्क फेडरेशन के कार्य क्षेत्र/स्वंय सहायता समूह के सदस्य/सरकार के द्वारा विशिष्ट योजनाओं के लिए चयनित ग्राम के पशुपालकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण में भेजा जाएगा।
4. प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, रांची तक आने–जाने का मार्ग व्यय स्वंय वहन करना होगा जिसकी प्रतिपूर्ति प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, रांची के द्वारा प्रशिक्षण उपरांत एवं दैनिक भत्ता 100 (एक सौ) रू० प्रतिदिन के दर से उनके बैंक खाता में DBT के माध्यम से हस्तांतरित किया जाएगा।
5. प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथ आधार कार्ड एवं बैंक खाता पासबुक की मूलप्रति प्रशिक्षण में अपने साथ लेकर जाना अनिवार्य होगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
खूँटी।

PR 312455 (Animal Husbandry) 23-24 (D)

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र झारखंड

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर >> अपडेट

जनप्रतिनिधियों ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

बुढ़मू : बुढ़मू प्रखंड के चकमे बरवा टोला में नए ट्रांसफार्मर लगाया गया। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया। जानकारी के अनुसार लगभग 1 महीना से खराब 63 केबी का ट्रांसफार्मर को पूर्व जिप उपाध्यक्ष रांची के पार्वती देवी के पहल से बदलकर 100 केबी का ट्रांसफार्मर लगवाया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथी पूर्व जिप उपाध्यक्ष रांची के पार्वती देवी एवं प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा और पंचायत समिति के सदस्य के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के मौके पर दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

उद्यान विभाग ने किया केला के पौधों का वितरण

कुडू: कुडू प्रखंड में संचालित शंख धारा महिला विकास मंडल कार्यालय में उद्यान विभाग द्वारा प्रदत उन्नत केला का पौधा का वितरण किया गया, कुल 37 किसानों को ग्यारह हजार एक सौ पौधा दिया गया, इस कार्यक्रम में शंख धारा महिला विकास मंडल के संघ समन्वयक दीपक कुमार गुप्ता एवं अजीविका समन्वयक धनंजय प्रजापति ने बताया कि ये पौधा अच्छा नस्ल का है तथा इसके खेती से किसानों की आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी ।

चेतावनी

माओवादियों की धमक से पुलिस की नींद हराम

बाइक दस्ता ने पोस्टर चिपकाकर क्षेत्र में फैलायी सनसनी

बेरमो कार्यालय

बेरमो /बोकारो: थर्मल-बेरमो अनुमंडल में एक लंबे समय के बाद माओवादियों ने विभिन्न इलाकों में पोस्टर चिपकाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। माओवादियों ने गुरूवार-शुक्रवार की रात बेरमो अनुमंडल के गोमिया, ललपनिया महुआटांड, बोकारो थर्मल, गांधीनगर व पेंक-नारायणपुर के अलावे बोकारो-गिरीडीह-हजारीबाग जिले के सीमावर्ती इलाकों में पोस्टर चिपकाकर सनसनी फैला दी है। इधर, बोकारो एसपी आलोक प्रियदर्शी को सूचना मिलने के बाद थानादारों को सर्तकता बरतने की नसीहत दी है।

पोस्टर में लिखा हुआ है कि पीएलजीए की स्थापना दिवस के 23 वीं वर्षगांठ मनाने व भारत में जारी दीर्घकालीन जनयुद्व को तेज करने सहित कई नारें लिखा है। पुलिस का नेटवर्क फैलः- बेरमो

अनुमंडल के विभिन्न इलाकों में माओवादियों के द्वारा पीएलजीए की स्थापना दिवस के 23 वीं वर्षगांठ मनाने को लेकर ताबड़तोड़ पोस्टरबाजी से पुलिस की पोल खुल गयी है। माओवादियों का बाइक दस्ता रातभर इलाकों के चौक-चौराहों पर पोस्टर चिपकाता रहा और कानों कान पुलिस को सूचना नहीं मिली। इससे साफ पता चलता है कि अनुमंडल में पुलिस का नेटर्वक ध्वस्त हो गया है। ऊपरघाट को माओवादियों ने किया टारगेट एक लंबे अंतराल के बाद माओवादियों की धमक से इस बात से जगजाहीर हो गयी है। ऊपरघाट को माओवादी केंद्र विंदु मानकर चल रहीं है। इसलिए ऊपरघाट के परिधि में ताबड़तोड़ पोस्टरबाजी है। एक कोना भी पोस्टर का साटना बाकी नहीं है।कृष्णा के बाद बिरसेन की जिम्मेवारीः- माओवादी अविनाश उर्फ कृष्णा मांझी की डुमरी से गिरफ्तारी के बाद बिरसेन को पार्टी ने पारसनाथ जोन का जिम्मा दिया गया है।

न्यूज फटाफट

संग्राम मुर्मू ने लिया बीडीओ का पदभार

बेड़ो: प्रखंड के नये प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने शुक्रवार की संध्या पदभार ग्रहण किया। पदभार प्रभारी बीडीओ सह सीओ प्रताप मिंज ने सौंपा। बीडीओ संग्राम मुर्मू इससे पूर्व गिरीडीह जिला के तिसरी प्रखंड में बीडीओ, सीओ व सीडीपीओ के पद पर कार्यरत थे। पदभार ग्रहण करते हुए प्रखंड के नये प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने कहा कि मुझे प्रखंड और प्रखंड वासियों की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। मेरे लिये सौभाग्य है, मेरी हमेशा कोशिश रहेगी कि मैं बेहतर कार्य कर सकूं। प्रखंड स्तर पर सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को सही लाभुकों तक पहुंचाना और जमीनी स्तर पर योजना को उतारना मेरा लक्ष्य होगा। प्रखंड के आम जन प्रखंड की कोई भी विकास योजनाओं व समस्यों को लेकर बेहिचक निसंकोच मेरे कार्यालय में मिले। मैं हर संभव नियमसंगत निराकरण का प्रयास करूंगा। इस दौरान प्रखंड कर्मी, पंचायत प्रतिनिधियों ने नये बीडीओ को बुके देकर स्वागत किया। मौके पर प्रमुख विनीता कच्छप, उपप्रमुख मोद्दसिर हक, प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, मुखिया रमेश उरांव, लक्ष्मी कोया, महाबीर उराँव, पंचायत समिति सदस्य सब्दुल मलिक सहित प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

लोहरदगा: विश्व एड्स दिवस पर हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं मिनरल्स एंड मिनरल्स लिमिटेड, खान प्रभाग द्वारा संचालित खनन क्षेत्रों में सीएसआर के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्व एड्स दिवस पर हिंडालको सीएसआर टीम किए कार्यक्रम का नेतृत्व किया। हिंडालको सीएसआर प्रमुख नीरज के दिशा निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम बगडू में सीएसआर अधिकारी भास्कर सिन्हा, सेरेंगदाग में राम अवतार पासवान, बिमरला से अभय भारती, गुरदारी से राकेश तिवारी, कुजाम में मनोज चौधरी, पाखर में खुदिया कुमार आदि के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। बैनर, पोस्टर, हैंडबिल्स के माध्यम से माइक के जरिए खान कर्मी, ग्रामीण व कर्मियों के बीच एड्स से बचाव हेतु अन्य सामग्री का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में खान प्रबंधक, खानकर्मी, सहकर्मी, ग्रामीण, चिकित्साकर्मी एवं सीएसआर विभाग के कर्मी एवं ग्रामीण कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एड्स से बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। एड्स एक लाइलाज बीमारी है। यह हाथ मिलाने या स्पर्श से नहीं होता है। असुरक्षित यौन संबंध से बचने तथा सुई सदैव नए लेने आदि पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम के आयोजन में स्वास्थ्य विभाग का भी सहयोग रहा।

स्कूल की बॉउंड्री तोड़े जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

छुट्टी का नाजायज फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों ने बॉउंड्री वॉल को तोड़ा

- आनन फानन में लगा दिया बड़ा सा दरवाजा
- तोड़ा गया बॉउंड्री जोड़ा जाएगा, हटेगा दरवाजा : सीओ

राष्ट्रीय खबर

गोला : एसएस प्लस टू हाई स्कूल गोला का बॉउंड्री तोड़कर गेट लगाए जाने से सम्बंधित खबर दैनिक राष्ट्रीय खबर में प्रमुखता से प्रकाशित होने पर गोला के अंचलाधिकारी समरेश कुमार भंडारी, अंचल निरीक्षक और कर्मचारियों ने बॉउंड्री वॉल का निरिक्षण किया। इस सम्बन्ध में सीओ श्री भंडारी ने बताया कि तोड़ा हुआ बॉउंड्री को जोड़ा जाएगा। स्कूल परिसर क्षेत्र में किसी तरह का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा। जल्द ही स्कूल की जमीन की मापी भी कराई जाएगी। दूसरी ओर स्कूल की प्रभारी प्रधानाध्यापिका अनूप पुष्पा तिर्की के थाना में लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। मामले में गोला थाना

खबर का असर

कांड संख्या 107/2023 में स्कूल का बाउंड्री तोड़े जाने के मामले में पब्लिक की सम्पति बर्बाद करने के विरुद्ध धारा 1984 एवं 427/448/35 भादवि दर्ज कर जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त के आदेशानुसार जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रधानाध्यापिका को केस दर्ज करने का आदेश दिया था। मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भी संज्ञान ली है। इस कार्रवाई से असामाजिक तत्वों के बीच खलबली भी है। शिक्षकों ने बताया कि स्कूल परिसर क्षेत्र की बाउंड्रीवॉल पर शुरू से ही राजनीति गर्म है। बाउंड्री को पहले भी तोड़ा गया था, उसपर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से पुनः बाउंड्री दे दी गई थी, जिसे इसबार स्कूल की छुट्टी का नाजायज फायदा उठाकर तोड़ा गया है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र का ख्याति प्राप्त इस स्कूल में सभी बच्चे अध्ययन करना चाहते हैं। इसकारण इस स्कूल में वर्तमान में 3500 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिसमें छात्राओं की संख्या 1700 है। स्कूल में वर्षों बाद स्कूल परिसर क्षेत्र की कुल 8 एकड़ 92 डिसमिल जमीन में लगभग साढ़े आठ एकड़ जमीन की चाहरदीवारी हुई, तो राजनीति के कारण चाहरदीवारी में एक प्रमुख द्वार के अलावे दो अन्य दरवाजा खोल दिया गया। स्कूल की बॉउंड्री वॉल के पीछे कुछ लोगों ने अपना मकान बनाया हुआ है। उन्हें स्कूल परिसर क्षेत्र से अपने घर जाने में सुविधा होती है। जबकि इससे स्कूल में पढ़ रहे छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्कूल के समय में लोग परिसर क्षेत्र से बाइक से भी आना-जाना करते हैं। स्कूल में छात्रों की संख्या अधिक है और लंच पीरियड में अपने क्लास से बाहर होकर स्कूल मैदान में खेल रहे छात्राओं को सबसे अधिक परेशानी होती है। स्कूली छात्राओं से छेड़खानी की घटनाएं भी हुई है।

झारखंड में बनेगी भाजपा की सरकार : बाबूलाल

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: सांसद रवींद्र कुमार पांडेय के फुसरो स्थित आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पांच राज्यो के विघानसभा चुनावों में जीत का दावा किया है। उन्होने 2024 में एक बार फिर केंद्र और झारखंड में भाजपा की सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मिशन 2024 को लेकर हमलोगों ने कार्यकताओं के साथ कमर कस ली है।

संगठन को मजबूत बनाने और जनता तक पहुंचने के लिए पार्टी के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कहा कि जनता को भाजपा की नीतियों की जानकारी देंगे और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताने का काम करेंगे। साथ ही झारखंड की हेमंत सरकार की कमियों को भी गिनाएंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी को मजबूत बनाने और जनता तक पहुंचने के लिए भाजपा के कई कार्यक्रम चला रही है। बाबूलाल ने कहा कि फिलहाल हमलोग लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। इसी के साथ विधानसभा क्षेत्र को भी मजबूत कर रहे है। हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार लूट-खसोट में लगी हुई है। चारों तरफ लूट खसोट का आलम है। यहां बालू, कोयला, पत्थर, जमीन सभी की लूट हो रही है। इस अवसर पर 16वीं लोकसभा सांसद रवींद्र कुमार पांडे, जिला अध्यक्ष भरत यादव, सहित वरीय नेता लक्ष्मण नायक, सुरेंद्र राज, रवींद्र कुमार मिश्रा, राम किंकर पाण्डेय, दिनेश पांडेय, वैभव चौरसिया, संजय प्रसाद, सुमित सिंह, अनिल गुप्ता, नवल किशोर सिंह, भरत वर्मा, जितेंद्र सिंह, विनय सिंह, ललन मल्लाह, मनोज कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

आप की योजना आपकी सरकार आप के द्वार कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

बेरमो /गोमिया: गोमिया प्रखंड अंतर्गत चतरोंचट्टी पंचायत के तिसकोपी स्थित हरिजन आदिवासी विकास विद्यालय में चतरोचट्टी व बडकी चिदरी पंचायत के ग्रामीणों के लिए आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यहां गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो,बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी,जिला परिषद सदस्य विमला देवी,मुखिया महादेव महतो, वीणा देवी, प्रखण्ड बीस सूत्री अध्यक्ष लूदू मांझी,बीडीओ महादेव कुमार महतो,सीओ प्रदीप कुमार महतो खास तौर से उपस्थित थे। इस मौके पर सरकार की योजनाओं से संबंधित कई स्टॉल लगाए गए थे जिसमें ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन जमा किया,विधायक ने शिविर में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया। यहां कई लाभुकों के बीच कंबल, फूलों झानो आशीर्वाद योजना के तहत परिसंपति,जॉब कार्ड का वितरण किया गया,साथ ही पेंशन,अबुआ आवास के लिए आवेदन लिए गए।विधायक डा लम्बोदर महतो ने कहा की बहुत सारी योजनाओं से संबंधित बहुत से आवेदन प्राप्त हुए हैं इस कार्यक्रम में प्राप्त आवेदन का निष्पादन जल्द से जल्द हो ताकि जनता का विश्वास प्रशासन और सरकार पर हो। मौके पर वरीय भाजपा नेता चितरंजन साव,पंचायत समिति सदस्य सुमिता देवी,सरयू रविदास, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकरी डा सुरेश कुमार, सीडीपीओ अलका रानी,बीपीओ आशीष रंजन,ऑपरेटर शारदानंद,श्रमिक मित्र मनोज सिंह,मनोज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बीडीओ ने किया शिविर का उद्घाटन

राष्ट्रीय खबर

बड़कागांवः बड़कागांव आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर का आयोजन बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत में मुखिया पारसनाथ महतो की अध्यक्षता में किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल,जिप सदस्य सुनीता देवी,मुखिया पारसनाथ प्रसाद, उपप्रमुख बचनदेव कुमार,पंसस रंजीत चौबे आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य रूप से पेंशन योजना,राशन कार्ड में नाम जोड़ना हटाना,त्रुटियों का सुधार करना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना,फुलों-झानों योजना, केसीसी कार्ड हेतु आवेदन प्राप्त करना,अबुआ आवास योजना,बिरसा सिंचाई कुप निर्माण, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन ,गुरुजी क्रेडिट कार्ड,आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री सुकन्या योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना,ई श्रम कार्ड, आधार कार्ड ,पीएम किसान योजना, दिव्यांग प्रमाण प्रत्र बनाने,15 वित्त आयोग के तहत जनोपयोगी योजनाओं की स्वीकृति,धोती साड़ी व कंबल वितरण,उज्ज्वला योजना के तहत गैस व गैस चुल्हें का वितरण,छात्रवृति ,विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों का निष्पादन,लगान रसीद निर्गत करना, विद्यालय बच्चों के बीच स्कूली किट,साईकिल की सहयोग राशि आदि अन्य योजनाओं संबंधित मामले आए।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, भवानी प्रसाद, दिनेश प्रसाद ,कांडतरी पंचायत सेवक अशोक नारायण तिवारी,प्रखंड समन्वयक आशीष कुमार पासवान,बीपीओ हिरो महतो, एंव दिनेश प्रसाद,समाजसेवी भवानी प्रसाद, सुरेश महतो सहित वार्ड सदस्य गण व पंचायत के ग्रामीण शामिल थे।

जंगल में मिला युवक का शव

राष्ट्रीय खबर

बेरमोः बोकारो जिले के महुआटांड थानाक्षेत्र अंतर्गत टीकाहारा एवं चटनिया टोला के बीच गुरुवार की शाम मुख्य सडक से करीब पांच सौ मीटर दूर जंगल में एक आदिवासी युवक का शव मिला है. शव की पहचान टीकाहारा पंचायत के बुटगोड़वा निवासी रामेश्वर मांझी के 20 वर्षीय पुत्र सागेन सोरेन के रूप की गई है. इस संबंध में मृतक के पिता रामेश्वर मांझी ने बताया कि सागेन सोरेन सुबह में नित्य क्रिया के लिए घर से निकला था।

उसके बाद वापस नहीं लौटा घर वालों ने सोचा कि कहीं काम करने गया होगा। लेकिन जब शाम तक वह नहीं लौटा तो उसके मोबाइल नंबर पर भी फोन किया गया. लेकिन उसका नम्बर बंद मिला. तब सभी परिजन उसकी खोजबीन करने लगे। खोजबीन करने के क्रम में कुछ ही दूरी पर नाला की ओर उसका शव लहू-लुहान स्थिति में मिला। उन्होंने बताया कि गला रेतकर और पत्थर से कूचकर उसकी हत्या की गई है. वहीं उन्होंने पुत्र का किसी से प्रेमप्रसंग होने की भी बात कही है. शव मिलने पर परिजनों में चीत्कार मच गया है. वहीं ग्रामीणों के बीच हड़कंप का माहौल बना हुआ है। सूचना मिलते ही महुआटांड़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को

अपने कब्जे में लेते हुए अत्यंत परीक्षण के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है. इस संबंध में महुआटांड़ थानाप्रभारी अभिषेक कुमार महतो ने बताया कि युवक की हत्या हुई है. मृतक के परिजनों ने इस संबंध में आवेदन दिया है. फिलहाल पुलिस इस मामले में अनुसंधान कर रही है।

केंद्रीय जनजातीय मंत्री का भाजपाईयों ने किया स्वागत

राष्ट्रीय खबर

बेरमो /फुसरो स्थित शहीद निर्मल महतो चौक में शुक्रवार को केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा को भाजपा कार्यकताओं ने बुके भेंट कर व फूल माला पहनाकर स्वागत किया. केंद्रीय जनजाति मंत्री अर्जुन मुंडा गिरिडीह जिले के मधुबन जैन धर्म के कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. वे गिरिडीह जाने के क्रम में फुसरो में रुके. भाजपा नेत्री डॉ उषा सिंह ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को शॉल ओढ़ाकर स्वागत

किया. इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओ को केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कहा. कहा की केंद्र सरकार के योजनाओं को शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पहुंचाने का काम करें एवं योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को जागरूक करें. स्वागत करने वाले में भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष भरत यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष जगरनाथ राम, जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह, फुसरो नगर मंडल महामंत्री रमेश स्वर्णकार, टुनटुन तिवारी, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सुमित सिंह, सूरज सिंह, भरत वर्मा, अनिल गुप्ता, रविंद्र सिंह, नवल सिंह, जितेंद्र सिंह, भैरव महतो, लालमोहन महतो, सुमन कुमारी, सीतराम रजक, भोला विश्वकर्मा, महेंद्र सिंह आदि लोग शामिल थे।

डीएवी गुवा में मनाया गया वर्ल्ड एड्स डे

गुवा: डीएवी गुवा में एक दिसंबर को वर्ल्ड एड्स डे मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या उषा राय ने बच्चों को बताया कि एड्स डे मनाने का उद्देश्य लोगों के बीच इस खतरनाक बीमारी के प्रति जागरुकता फैलाना है। ताकि लोग एचआईवी और एड्स जैसी समस्या के बारे में पूरी जानकारी पा सकें। एड्स और एचआईवी के बारे में सही जानकारी ना होने की वजह से ही इस बीमारी से पीड़ित मरीज भेदभाव के शिकार होते हैं ।प्राचार्या उषा राय ने बताया कि एड्स को एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशियेंसी सिंड्रोम के रूप में भी जाना जाता है। एचआईवी का मतलब है ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस कहलाता है ।यह व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर बनाकर उसके रक्त को सफेद पानी में बदल देता है । विषाणु मुख?यतः शरीर को बाहरी रोगों से सुरक्षा प्रदान करने वाले रक?त में मौजूद टी कोशिकाओं (सेल?स) व मस्ति?ष?क की कोशिकाओं को प्रभावित करता है और धीरे-धीरे उन?हे नष?ट करता रहता है । एड्स जैसे खतरनाक बीमारी के प्रति सबों को जागरूक रह भारत देश को को स्वस्थ और रोग मुक्त देश बनाना है।

संपादकीय

सिल्क्यारा सुरंग बचाव पर चिंतन जरूरी है

उत्तराखंड के सिल्कयारा में ध्वस्त सुरंग में 17 दिनों तक फंसे 41 श्रमिकों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में व्यापक प्रयासों के बाद बचाया गया। 28 नवंबर की शाम को, बचाव कर्मी श्रमिकों के आसपास गिरी चट्टानों को तोड़ने में कामयाब रहे और उन्हें बाहर निकाला। अपने आप में, इसे प्राप्त करने के लिए जुटाए गए संसाधनों के कारण बचाव उल्लेखनीय था। सुरंग का एक हिस्सा ढहने के ठीक एक दिन बाद, अधिकारी फंसे हुए श्रमिकों को ऑक्सीजन और भोजन की आपूर्ति करने में सक्षम थे। 16 नवंबर तक, दिल्ली से एक बरमा ड्रिल लाया गया, इकट्ठा किया गया और काम में लगाया गया। अगले सप्ताह में, श्रमिकों तक पहुंचने और उन्हें रिहा करने के प्रयास तेजी से आगे बढ़े, क्योंकि साइट पर अधिकारियों ने ड्रिल के मार्ग में आने वाली बाधाओं, इसके स्वयं के स्वास्थ्य, इसके मंच की स्थिरता और आसपास की गति के प्रभावों से निपटा। विशेष रूप से, उन्हें यह सुनिश्चित करना था कि कंपन से ढीली चट्टानों से श्रमिकों को खतरा न हो। लेकिन 25 नवंबर को काम

रोकना पड़ा जब ड्रिल के ब्लेड मलबे में फंस गए। अगले दिन, ऑपरेशन का एक नया चरण शुरू हुआः मलबे को साफ करने में मदद के लिए रैट-होल खनन के विशेषज्ञों की सहायता से ऊर्ध्वाधर ड्रिलिंग। अंततः 28 नवंबर को बचावकर्मियों ने गुफा को भेदकर मजदूरों को बाहर निकाला। इस ऑपरेशन में राष्ट्रीय और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, सीमा सड़क संगठन, राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस सहित अन्य शामिल थे। सब कुछ ठीक ढंग से निपट जाने के बाद एनएचआईडीसीएल के प्रशासन और वित्त निदेशक अंशू मनीष खलखो ने बताया कि कोई भी ऐसी घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं कर सकता है, उन्होंने जोर देकर कहा कि एनएचआईडीसीएल के पास परियोजना को रोकने या इसे रोके रखने का कोई कारण नहीं है। बचाव अभियान के लिए मौके पर बुलाई गई मशीनरी को हटाने के लिए हमने ब्रेक लिया है। यहां तक कि श्रमिकों को भी कुछ ब्रेक की जरूरत है और हम जल्द ही निर्माण कार्य को आगे बढ़ाएंगे, ह्नउन्होंने कहा कि मलबे को साफ करने में तीन से चार महीने लगने की संभावना है। खलको ने दावा किया कि निर्माण और भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एक साथ जारी रहेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि परियोजना शुरू होने के बाद से ढहने की कम से कम 21 पिछली घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन दावा किया कि इनमें से किसी भी घटना में कभी कोई घायल नहीं हुआ, यह कहते हुए कि सुरंग निर्माण स्थलों पर ऐसी स्थिति आम है। फरवरी 2018 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने सिल्क्यारा बेंड और बरकोट के बीच 4.5 किमी लंबी दो-लेन द्वि-दिशात्मक सुरंग बनाने की परियोजना को मंजूरी दी, जिसमें धरासू-यमुनोत्री खंड पर पहुंच मार्ग भी शामिल होंगे। श्री खलखो ने रैट माइनर्स की भूमिका को उतना महत्वपूर्ण नहीं माना जिनके लिए पूरे देश में शाबासी का माहौल है। इन श्रमिकों ने ने 26 घंटों में 18 मीटर मलबा खोदा था। उन्होंने कहा, उनकी खुदाई की गति प्रति छह घंटे में केवल एक मीटर है। उन्होंने कहा, मैं उस श्रेय को नहीं छीनना चाहता जो उन्हें दिया जा रहा है, लेकिन जब हमने बरमा (ड्रिलिंग मशीन) के माध्यम से पाइप डाला तो उन्होंने रास्ते में आने वाली गंदगी को साफ कर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बचाव को इतिहास में महानतम में से एक कहा। यह ठीक हो सकता है, लेकिन जिस पैमाने और उत्साह के साथ इसे शुरू किया गया था, वह चार धाम राजमार्ग परियोजना और इस तरह के बुनियादी ढांचे के निर्माण की उम्मीद करने वालों के असुरक्षित कामकाजी माहौल पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस घटना में और जुलाई में एक घटना में, जब ठाणे में नागपुर-मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे पर एक क्रेन गिर गई और 20 श्रमिकों की मौत हो गई, तो ठेकेदार नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड था। सरकार को दोनों घटनाओं के विशिष्ट कारणों की जांच करनी चाहिए, समान स्थितियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि साइट पर काम करने की स्थिति में सुरक्षा सुविधाएँ शामिल हों। फिर, यदि असुरक्षित वातावरण मुद्दा है, तो चार धाम राजमार्ग पर चल रहे काम पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है, क्योंकि विशेषज्ञों ने बार-बार स्थानीय इलाके की वहन क्षमता और भूवैज्ञानिक ज्ञान को धता बताते हुए ढलान-काटने की गतिविधियों के बारे में चिंता जताई है। बचाव निश्चित रूप से प्रशंसनीय था, लेकिन यदि श्रमिकों और राजमार्ग के भावी उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए, तो ऐसे ऑपरेशनों की पूरी तरह से आवश्यकता नहीं होगी। लेकिन इसके बीच काम का ठेका पाने वाली कंपनी नवयुग के बारे में सरकारी अधिकारी कुछ भी नहीं बोलने के कतरा रहे हैं। इसलिए इस पूरे मामले की ठंडे दिमाग से जांच जरूरी है।

बदली प्रवृत्तियों को समझने से आकलन संभव होगा

मतदान संपन्न होने के बावजूद आम विश्लेषकों की प्रतिक्रिया है कि परिणाम की स्पष्ट भविष्यवाणी कठिन है। इसका अर्थ क्या है? इन तीनों राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला रहा है और वही प्रवृत्ति इस बार भी है। अगर मुख्यतः दो पार्टियों के मुकाबले के बीच परिणाम का आकलन करने से हम बच रहे हैं तो इससे कई कारण सामने आते हैं। किसी भी चुनाव के परिणाम कई कारकों पर निर्भर करते हैं जिनमें मतदाताओं की आकांक्षा पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दे, उम्मीदवार राज्य स्तर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के समर्थन या विरोध में पहले से निर्मित माहौल , नेतृत्व तथा राष्ट्रीय व प्रादेशिक वातावरण। हम आम मतदाता तक नहीं पहुंच पाए या पहुंच कर भी उनकी अभिप्सा भांप नहीं पाए। चुनावों में जो मुद्दे पार्टियों ने उठाये वो जनता के अंतर्मन में कितने गए, उनके पक्ष और विपक्ष में कैसा माहौल बना इन्हें भी पकड़ने में हम सफल नहीं हैं। तो क्यों? क्या वाकई चुनावी प्रवृत्तियों को समझना हमारे देश में कठिन हो गया है?

अवधेश कुमार
पत्रकार

इन चुनावों की पहली मुख्य प्रवृत्ति रही है पहले की तरह ही लोगों का भारी संख्या में निकलकर मतदान करना। छत्तीसगढ़ में मतदान थोड़ा कम हुआ लेकिन इतना नहीं जिससे मान लिया जाए कि लोगों में मतदान के प्रति अभिरुचि घटी है। लोगों का मतदान के लिए लगातार निकलना एक दृष्टि से वर्तमान चुनाव व्यवस्था की सफलता तथा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। अगर एक समय की सीमा रेखा बनाएं तो मोटा-मोटी 2010 के पहले मतदान ज्यादा होने पर माना जाता था कि सत्तारुढ पार्टी जाने वाली है और कम होने पर यह कि किसी के पक्ष में भी परिणाम जा सकता है। 2018 के बाद यह प्रवृत्ति बदली है। मतदान प्रतिशत बढ़ने के बावजूद सत्तारूढ़ पार्टी वापस आई है। इसलिए मतदान का ज्यादा या काम होना अब किसी एक स्थापित परिणाम का मापक नहीं रह गया है। स्वाभाविक ही चुनाव विश्लेषकों एवं पार्टियों को भी पिछले करीब डेढ़ दशक के चुनाव का आकलन करते हुए नया मापक बनाना होगा। ज्यादा मतदान का अर्थ यह है कि दोनों पार्टियों ने अपने-अपने मतदाताओं के अंदर इस तरह का संवेगी भाव पैदा किया कि वो एक दूसरे को हराने और अपनी विजय के लिए बाहर आए। इनके पीछे निश्चय ही प्रादेशिक व राष्ट्रीय वातावरण, मुद्दे और नेतृत्व की भूमिका है।

सबसे पहले नेतृत्व को देखें तो भाजपा ने किसी को भी तीनों जगह मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम ही प्रमुखता से लिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कई भाषणों में स्वयं कहा कि मोदी का नाम ही आपकी गारंटी है। यानी जो घोषणायें कईं गईं उन्हें पूरा करने की जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी की है। इसके लिए वे पूर्व में किए गए वायदे और उनको पूरा किए जाने की सूची जनता के सामने रखते रहे। इसके विपरीत कांग्रेस के चेहरे सामने थे। राजस्थान में यद्यपि अशोक गहलोत को फिर से मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा नहीं की गई थी किंतु हाव-भाव और व्यवहार से उन्होंने यही संदेश दिया कि आपको मुझे ही मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस को वोट देना है। मध्यप्रदेश में कमलनाथ और छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को लेकर कोई संदेह नहीं था। सार्वजनिक रूप से न बोलते हुए भी कुछ बड़े विश्लेषक अपनी टिप्पणियों में संकेत दे रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में बघेल वापसी करेंगे तो मध्यप्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कुछ ने राजस्थान के बारे में भी यह कहा कि वहां अशोक गहलोत सरकार विरुद्ध सत्ता विरोधी रुझान जैसा वातावरण नहीं दिखा। कहने की आवश्यकता नहीं कि इनके द्वारा क्या संदेश दिया जा रहा है। राजस्थान में हर पांच वर्ष पर सरकार बदलने की प्रवृत्ति रही है। अगर आकलन संभव नहीं है तो यह असामान्य स्थिति है। यदि कांग्रेस सरकार के लौटने की किंचित भी संभावना है तो इसे चमत्कार ही माना जाएगा। ऐसा होता है तो अशोक गहलोत वाकई जादूगर की उपाधि से विभूषित होंगे।

दो बातें ध्यान रखने की है। पिछले 30 वर्षों में कांग्रेस जब भी सत्ता में आई, हर बार बहुमत के आंकड़े से पीछे रही। दूसरी ओर 1993 को छोड़कर भाजपा ने 2003 और 2013 में सरकार बनाई तो पूर्ण बहुमत के साथ। 2013 में उसे दो तिहाई से ज्यादा बहुमत प्राप्त हुआ था। 2018 के परिणाम को ध्यान से देखें तो दोनों पार्टियों में केवल 1 लाख 74 हजार 699 मतों का ही अंतर था। प्रदेश में सत्ता विरोधी रुझान के होते भाजपा का प्रदर्शन इतना संतोषजनक था तो इस बार सत्ता से बाहर होने के बावजूद मतदाता उसे फिर से अस्वीकार कर देंगे यह असाधारण स्थिति होगी। इसी तरह मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने सरकार अवश्य बनाई लेकिन वह बहुमत से दो सिट पीछे थी। भाजपा और उसके बीच केवल पांच सीटों का अंतर था। भाजपा को कांग्रेस से ज्यादा मत आए थे। हां, छत्तीसगढ़ में अवश्य कांग्रेस के लिए एकपक्षिय परिणाम थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम ऐसा है जिसके पक्ष और विरोध दोनों में आलोड़न होता है। भाजपा ने किसी एक को नेता घोषित करने की बजाय ऐसे कई सांसदों, मंत्रियों को लड़ाया जो मुख्यमंत्री बनने की हैसियत रखते हैं। प्रदेश में नेताओं की एक श्रृंखला पैदा करने की यह नई राजनीतिक पहल है। चुनाव में इसका कितना असर हुआ होगा देखना होगा। हालांकि इसकी शुरूआत चुनाव से हुई है पर लक्ष्य दुरगामी है । निश्चित रूप से वे सब भी मतदान के लिए एकजुटता से निकले होंगे जो हर हाल में मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को हराना चाहते हैं। उनके समानांतर वह सब भी बाहर आए होंगे जो भाजपा की विजय चाहते हैं। राजस्थान में आजाद भारत के इतिहास की पहली सिर तन से जुदा करने की घटना कन्हैयालाल की मौत के रूप में सामने आई। यही नहीं हिंदू धर्म की शोभा यात्राओं पर हमले के नए दौर की शुरूआत भी वहीं से हुई। 2008 के भयानक जयपुर आतंकवादी हमले के आरोपियों का न्यायालय से मुक्त हो जाना सबको धक्का पहुंचाने वाला था। भाजपा द्वारा इन सबको उठाना स्वाभाविक था। इसका संदेश किसी न किसी सीमा तक गया होगा। अगर तीनों राज्यों में भाजपा के विरुद्ध इतना ही माहौल होता तो कांग्रेस हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों पर इतना जोर नहीं देती। अशोक गहलोत से लेकर कमलनाथ और भूपेश बघेल ने स्वयं को निष्ठावान हिंदू साबित करने तथा हिंदू धर्म से जुड़ी योजनाओं की घोषणा में एक दूसरे से ही जबरदस्त प्रतिस्पर्धा की। उनके विस्तार से उल्लेख के लिए एक पूरी पुस्तिका बन जाएगी। मंदिरों के निर्माण, जीर्णोद्धार, पुनर्निर्माण तीर्थ यात्राएं, पुजारी का वेतन बढ़ाना आदि इतनी घोषणाएं थीं कि कांग्रेस में वामपंथी सोच वालों व समर्थकों के लिए उनका बचाव करना कठिन हो गया। अगर भाजपा और नरेंद्र मोदी के विरुद्ध वातावरण होता तो कांग्रेस परंपरागत सेकुलर कार्ड ज्यादा खेलती। एक पत्रकार ने मध्यप्रदेश में कमलनाथ से पूछा कि आप जिन बाबा की कथा में आए हैं वह तो हिंदू राष्ट्र का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने उत्तर दिया कि हिंदू राष्ट्र है तो इसे कहने की क्या आवश्यकता।

विश्व एड्स दिवस (1 दिसम्बर) पर विशेष

एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के हों गंभीर प्रयास

'एड्स' न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए आज भी एक भयावह शब्द है, जिसे सुनते ही भय के मारे पसीना छूटने लगता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स'की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2022 के अंत तक 3.9 करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'लैट कम्युनिटी लीड' विषय के साथ मनाया जा रहा है।

योगेश कुमार गोयल
बरिष्ठ - पत्रकार

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी साकोर्मा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है। डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में करीब 42 फीसदी की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं।

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं हो

प्रेरक-प्रसंग

पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा?

पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुई तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के

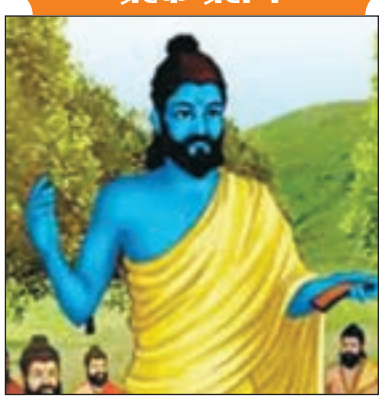

पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

जानकारी

मंडावा

मंडावा शहर जयपुर राज्य का एक ठिकाना था। मंडावा एक समय चीन और मध्य पूर्व से माल के लिए शेखावाटी में प्राचीन कारवां मार्गों के लिए एक व्यापारिक चौकी के रूप में कार्य करता था। नवलगढ़ और मंडावा के तत्कालीन शासक ठाकुर नवल सिंह ने इस चौकी की सुरक्षा के लिए एक किला बनवाया। समय के साथ, किले के चारों ओर एक बस्ती विकसित हुई और जल्द ही व्यापारियों के एक बड़े समुदाय को आकर्षित किया, जो फिर मंडावा में बस गए। दक्षिण एशिया के महान गजल गायक मेहदी हसन का जन्म यहीं हुआ था और भारत के विभाजन के बाद वे पाकिस्तान चले गये।मंडावा शहर को समग्र रूप से 'ओपन आर्ट गैलरी' के रूप में जाना जाता है। 18वीं शताब्दी के दौरान, मंडावा सिल्क रोड पर यात्रा करने वाले धनी व्यापारियों के लिए एक प्रमुख पड़ाव था। उनमें से अधिकांश ने इस शहर में अपने घर बनाने का फैसला किया, जिसके परिणामस्वरूप उत्कृष्ट रूप से तैयार की गई बड़ी हवेलियों का निर्माण हुआ जो मंडावा में लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण हैं।

3 हजार से कम दाम में ब्लूटूथ कॉलिंग और 7 दिनों तक चलेगी बैटरी

नई **दिल्ली:** Boat ने भारतीय बाजार में नई स्मार्टवॉच Boat Lunar Tigon लॉन्च कर दी है। इस वॉच में हाई रेजोल्यूशन वाली अटडछएऊ डिस्प्ले दी गई है जिसके साथ आकर्षक स्ट्रैप्स का ऑप्शन मिलता है। यहां हम आपको Lunar Tigon की कीमत से लेकर फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

Boat Lunar Tigon की कीमत और उपलब्धता

कीमत की बात की जाए तो Boat Lunar Tigon के Ocean Ridge strap वर्जन की कीमत 2,899 रुपये और metallic strap वर्जन की कीमत 2,999 रुपये है। इस स्मार्टवॉच की बिक्री आज से 12 बजे ई-कॉमर्स साइट Amazonपर शुरू होगी।

Boat Lunar Tigon के फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस

Boat Lunar Tigon में 1.45 इंच की ऑल्वेज ऑन AMOLED डिस्प्ले दी गई है, जिसका रेजोल्यूशन 466 x 466 पिक्सल और ब्राइटनेस लेवल 600 निट्स तक है। राउंड डायल डिजाइन वॉच को एक सहज लुक प्रदान करता है, जिसे यूजर्स ओशियन रिड्ज और मैटेलिक स्ट्रैप ऑप्शन के जरिए अपने हिसाब से पर्सनलाइज कर सकते हैं।

कनेक्टिविटी ऑप्शंस में Lunar Tigon में ब्लूटूथ कॉलिंग सपोर्ट, इन बिल्ट माइक्रोफोन, क्विक डायल पैड है, जिसमें 10 कॉन्टैक्ट्स सेव किए जा सकते हैं। यह स्मार्टवॉच वॉयस एसिस्टेंट और हैंड्स फ्री कंट्रोल ऑफर करती है। हेल्थ फीचर्स की बात करें तो इस वॉच में हार्ट रेट ट्रैकिंग, SpO2 मॉनिटरिंग, डेली एक्टिविटी ट्रैकिंग, मेंस्ट्रुअल साइकिल ट्रैकिंग और ब्रीदिंग एक्सरसाइज गाइड शामिल है।

साइबर दुनिया

Lunar Tigon विभिन्न एक्टिविटीज के साथ 100 स्पोर्ट्स मोड का सपोर्ट करती है। यह वॉच IP67 रेटिंग के साथ आती है, जिससे धूल और पानी से सुरक्षा सुनिश्चित होती है। अन्य फीचर्स में एनकंपास सेडेंट्री अलर्ट, कैमरा कंट्रोल, लाइव क्रिकेट स्कोर, म्यूजिक कंट्रोल, वैदर अपडेट्स और स्टैंडर्ड फीचर्स में अलर्ट, काउंटडाउन, स्टॉप वॉच, डून नॉट डिस्टर्ब मोड और फाइंड माय

टॉप ट्वीट

"नागालैंड के लोगों को राज्य की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। नागालैंड की संस्कृति देश की प्रगति, मजबूती और सद्भाव में योगदान देती रहेगी।"

जगदीप धनखड़
उप राष्ट्रपति

"सैम बहादुर, मेघना गुलज़ार इतनी काव्यात्मक खूबसूरत क्लासिक फिल्म है, जो हमें दूसरे युग में ले जाती है। आप उनकी कहानी को बताने का जुनून और हर शॉट में विस्तार पर ध्यान देख सकते हैं। और सैम ! ग्रेस, वीरता, धैर्य क्या परफॉर्मेंस है, फ्लॉलेस, मैं हैरान हूं, आप बहुत प्रेरणादायक हैं, अपनी कला के प्रति बेहद शानदार अलग तरीके से सच्चे हैं।"

कैटरीना कैफ
बॉलीवुड अभिनेत्री

संपादक के नाम पत्र

गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत करोड़ो लोगो को फायदा

दाने दाने के लिए मोहताज गरीब परिवार खाने के अभाव में दमतोड़ देते थे।गरीब और दारुण स्थिति में जीने वाले फटेहाल गरीब परिवार के पास दो जून के लिए रोटी नसीब नही होती थी।भूख में बिलखते गरीब परिवार मरने के लिए मजबूर किया जाता था।देश की आजादी के पूर्व अंग्रेज सितम ढहाते थे।देश आजाद हुआ तो उम्मीद बढ़ने लगी थी।लेकिन वोटबैंक की राजनीति ने गरीबो के सपने धराशायी कर दिए।हम आजाद तो हुए लेकिन गुलामी की जंजीरों को हम तोड़ नही पाए।कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया,लेकिन गरीब को हटाने का काम कांग्रेस आजादी के बाद करती आ रही है।कांग्रेस की विचारधारा समझ से परे है। मुट्ठीभर अनाज के लिए मोहताज था। पांच लीटर केरोसिन और पावभर शक्कर के लिए उचित मूल्य की दुकानों के बाहर घण्टो इंतजार कर खाली हाथ लौटते हुए हमने देखे है।उनके भाग का अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था।गरीबो को बिना खाना खाएं भूखे पेट सोना पड़ता था।2014 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और लोगो को मुफ्त में राशन वितरण करने की मुहिम तेज होने लगी।देश मे 81 करोड़ से ज्यादा मुफ्त राशन का फायदा गरीबो को मिल रहा है। पांच साल के लिए राशन उपलब्ध कराने की मंशा सरकार की है। 2024से पांच साल के लिए मुफ्त राशन बढ़ाने का प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है।मोदी सरकार में 14 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले है। कोरोना काल मे गरीबो की मदद के लिए शुरू की गई मुफ्त राशन की योजना आज दिन तक दुचारु6 रूप से चल रही है। सरकार की तरफ से दिया जाने वाला राशन 11.80 लाख करोड़ खर्च होगा। इसी कड़ी में स्वयं सहायता समूह को ड्रोन उपलब्ध कराने की भी मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार की तरफ से किसानों को किराए की सेवाएं उपलब्ध कराने 15 हजार चयनित महिला को ड्रोन प्रदान कराने के लिए भी सरकार ने मंजूरी दी है। इन घोषणाओं के पीछे गरीबो को मददगार बनना है। गरीब तबक्का लोकतंत्र का पांचवा स्तंभ है। गरीबो की दशा और दिशा बदलने के लिए सरकार हर कदम पर सेवा उपलब्ध करा रही है।

कांतिलाल मांडोत

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा वृंदा मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि., चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची से मुद्रित और एचआई 254, हरमू बाईपास रोड, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

शहर ›› अपडेट

20 सूत्री अध्यक्ष ने बच्चों के बीच बांटा स्वेटर-कपड़ा

इचाक : इचाक प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हदारी के आंगनवाड़ी केंद्र में 50 बच्चों को दो-दो पीस स्वेटर का वितरण प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष मनोहर राम ,प्रखंड 20 सूत्री सदस्य दिगम्बर कुमार मेहता ने किया । मौके पर मुख्य रूप से वार्ड सदस्य मनीता देवी ,आंगनबाड़ी सेविका शीला देवी, सहायिका सीता देवी, मुकेश कुमारथे। मनोहर राम ने कहा है कि झारखंड सरकार की सोच अच्छी है जो ठंड पड़ते ही बच्चों को स्वेटर देने से ठंड से बचेंगे ।

सिटी अपडेट्स ››

अग्निकांड में घायलो से मिलने पहुंचे सांसद जयंत सिन्हा

हजारीबाग :हजारीबाग बीते सोमवार को हजारीबाग शहर के मालवीय मार्ग कालीबाड़ी के समीप गायत्री टेंट हाउस में अग्निकांड में घायल हुए लोगों से मुलाकात करने के लिए शहर के सबसे चर्चित आरोग्यम अस्पताल सांसद जयंत सिन्हा पहुंचे। जहां उनका स्वागत अस्पताल के निर्देशक हर्ष अजमेरा, प्रशासन जया सिंह एवं चिकित्सक मनीष कुमार के द्वारा किया गया। जिसके पास सांसद जयंत सिन्हा ने अग्निकांड में घायल हुए लोगों से मुलाकात की इस दौरान उन्होंने एक वर्षीय नन्हे बच्चे को अपनी गोद मे खेलाया, घायल लोगों के साथ मौजूद परिजनों से घटना के विषय में पूरी विस्तार रूप से जाना। वही 6 वर्षीय नन्ही बच्ची की मौत पर संवेदना प्रकट किया। वहीं दूसरी और सांसद जयंत सिन्हा ने अस्पताल का निरीक्षण किया। अस्पताल की गतिविधियों से रूबरू हुए। वहीं शुक्रवार को देर शाम अग्निकांड में घायल हुए लोगों को अस्पताल से रिलीज कर दिया गया सभी लोग स्वस्थ होकर अपने घर चले गए। मौके पर सांसद जयंत सिन्हा ने कहा कि अग्निकांड की घटना काफी दुखद है। इस घटना में 6 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई है। परिजनों के द्वारा सबसे पहले बच्ची को सरकारी अस्पताल में लाया गया था ।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

विश्व एड्स दिवस पर सेमिनार का आयोजन

इचाक : इचाक जीएम इंटर महाविद्यालय, इचाक में विश्व एड्स दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमे एचआईवी एड्स फैलने और बचाव की जानकारी दी गई। महाविद्यालय प्रभारी पंकज कुमार ने कहा की यह समाज में एचआईवी से ग्रसित व्यक्तियों को भेद-भाव किया जाता है। जबकि यह भेदभाव करने वाला संक्रमण नहीं है। यह संक्रमण केवल खून के आदान-प्रदान से ही फैलती है। इसलिए समाज में इस संक्रमण फैलने से बचाव केवल जागरूकता फैलाना ही है। जब समाज के सभी व्यक्ति जागरूक हो जायेंगे तो यह संक्रमण किसी व्यक्ति को अपने चपेट में नही लेगा। पूरा विश्व भर में लोग आज के दिन एड्स से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति अपनी भावनात्मक व्यक्त करते हैं और इसके साथ ही इस रोग से लड़ रहे लोगों के लिए हर संभव सहायता करने का प्रयास करते हैं।

जमा वेसहारो का रुपए लौटाए गृह मंत्री: डॉ आरसी मेहता

हजारीबाग : हजारीबाग प्रमंडलीय वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ आरसी मेहता ने कांग्रेस आपके द्वार के तहत इचाक प्रखंड के करियादपुर उरुका मांगुरा जमवारी झुमरा का दौरा किए। क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोगों का आंसू छलका लोगों ने डॉ मेहता से सहारा में जमा रुपए आन्दोलन कर दिलाने का मांग किए ।डा मेहता ने भ्रमण सभा में कहा की गरीब जनमनस प्रतिदिन10 से लेकर हजारो रू तक सहारा इंडिया में जमा किए हैं भारत सरकार के भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से सहारा इंडिया का लाइसेंस मिलने के बाद लोगों ने सरकार पर भरोसा करके गरिबों ने खरबो रुपए शहर में जमा किया, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था की रुपए जल्द मिलेगा जो जुमला साबित हो रहा है।

कार्रवाई खनन चेक नाका में प्रतिनियुक्ति सभी कर्मियों के साथ उपायुक्त ने की बैठक

ओवरलोडिंग मामले में कार्रवाई करने का दिया निर्देश: उपायुक्त

- प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट को सप्ताह में तीन दिन चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण करने का दिया निर्देश
- जिले में अवैध माइनिंग रोकना हमारी प्राथमिकता

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: खनन चेकनाका में प्रतिनियुक्ति सभी कर्मियों के साथ शुक्रवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरनवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त महोदय ने कहा कि जिले में अवैध परिवहन व ओवरलोडिंग किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि अवैध परिवहन व ओवरलोडिंग मामले में हर हाल में कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि खनन चेकनाका में वरीय पदाधिकारी द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण किया जाएगा। चेकनका में लगे सीसीटीवी की भी जांच की जाएगी। इस दौरान यदि अवैध गतिविधि के बारे में जानकारी प्राप्त होती है तो ड्यूटी में तैनात कर्मी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं उपायुक्त ने सभी संवेदनशील चेक पोस्ट पर अच्छे कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध माइनिंग रोकना हमारी प्राथमिकता है।

वहीं उपायुक्त ने चेक पोस्ट में तैनात कर्मियों से कहा कि वैसी गाड़ी जिन पर एंगल लगा हो उसे पकड़कर कंट्रोल रूम व संबंधित थाने को सूचित करें। उन्होंने कहा की सूचित करने के बाद भी अगर संबंधित थाना द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो उसे थाने पर भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं उपायुक्त ने कंट्रोल रूम को निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन चेक पोस्ट में तैनात कर्मियों की उपस्थिति की जानकारी लें। साथ ही संबंधित रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में जमा करें।

बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रतिनियुक्ति मजिस्ट्रेट को सप्ताह में तीन दिन चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। ऐसा नहीं करने वाले मजिस्ट्रेट पर भी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उपायुक्त ने उपायुक्त ने सभी मजिस्ट्रेट को सीसीटीवी कैमरे के चेक करने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। वहीं उपायुक्त महोदय ने सभी अंचल से चौकीदार का नाम व मोबाइल नंबर एसडीओ को लेने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अब चौकीदार सहित अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति एसडीओ के माध्यम से ही होगी।

न्यूज फटाफट

8 पंचायतों में ज्ञान केंद्र की स्थापना

बरही : बरही प्रखंड के धनवार पंचायत सहित 8 पंचायतों में ज्ञान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इस संबंध धनवार मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने बताया की हमारा पुस्तकालय हमारी नई उड़ान पंचायती राज विभाग की अनूठी पहल के तहत पढ़ने और ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से धनवार पंचायत में ज्ञान केंद्र की स्थापना की जानी है। इसके तहत ग्राम पंचायत में एक ऐसे केंद्र की परिकल्पना की गई है। जहां पुस्तकालय के साथ-साथ ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, सूचना केंद्र एवं प्रशिक्षण केंद्र होगा। उन्होंने कहा की उक्त केंद्रों में आवश्यक सुविधाओं के साथ पाठ्य पुस्तकें, ऑनलाइन शिक्षण एवं प्रशिक्षण की भी व्यवस्था होगी। साथ ही साथ उन्होंने कहा की इन केंद्रों की स्थापना से पंचायत में रह रहे ग्रामीण छात्र - छात्राओं को लाभ मिलेगा, पठन-पाठन की बेहतर पुस्तकें उपलब्ध होगी। जिससे पंचायत स्तर के अधिकारी वा कर्मी को भी पुस्तकालय से लाभ होगा।

मुखिया ने शौचालय को किया जनता हवाले

पेटरवार : पेटरवार प्रखंड के बुंडू पंचायत अंतर्गत न्यू बस पड़ाव में जिला परिषद मद की राशि से बने शौचालय को बुंडू मुखिया निहारिका सुकृति ने शुक्रवार को खुलवाया। उक्त शौचालय निर्माण के बाद से एक वर्ष से बंद पड़ा हुआ था जिसके कारण बस पड़ाव के दुकानदारों और यात्रियों को शौच के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बंद पड़े शौचालय को बुंडू मुखिया ने दूसरे के कब्जे से मुक्त कराते हुए आम जनता के हवाले कर दिया। मुखिया ने बताया कि इस कार्य के संवेदक की ओर से पंचायत को नवनिर्मित शौचालय हैंड ओवर नही दिया गया है। पंचायत के पूर्व मुखिया अजय कुमार सिंह से पूछने पर बताया कि शौचालय का निर्माण मेरे पहल पर कराया गया है लेकिन उसका हैंड ओवर संवेदक की ओर से नही दिया गया है। बता दे कि उक्त शौचालय का उद्घाटन जिला परिषद उपाध्यक्ष बबीता देवी और जिला परिषद सदस्य प्रह्लाद महतो ने 17 सितंबर 2022 को किया था और उसके बाद से शौचालय बंद पड़ा हुआ था। न्यू बस पड़ाव के दुकानदार और यात्री शौच करने के लिए पहले कृषि विज्ञान केंद्र का दीवार फांद कर के वी के के अहाते में जाते थे लेकिन के वी के का चहारदीवारी निर्माण होने के बाद लोगों के समक्ष शौच जाने की समस्या उत्पन्न हो गई और लोग जहां तहां शौच करने लगे जिसके कारण बस पड़ाव में गंदगी फैलने लगा।

आपकी योजना आपकी सरकार- आपके द्वार शिविर में उमड़े ग्रामीण

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग :हजारीबाग आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत एक दिसंबर को भी शिविर लगाया गया। जिनमें बरकट्ठा प्रखण्ड के सलैया, बरही प्रखण्ड के केदारूत, बड़कागॉव प्रखण्ड के कांडतरी, केरेडारी प्रखण्ड के हेवई, कटकमसाण्डी प्रखण्ड के डांटोखुर्द, विष्णुगढ़ प्रखण्ड के सारूकुदर, सदर हजारीबाग प्रखण्ड के सिन्दूर, चौपारण प्रखण्ड के चौपारण पंचायत में तथा नगर निगम क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 14 एवं 17 के लिए आनंदा स्कूल में शिविर लगाकर आमजनों को योजनाओं से जोड़ा गया। आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार अभियान को लेकर लोगों का उत्साह जारी रहा। अब तक आयोजित शिविरों में विभिन्न योजनाओं के कुल 48003 आवेदन प्राप्त किये गये हैं जिनमें 9537 आवेदनों का ऑन द स्पॉट निवारण किया गया है। वहीं 102 आवेदन निरस्त करते हुए शेष को प्रक्रियाधीन किया गया है। आयोजित शिविरों में अबतक अबुआ आवास के 28149 आवेदन, सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना के 1512, सर्वजन पेंशन के 1171, मुख्यमंत्री पशुधन के 948, बिरसा सिंचाई कूप संर्वधन योजना के 280, गुरूजी क्रेडिट योजना के 485, मनरेगा के 977, लगान रसीद के 487, केसीसी- 356, भूमि म्यूटेशन के 112 , राशनकार्ड संशोधन 474 , जाति प्रमाण पत्र 309 सहित कई अन्य योजनाओं के आवेदन ग्रामीणों द्वारा विभागीय स्टॉलों पर समर्पित किये गये। वहीं 316 लोगों के आधार निबंधन एवं सुधार ऑन द स्पॉट किया गया। परिसम्पत्तियों का वितरणः-इन शिविरों के दौरान अबतक 4161 आवेदन के विरुद्ध 2900 कंबल जरूरतमंद लोगों के बीच वितरण किया गया। साथ ही 3815 आवेदन के विरुद्ध 2554 लाभूकों को योजना के तहत धोती - साड़ी का वितरण किया गया। वहीं शिविर में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कैम्प लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच सहित मुफ्त दवाओं का वितरण भी किया गया। आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत 2 दिसंबर को भी शिविर लगेंगे।

शिव मंदिर में विहिप की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय खबर

बरही : बरही प्रखंड परिसर बरही स्थित शिव मंदिर प्रांगण में विहिप की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक प्रभु श्री राम के मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्री रामलला को पूजित अक्षत वितरण एवं आम जनमानस को आमंत्रित करने को लेकर की गई। जिसमें विश्व हिंदू परिषद प्रखंड ईकाई के द्वारा समस्त सनातन परंपरा मनाने वाले रामभक्त कार्यकताओं उपस्थित हुवे। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष नन्द किशोर कुमार एवं संचालन मंत्री कैलाश ठाकुर ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विहिप जिला सह मंत्री गुरूदेव गुप्ता सशरीर उपस्थित हुए। बैठक में उपस्थित रामभक्तों को संबोधित करते हुए जिला सह मंत्री गुरूदेव गुप्ता ने कहा कि हम सभी रामभक्त सौभाग्यशाली हैं। कि प्रभु श्री राम मंदिर के निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा को अपनी आँखों से देख पायेंगे। हमारे पूर्व की पीढ़ियां और आनेवाली पीढ़ियाँ भी इस पल की साक्षी नहीं हो पायेंगी। प्रभु श्री राम लला का पूजित अक्षत को घर घर पहूंचाने का कार्य हम सभी रामभक्तों को करना है और सनातन समाज को श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आमंत्रित करना है। समाज से इस दिन को भव्य दीपावली के रूप में मनाने का आग्रह करना है, हर मंदिर, गांव एवं घर में उत्सव मनाने का आग्रह करना है। मौके पर आरएसएस क्षेत्र सह सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव, मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, निरंजन केसरी, सिकंदर कुमार, चंदन कुमार केसरी, इंद्रदेव प्रसाद गुप्ता, जानकी रजक, मनोज कुमार सिंह, रामवृक्ष शर्मा, झमन कुमार साहू, शिवम कुमार, संतोष कुमार केसरी, मुन्ना सोनी, अरविंद कुमार, जयप्रकाश प्रजापति, संदीप केसरी, राजेंद्र प्रसाद केसरी, बसंत सिंह, संतोष प्रजापति, कमलेश कुशवाहा, नौरंगीलाल, नितेश कुमार, प्रदीप कुमार कुशवाहा, ओम प्रकाश कुमार, राहुल राणा, सूरज कुमार राणा, धर्मेंद्र कुमार प्रजापति, रितेश कुमार केसरी, कृष्ण यादव, दिनेश कुमार राणा आदि उपस्थित थे।

बुजुर्ग महिला को रक्तदान कर बचाई जान

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: इंसानियत फाउंडेशन संस्था असहाय जरूरतमंदो को आवश्यकता अनुसार रक्तदान करता आया है, अब तक इस समूह ने 521 यूनिट रक्तदान कर चुके है। 1 दिसंबर को पाकुड़ की 45 वर्षीय बुजुर्ग महिला पूजा साहा हीमोग्लोबिन काफी कमी हो गई थी। डॉक्टर ने एमरजेंसी एक यूनिट ए पॉजिटिव खून की व्यवस्था करने को कहा। परिजन ने केदुल साहा मैं संस्था से संपर्क किया। सूचना सचिव बानिज शेख को दिया। सचिव ने मनीरामपुर के राफेज आलम को रक्तदान के लिए तैयार किया उसने बिना देरी किये बल्ड बैंक जाकर ए पॉजिटिव रक्तदान किया तब जाकर इलाज संभव हो पाया उपस्थित तसलीम आरिफ बुलेट ने कहा मानव खून का कोई विकल्प नहीं है, हम सबको आगे आकर जागरूकता का पहल करना है, जरूरतमंदो निस्वार्थ सेवा ही इंसानियत फाउंडेशन का पहचान है, मौके पर सारफुल शेख, इंतिखाब आलम, तसलीम आरिफ बुलेट, बानिज शेख, कर्मचारी नविन कुमार थे।

अभाविप कार्यकताओं ने किया राष्ट्रीय अधिवेशन के पोस्टर का विमोचन

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 69 वें राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन देश की राजधानी दिल्ली में होने जा रही है। इसी क्रम में गुरूवार को अभाविप पाकुड़ के द्वारा जिला बैठक का आयोजन किया गया जिसमें 7-10 दिसंबर तक होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन से जुड़ी जानकारियां दी गई एवं राष्ट्रीय अधिवेशन के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

अभाविप पाकुड़ के जिला संयोजक गुंजन तिवारी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन के चार दिवसीय आयोजन के दौरान भारत के प्रत्येक जिले के विद्यार्थी भाग लेने दिल्ली पहुंचेंगे। पाकुड़ जिले से विद्यार्थी परिषद के आठ कार्यकर्ता इस अधिवेशन में भाग लेने दिल्ली पहुंचेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की 75 वर्षों की संगठनात्मक यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ावों से विद्यार्थियों को परिचित कराने, छात्र आंदोलन की प्रमुख शक्ति के रूप में विद्यार्थी परिषद के योगदान, देश के सभी भागों से अधिवेशन में भाग ले रही युवाशक्ति द्वारा देश की विविधता में एकता का स्वरूप दिखाई देगा। विश्वविद्यालय संयोजक बमभोला उपाध्याय ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दिल्ली में आयोजित हो रहा राष्ट्रीय अधिवेशन वर्तमान की शिक्षा क्षेत्र की परिवर्तनकारी स्थितियों सहित समाज, युवाओं व शिक्षा संबंधी विषयों को प्रमुखता से रेखांकित करने वाला होगा। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में देश के सभी क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा शिक्षाविदों के संवाद से विद्यार्थी परिषद अपने आगामी कार्ययोजना को मूर्त रूप देगी। राष्ट्रीय अधिवेशन में दिए जाने वाले प्रा. यशवंत राव केलकर युवा पुरस्कार के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस सत्र में देश के वरिष्ठ पत्रकार रजत शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि अभाविप के राष्ट्रीय अधिवेशन में शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक एवं समसामयिक विषयों पर मंथन होगा। इस मंथन से निकला अमृत रूपी निष्कर्ष देश को दिशा देने का काम करेगी।

एड्स दिवस वर्ल्ड एड्स डे पर अदाणी फॉउंडेशन ने स्कुल में चलाया जागरूक कार्यक्रम

मेडिकल टीम ने ग्रामीणों को बताए एड्स से बचाव के उपाय

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग :हजारीबाग जिले के बड़कागांव गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत विश्व एड्स दिवस के अवसर पर अदाणी फॉउंडेशन ने शुक्रवार को हरली स्थित एसएस उत्क्रमित उच्च विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एड्स के प्रति जागरूकता की थीम पर आधारित कविता, स्पीच और नाटक आयोजित हुए। स्कूल परिसर में विश्व एड्स दिवस पर विद्यार्थियों को यह जानकारी दी गयी कि एचआईवी/एड्स के मरीजों के साथ छुआछूत का भाव नहीं रखना चाहिए क्योंकि यह बीमारी छूने से नहीं फैलती है। विद्यार्थियों को बताया गया कि पिछले कुछ सालों इस बीमारी के उपाचार के लिए कई नए तरीके आजमाए गए हैं और अब भी इससे निपटने के लिए चिकित्सा जगत लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के प्राचार्य मो जफरूल इस्लाम, हेल्पेज इंडिया की ओर से अनीता और हरेंद्र कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में कविता और स्पीच में बेहतर करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया, जिसके तहत कक्षा 12 की प्रियंका कुमारी प्रथम, और काजल कुमारी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, कक्षा 11 की सुहानी और और काजल को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा अदाणी फॉउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट ने अम्बाजीत गांव में भी जागरूकता शिविर लगाया, जहां चिकित्सक और पारा मेडिकल कर्मियों ने महिलाओं और पुरुषों को एड्स से बचाव के उपाय बताते हुए इस बीमारी के प्रति जागरूक रहने की अपील की। मौके पर ग्रामीणों को बताया गया कि एड्स के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए हर साल दुनिया भर में वर्ल्ड एड्स डे मनाया जाता है।

यह बीमारी एचआईवी (ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस) की वजह से होती है। स्वास्थ्यकर्मियों ने ग्रामीणों को बताया कि अगर इसका समय पर इलाज नहीं किया गया तो यह बीमारी जानलेवा बन जाती है। एड्स के हर मरीज को सही उपचार और इसकी रोकथाम के लिए जागरूकता अभियानों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस जागरूकता शिविर में ग्रामीणों से भेदभाद की भावना को खत्म करते हुए सामुदायिक भागीदारी बढ़ाए रखने की अपील भी की गयी। इस साल वर्ल्ड एड्स डे की थीम लेट कम्यूनिटीज लीड इस बात पर जोर देती है कि एड्स से प्रभावित लोग लोग अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी आवाज उठाने में सक्षम बनें। बीमारी को रोकने के लिए समाज की अहम भूमिका के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इस थीम को चुना गया है।

पिता ने धोखे से पुत्र को ट्रैक्टर से कुचला

राष्ट्रीय खबर

इचाक : इचाक थाना क्षेत्र के मोक्तमा गांव में शुक्रवार घटित घटना ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया। हुआ यूं कि उसी गांव के राजेश कुमार मेहता के एक वर्षीय पुत्र सोनू कुमार घर में मां के सामने खेल रहा था। इसी बीच नौनिहाल के पिता राजेश मेहता खड़ा अपना ट्रैक्टर को कम पर ले जाने के लिए आगे पीछे करने लगा। इसी दौरान मां के गोद में किलकारी मारते नौनिहाल सोनू पिता की ओर लपका, इतने में वह ट्रैक्टर का पिछला चक्का के नीचे आ गया। जिसमें दबने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। आंखों के सामने कलेजे के टुकड़े को कुचलते देख सोनू की मां अचेत अवस्था में आ गई फिर सोनू के पिता राजेश ने ट्रैक्टर से उतरकर अपने जिगर के टुकड़े सोनू को गोद में उठाकर सीएचसी की ओर निकल पड़ा। जहां देखते हैं डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के दर्दनाक मौत पर घर वालों में चीख पुकार मच गई। देखते ही देखते पड़ोसियों की भीड़ राजेश के घर जमा हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सोनू राजेश का एकलौता पुत्र था। दो बेटियों के बाद काफी मन्नते एवं पूजन के बाद सोनू का जन्म उसकी मां के कोख से हुआ था। लोगों ने बताया कि अपने जिगर के टुकड़े के दर्दनाक मौत को लेकर सोनू की मां सदमे में है। जिसे संभालने में पड़ोस की महिलाएं और परिजन जुटे हुए हैं। सोनू के दर्दनाक मौत को लेकर उसकी दो बहने बुजुर्ग दादा दादी चाचा चाचा और पड़ोसियों का रोकर बुरा हाल है। घटना शुक्रवार 11 बजे सुबह की है।

प्रदेश >> अपडेट

चार को पांच वार्ड में लगेगा शिविर

हरिहरगंज : उपायुक्त पलामू के निर्देश पर नगर पंचायत क्षेत्र के बेलौदार मिडिल स्कूल के पास 12 से 14 तक वार्ड के लिए चार दिसंबर को और बिसुनपुर स्कूल पर 11 ,15 और 16 वार्ड के लिए छह दिसंबर को आपकी योजना,आपकी सरकार ,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया जाना है। इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गई है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स >>

जपला मुख्य डाकघर में उप डाकपाल को दी गई विदाई

पलामू: पलामू प्रमंडल के जपला मुख्य डाकघर में एक समारोह आयोजित कर उप डाकपाल विक्रम कुमार को विदाई दी गई । मालूम हो कि विगत फरवरी माह में डाक विभाग द्वारा डाक निरीक्षक पद के लिये आयोजित परीक्षा में विक्रम कुमार उतीर्ण हुए थे उनका डाक निरीक्षक के पद पर बरही में योगदान करने का पत्र प्राप्त होते ही उन्हें उप डाकपाल के पद से विरमित कर दिया गया।उन्होंने अपना प्रभार रंजीत कुमार को दिया । इस उपलक्ष्य में डाक कर्मियों एवं अभिकताओं ने एक समारोह आयोजित कर उन्हें बुके ,अंगवस्त्र व शाल देकर विदाई दी गई । इस मौके पर डाक निरीक्षक सुमन कुमार सामंता व अरविन्द कुमार ओझा ने कहा कि विक्रम जी का कार्यकाल सराहनीय रहा है ।देवेन्द्र गुप्ता ने कहा कि विक्रम जी अपने कार्यकाल में अपनी मेहनत व लग्न से हमेशा उच्च पद प्राप्त करें। मौके पर रंजीत कुमार, पप्पू कुमार संतोष टुडू ,शशि कुमार, भोला कुमार, रवि कुमार , श्रवण कुमार, डॉ शिवकुमार विश्वकर्मा, अमित कुमार, प्रभाकर जी, रामकृष्ण मिश्रा, रंजीत सिंह,सौरभ कुमार संतोष ठाकुर, सुधीर ठाकुर,राजकुमार सहित सभी अभकर्ता व डाककर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त >> अपडेट्स

उ. प्र. विद्यालय रहमतपुर में किया गया व पोशाक का वितरण

पाकुड़ : उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय रहमतपुर बगान में विद्यालय पोशाक का वितरण कार्यक्रम विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष असिकुल शेख की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर नवी पंचायत के मुखिया मनोज किस्कू,वार्ड सदस्य मोताहार शेख,सामाजिक कार्यकर्ता हिसाबी राय एवं प्रधानाध्यापक केताबुल शेख,गुलाम अम्बिया, सादेकुल आलम,बहादुर मंडल सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी सदस्य एवं विद्यालय के सभी शिक्षक एवं अभिभावकगण मौजूद थे।सभी ने विद्यालय में वर्ग प्रथम व द्वितीय के बच्चों के बीच 213 से विद्यालय पोशाक बांटे। विद्यालय पोशाक पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल गए। पोशाक वितरण के अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने कहा कि छात्रों को सरकार द्वारा विद्यालय को दिए जा रहे सारे सुविधा को छात्रों को उपलब्ध कराने तथा शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समिति कृतसंकल्पित है।बच्चों को भोजन,किताब से लेकर विद्यालय पोशाक उपलब्ध कराया जा रहा है।अध्यक्ष ने उपस्थित अभिभावकों को अपने बच्चों को शिक्षित करने तथा उन्हें प्रतिदिन विद्यालय भेजने का आग्रह किया।कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक केताबुल शेख ने किया।विद्यालय पोशाक वितरण कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य बाना बीवी, आसनारा बीवी,सानूयारा बीवी, सामेरा बीवी,शकीला बीवी,समेरा व मासकुरा बीवी तथा विद्यालय के शिक्षक सेराजुल शेख सुफियान शेख सेनामुल शेख नसीमा खातून रियाजुद्दीन मोलवी नदु शेख मौजूद थे।

निर्वाचन कार्यक्रम

जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

नगर निगम क्षेत्र में घर-घर सर्वे कार्य करने का बीएलओ को दिया गया निर्देश

निर्वाचन संबंधी कार्य में त्रुटि की गुंजाइश बिल्कुल भी नहीं होती

राष्ट्रीय खबर

देवघर: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विशाल सागर की अध्यक्षता में निर्वाचन कार्य को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन शिल्पग्राम के सभागार में संपन्न हुआ। इस दौरान उपायुक्त ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन से जुड़ी विभिन्न जानकारियों से अवगत कराने के उद्देश्य से बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। निर्वाचन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में बीएलओ एवं सुपरवाइजर की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। ऐसे में शत प्रतिशत मतदाताओं को जोड़ने एवं त्रुटि निराकरण के उद्देश्य से नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत दोबारा सही तरीके से हाउस टू हाउस सर्वे करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों व बीएलओ को दिया। कार्यशाला के दौरान जानकारी दी गई कि हाउस टू हाउस सर्वे करने का मुख्य उद्देश्य से है कि प्रत्येक परिवार के प्रत्येक सदस्य का सत्यापन कर परिवारवार विवरण बीएलओ रजिस्टर में दर्ज किया जा सके। साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का कोई भी नागरिक जिनका नाम निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं है तो फार्म 6 भरकर निर्वाचन नामावली में शामिल कराया जाएगा। आगे निर्वाचक नामावली में शामिल मृतक, डुप्लीकेट, स्थायी रूप से शिफ्ट मतदाताओं का चिन्हित किया जाएगा। उसके लिए प्रारूप 7 प्राप्त कर निर्वाचक नामावली से विलोपित किया जाएगा। इसी प्रकार निर्वाचक नामावली में किसी भी प्रकार की त्रुटि जैसे नाम, पिता व पति का नाम, मकान संख्या, आयु, लिग, फोटो का शुद्ध कराने के लिए प्रारूप 08 पर आवेदन किया जाएगा। आगे उपायुक्त ने घर घर सर्वे के दौरान जिन क्षेत्रों में अधिक मतदाता छुटे हुए है या त्रुटि निराकरण को लेकर समस्या है उन क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए विशेष कैंप का आयोजन करने का निर्देश दिया गया। कार्य करने में हो रही समस्याओं के निदान के साथ बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों को उनके कार्यों एवं दायित्वों के संबंध विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य में त्रुटि की गुंजाइश बिल्कुल भी नहीं होती। इस कारण से निर्वाचन कार्य को पूरी तरह से त्रुटिरहित एवं शत प्रतिशत सही करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मतदान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए मतदाता सूची का त्रुटिरहित एवं बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए इस कार्य में विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी मतदाता मतदान से वंचित नहीं होना चाहिए।

संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत हाउस टू हाउस सर्वे में सभी योग्य व्यक्ति जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़ा गया है, उसे जोड़ने एवं मृत व स्थाई रूप से अन्यत्र जाने वाले मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाने का काम तथा जिनका नाम मतदाता सूची में त्रुटि पूर्ण हैं, उसे सुधारें। मौके पर ईआरओ सह अनुमंडल पदाधिकारी, देवघर दीपांकर चैधरी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा प्रशांत लायक, अंचलाधिकारी देवघर, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहनपुर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मी, बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर आदि उपस्थित थे।

न्यूज फटाफट

जमुआ विधायक ने की बैठक

दुमका: परिसदन दुमका में जमुआ विधायक केदार हजारा की अध्यक्षता में विधानसभा की गैर सरकारी संकल्प समिति की बैठक आहूत की गई। समित की बैठक में दुमका जिला के विभिन्न विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कई प्रश्न संबंधित अधिकारियों से पूछा गया। जिसपर अधिकारियों से संबंधित प्रश्न की रिपोर्ट मांगी गई। प्रश्न में मुख्य रूप से सड़क निर्माण,मुवाबजा,सिंचाई विभाग अंतर्गत मामले, खनन से संबंधित मामले इत्यादि शामिल थे। सभापति ने कहा कि इन सभी मुद्दों पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय की भी नजर है। जल्द से जल्द सभी प्रश्नों का निष्पादन करें तथा कल सुबह 9 बजे तक इन सभी प्रश्नों से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध कराये। बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला खनन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

बनवरीया बनाम रक्ति और बंदाजोरी बनाम नारंगी के बीच खेला जाएगा सेमीफाइनल

सारवां: प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता 2023 -24 का आयोजन प्रखंड स्तरीय स्टेडियम सारवां में आयोजन किया गया। मैच का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर एवं किक मार कर किया। पहला मैच सारवां बनाम बनवरिया के बीच खेला गया जिसमें बनवरिया 2-0 से जीता। दूसरा मैच पहरिया और नारंगी के बीच खेला गया जिसमे नारंगी को वॉक ओवर दिया गया। तीसरा मैच डकाय और रक्ति के बिच खेला गया जिसमें रक्ती ने डकाय को 1-0 से हराया। लखोरिया और जिया खड़ा में जिया अखाड़ा को वॉक ओवर दिया गया। बंदा जोरी बनाम कुशमहा के बीच खेला गया मैच जिसमें बंदाजोरी ने कुशमाहा को 5-4 से हराया, नारंगी बनाम जिया खारा के बीच खेला गया मैच जिसमें नारंगी ने जियाखारा को 1-0 हराया, सेमीफाइनल बनवरीया बनाम रक्ति ओर बंदाजोरी बनाम नारंगी के बीच खेला जाएगा। मौके पर समाजसेवी संजय सिंह, संयोजक भोला यादव, प्रमोद यादव, महिमा कुमारी, गुरुदेव सिंह, सुभाष सिंह, आकाश कुमार, अंश कुमार, कुणाल कुमार, साहिल, अंकित, महेंद्र सिंह, व अन्य उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर सदर अस्पताल में जागरूकता का आयोजन किया गया

देवघर: विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. रंजन कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सदर अस्पताल सभागार में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक सेमिनार का आयोजित किया गया। जिसमें सिविल सर्जन के द्वारा एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता और इसके बचाव के संबंध में दिशा निर्देश देते हुए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को एड्स रोगी से भेदभाव नहीं करने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम की शुरूआत अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. प्रभात रंजन के द्वारा रक्तदान के बाद किया गया।जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर जुगल किशोर चैधरी के निर्देश पर देवघर के जैप 5 में एचआईवी जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जांच शिविर में जैप 5 के जवानों का एचआईवी जांच, शुगर जांच और टीवी बलगम जांच किया गया। इस मौके पर सदर अस्पताल देवघर के डीआरसी काउंसलर अंजन कुमार, आईसीटीसी एलटी बबलू दास के द्वारा कैंप का संचालन किया गया इस मौके पर स्वयंसेवी संस्था के सदस्य के द्वारा सहयोग किया गया।

चतरा में आयोजित जिला स्तरीय धार्मिक प्रतियोगिता में चंदवा मदरसा के बच्चों ने मारी बाजी

चंदवा: चतरा जिले के मदरसा जामिया रशीदुल उलूम में बीते 29 नवंबर को आयोजित जिला स्तरीय धार्मिक प्रतियोगिता में चंदवा तिलैयाटांड़ स्थित मदरसा खैरूल उलूम के बच्चों ने प्रथम व पांचवा स्थान लाकर कर प्रखंड समेत लातेहार जिले का नाम रौशन किया है। प्रतियोगिता में दो इनाम जितने पर चंदवा के तिलैयाटांड़ स्थित मदरसा खैरूल उलूम परिसर में गुरुवार शाम एक सम्मान समारोह आयोजित कर बच्चों को पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया गया । सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मदरसा खैरूल उलूम के संचालक मौलाना रिजवान दानिश नदवी ने कहा कि यह इनाम पाना सिर्फ मदरसा ही नहीं पूरे इलाके के लिए गर्व की बात है। उक्त प्रतियोगिता में कई होनहार बच्चों ने भाग लिया था बच्चों की धार्मिक बौद्धिक क्षमता को आंकने के लिए वहां पर मुफ्ती नजरे तौहीद के नेतृत्व में कई नामचीन हस्तियां भी मौजूद थे जिन्होंने बच्चों के बौद्धिक ज्ञान व लगन के आधार पर समय सीमा के अंदर कुरान की आयतें सुनाने के बाद उनका चयन कर उन्हें इनाम देकर सम्मानित करने का काम किया है। इस प्रकार के प्रतियोगिता से बच्चों के अंदर बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। वंही समारोह को संबोधित करते हुए हाफिज एहसान व पूर्व उप प्रमुख हाजी फिरोज अहमद ने कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में इनाम जीतकर वाकई में बच्चों ने इलाके का नाम रौशन किया है। मदरसा में बच्चे विकट परिस्थितियों में रहकर शिक्षा हासिल करते है और इस परिस्थिति में भी इतने बड़े प्रोग्राम में जाकर प्रथम स्थान प्राप्त कर इनाम जितना हम सब के लिए गर्व की बात है।

जामताड़ा से चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा: साइबर अपराध करने वालों के लिए विख्यात जामताड़ा में इन दिनों साइबर सेल और जामताड़ा पुलिस की जबरदस्त निगाह है। लगातार टीम बनाकर पुलिस इन अपराधियों के ठिकानों पर पंहुच रही है साथ ही छापेमारी के दौरान अभी तक कई साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। इधर गुरुवार को भी जिले के करमाटांड़ और नारायणपुर गांव में पुलिस ने छापेमारी किया जहां से कुल चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिये गये लोगों से पूछताछ के दौरान उन्होंने साइबर अपराध को स्वीकार किया है। पुलिस के पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि ये लोग कभी बैंकों के केवाईसी अपडेट करने के नाम पर बैंक विवरणी एवं कार्ड निकट भविष्य में बंद ना होने के नाम पर कार्ड नंबर तथा गोपनीय नंबर प्राप्त कर साइबर ठगी करना, गूगल में विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों, ई-पेमेंट कंपनियों, उपभोक्ता सामग्री कंपनियों के कस्टमर केयर नंबर के रूप में अपना फर्जी मोबाइल नंबर डालकर उपभोक्ताओं का कॉल प्राप्त कर उनके आने वाली समस्याओं का निपटारा करने के नाम पर उनके मोबाइल पर क्विक सपोर्ट और ऐनी डेस्क जैसे मोबाइल शेयरिंग एप्प डाउनलोड करवाकर उनके सारी बैंक की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साइबर ठगी करते है।

नगर थाना को मिली बड़ी सफलता ,चार साइबर ठगों को किया गया गिरफ्तार

पाकुड़ : नगर थाना पुलिस की बड़ी सफलता थाना क्षेत्र के बीएड कॉलेज के समीप बलियाडांगा से एक किराया की मकान से मिली है।जहा साइबर अपराधी को पुलिस ने लिया हिरासत में लिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अराजक तत्व यहां भाड़े के मकान में रह रहे हैं ।और यह लगभग अप्रैल माह से रहते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस घर पर छापेमारी की उस दौरान मकान में रह रहे युवक ने बताया ऐसा यहां कुछ नहीं होता है। पर पुलिस को घर से मोबाइल का भंडारा मिला लगभग 50 से 60 मोबाइल जब्त किया गया ।और चार आरोपी को भी हिरासत में लेकर थाने में लाया गया है। गिरफ्तार लोग गिरिडीह के बेंगाबाद के रहने वाले बताए जा रहा है। जो भाड़े कि मकान की बात किया गया । वही पूछताछ में घर के मालिक महेशपुर में ही रहता है,और वो महेशपुर निवासी है । छापेमारी दल में प्रशिक्षु डीएसपी अजय आर्यन , महेशपुर थाना प्रभारी आनंद पंडित, सहित नगर थाना की पुलिस बल शामिल थे।

तेतरियाडीह में शीघ्र लगेगी अंबेडकर की प्रतिमा

राष्ट्रीय खबर

पलामू: पांकी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड नीलाम्बर पीताम्बरपुर के पंचायत पिपरा खुर्द के ग्राम तेतरियाडीह चौक पर जो अधूरा पड़ा था डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के प्रतिमा लगाने को लेकर यहां के ग्रामीणों ने मुझसे मिलकर यहां की समस्या को अवगत कराया मैं बहुत जल्द पूरा करने को कहा यहां पर बहुत जल्द डॉक्टर भीमरांव अंबेडकर जी के मूर्ति लगेगा और ग्राम तेतरियाडीह चौक से होते हुए सोनबरसा स्कूल तक सड़क जो कभी बना नहीं था वह सड़क बनाने के लिए विधायक से बोला और जो सड़क बनाने में जो जमीन दाता है वह जो भी लाभुक है जमीन का वह जमीन दाता आपस में बैठकर समझौता करने के लिए बोला मैं नया सड़क बहुत जल्द बनाने को कहा यह सड़क बन जाने से अनेकों गांव को जो काफी सुविधा मिलेगा और ग्राम चौखड़ा में जो अधूरा पड़े हनुमान मंदिर है यहां के मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्य एवं ग्रामीण जनता ने अवगत कराया मैं इसे बहुत जल्द कुछ अपने से सहयोग राशि से पूरा करने को कहा मैं सभी समस्याओं को धीरे-धीरे पूरा करने के लिए तत्पर हैं।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

शिविर का लाभ उठाकर स्वावलंबी बने ग्रामीण : अपर समाहर्ता

राष्ट्रीय खबर

चंदवा: प्रखंड में चल रहे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जमीरा पंचायत में शुक्रवार को शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन लातेहार अपर समाहर्ता सह डीडीसी आलोक शिकारी कच्छप,बीडीओ विजय कुमार,अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक,प्रखंड बीस सुत्री अध्यक्ष सुरेश गंझू जमीरा मुखिया दुर्गावती देवी,झामुमो जिला उपाध्यक्ष शितमोहन मुंडा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता सह डीडीसी आलोक शिकारी कच्छप ने कहा कि ग्रामीण शिविर का लाभ उठाकर स्वावलंबी बने सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे यही राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है। वही बीडीओ विजय कुमार व अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक ने कहा कि योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणो तक पहुंचाने के उद्देश्य से आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न पंचायत में किया जा रहा है। मुखिया दुर्गावती देवी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है शिविर के माध्यम से योजनाओं का लाभ भी ग्रामीणों को मिल रहा है। बीस सूत्री अध्यक्ष सुरेश गंझु व झामुमो नेता शितमोहन मुंडा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि ग्रामीणों को सरकारी कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े बल्कि योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को उनके घर जाकर दिया जाये।

उपायुक्त ने लाभुकों के बीच किया परिसंपत्तियों का वितरण

राष्ट्रीय खबर

दुमका: मसलिया प्रखंड के गुमरो पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।बड़ी संख्या में लाभुकों के बीच विभिन्न विभागों के परिसंपत्तियों का भी वितरण इस दौरान किया गया। उपायुक्त ने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का उद्देश्य आपकी समस्याओं को दूर करना है।आपकी जिस विभाग से संबंधित समस्या है उस विभाग के स्टॉल पर पहुँचकर आवेदन अवश्य करें।आपके आवेदन पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अबुआ आवास योजना की शुरूआत की गई है।जिला प्रशासन का प्रयास होगा कि गुमरो पंचायत के वैसे सभी लोग जो बेघर हैं उन्हें अबुआ आवास योजना के तहत घर दिया जाएगा।उन्होंने कहा ग्राम प्रधान तथा मुखिया अपने पंचायत के वैसे सभी लोगों को आवेदन कराएं जो बेघर हैं। उन्होंने कहा कि बिजली बिल के गड़बड़ी की समस्या प्रायः संज्ञान में आती है। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में बिजली बिल के गड़बड़ी से संबंधित समस्या का समाधान पाया जा सकता है।बिजली बिल की समस्या के लिए अलग से स्टॉल बनाया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार में जमीन ऑनलाइन नहीं होने से संबंधित समस्या प्राप्त होती है।इस कार्यक्रम में आप आवेदन देकर अपने जमीन का ऑनलाइन करा सकते हैं।स्टॉल पर जाकर जमीन ऑनलाइन करने से संबंधित आवेदन करें एवं पावती प्राप्त करें।

थाना प्रभारी ने पुलिस पदाधिकारी के साथ किया पैदल मार्च

कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे:मोदक

राष्ट्रीय खबर

गोड्डा: नगर क्षेत्र में जाम से निपटने व ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नगर थाना प्रभारी मधुसूदन मोदक ने पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर नगर थाना से लेकर कारगिल चौक, हटिया चौक आदि क्षेत में पैदल मार्च किया। इस दरम्यान थाना प्रभारी मोदक के द्वारा सड़क अतिक्रमण कर लगाये गए दुकानो को हटवाया गया, कुछ दुकानों को सड़क से पीछे करवाया गया तथा दुकानदारो को सड़क पर दुबारा दुकान नही लगाने की भी हिदायत दी गई। थाना प्रभारी मधुसूदन मोदक ने कहा कि- किसी भी व्यक्ति,आमजनों व दुकानदारो को कोई परेशानी न हो ऐसी हमारी हमेशा प्रयास रहेगी। पुलिस आपका मित्र है एवं हमेशा आपके साथ है, बस आप कानून के दायरे में रहकर कार्य करे। किसी भी स्थिति में जाम बर्दास्त नही की जाएगी, सड़क को ट्रैफिक मुक्त रखना पुलिस के साथ साथ आपकी भी जिम्मेवारी है इसलिये आप अपनी दुकानें सड़क पर न लगाएं, सड़क से पीछे लगाए, थाना प्रभारी मोदक ने कहा कि आप कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे वरना आपके विरुद्ध पुलिस अधिनियम के अंतर्गत करवाई करनी पड़ेगी।

संस्कार

अवगुण को दूर करें और गुण को देखें

सारे संसार में सीताराम जी है: संत शंभू शरण

संतों का चित्र बड़ा सरल है बड़ा सम्मान है

जिनको गुण लेने हैं वह दूसरों के अवगुण को ना देखें

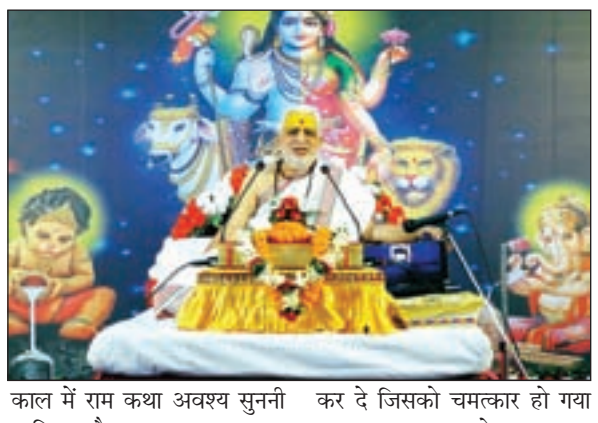

फोटो-पी1

देवघर। बाबा बैजनाथ की पावन नगरी बाबा धाम में पुरनदाहा स्थित एक होटल के प्रांगण में संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन किया गया। राम कथा के प्रथम दिन राम नाम महिमा के ऊपर कथावाचक संत श्री शंभू शरण जी ने कहा बाबा धाम देव का धाम है, राम से बड़ा राम का नाम है। जहां राम कथा होती है वहां मां अवश्य राम कथा में आती हैं उन्होंने कहा पूरे विश्व में यह देवनगरी देवघर का नाम बाबा धाम के नाम पर पड़ा है। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन काल में राम कथा अवश्य सुननी चाहिए और कथा का रसपान करना चाहिए। अपनी कथा में हमने अनुभव किया है जिसे कहने में मुझे कोई संकोच नहीं है।

मैं भजन गाने लगा लेकिन मैं अपना नाम लिखना नहीं जानता यह चमत्कार नहीं तो क्या है चमत्कार वह है जो जीवन बदल दे, आपके जीवन में प्रकाश पैदा कर दे जिसको चमत्कार हो गया उसका भाग्य बदल दे हमारा भाव ऐसा होना चाहिए। यह प्रभु की कृपा से ही संभव है यह वंदना से ही शुरू होती है भगवान को प्रसन्न करने के लिए भगवान इस लाइन से बहुत प्रसन्न होते हैं। श्री राम जय राम जय जय राम यह मंत्र है यह मंत्र प्रत्येक मनुष्य को पढ़ना चाहिए जितने भी कथावाचक है कथा प्रारंभ करने के पहले यह मंत्र अवश्य पढ़ते हैं श्री राम जय राम जय जय राम संतो के चरणों में प्रणाम करते हैं, संतों का चित्र बड़ा सरल है बड़ा सम्मान है ऐसे संतो को हम प्रणाम करते है। संसार में अच्छे बुरे सब भगवान ने बनाए हैं। तब ब्रह्मा जी गोस्वामी जी से कहते हैं कोई भला बुरा नहीं है सबके भीतर परमात्मा वही है, जो संत होते हैं वह अवगुण को त्याग देते हैं वह गुण को ग्रहण करते हैं, जिनको गुण लेने हैं वह दूसरों के अवगुण को ना देखें लोग ज्यादातर दूसरों के दोस देखते हैं उसके गुण को नहीं देखते जब लोग दूसरों के दोष को दूर कर गुण को देखेंगे वह साक्षात परमात्मा को पाएंगे। दूसरे का दोष देखने से वह कभी प्रभु के भक्ति में नहीं सकता। इसीलिए गोस्वामी जी कहते हैं अवगुण को दूर करें और गुन को देखें सारे संसार में सीताराम जी हैं। सब में जड़ चेतन में सब के भीतर राम है मैं सबको प्रणाम करता हूं मुझे बाबा धाम भोले की नगरी काफी अच्छी लगती है मेरा शरीर अभी ठीक नहीं था बाबा धाम का नाम कहा लेकिन मैं बाबा धाम के नाम पर कथा करने के लिए तैयार हो गया मैं पहले भी बाबा धाम में आया हूं और कथा किया हूं। मुख्य यजमान बालोटिया परिवार, गौरीशंकर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, दीनदयाल, कटनी, राजु धनानिया, दीपक अग्रवाल, दीपेश अग्रवाल , गोवर्धन, नीलेश अग्रवाल सम्मेलन के शिवकुमार सराफ, सचिन सुल्तानिया, अनिल झुनझुनवाला, राजकुमार मुंद्रा सहित दर्जनों श्रोता मौजूद थे।

शहर ›› अपडेट

सड़कों के गढ़े भरने का कार्य प्रारंभ

हेरहंज: बालूमाथ-हेरहंज-पांकी मुख्य पथ की स्थिति जर्जर की खबर अखबार में लगातार प्रकाशित होने के बाद जिला प्रशासन ने मामले को संज्ञान में लेते हुए पथ निर्माण विभाग के द्वारा सड़क में बने गढ़े को भरवाने का कार्य शुक्रवार से प्रारंभ करवा दिया है ।गौरतलब हो कि बालूमाथ से लेकर पांकी तक पुल के समीप कई जगहों में काफी गढ़े हो गए थे।

सिटी अपडेट्स ››

फुटबॉल मैच की तैयारी का सांसद ने लिया जायजा

चतरा: जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 9 दिसंबर को मोहन बागान और कोलकाता इलेवन फुटबॉल टीम के बीच एक दिवसीय सद्भावना मैच की तैयारी जोरशोर से चल रही है। राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू मैच से पूर्व चतरा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम पहुंचकर तैयारी का निरीक्षण भी किया। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि हाजी साबिर हुसैन ने बताया कि मैच को लेकर तैयारी अंतिम चरण में है। मैच कोलकाता इलेवन और मोहन बागान के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों को भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुब्रत भट्टाचार्य कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। साबिर हुसैन ने बताया कि अगले नौ दिसंबर को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में दोपहर दो बजे से मैच शुरू होगा। उन्होंने जिलेवासियों से बड़ी संख्या में स्टेडियम में पहुंचकर मैच का आनंद उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर चतरा में ऐसे आयोजन नहीं होते हैं। लेकिन इस बार यह भव्य आयोजन हो रहा है। सांसद धीरज प्रसाद साहू मैच का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने इस मैच का आनंद उठाने के लिए राज्य के कई मंत्रियों और अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर डीसी, एसपी का निरीक्षण

कोडरमा: मुख्यमंत्री झारखंड सरकार हेमन्त सोरेन के संभावित आगमन को लेकर उपायुक्त मेघा भारद्वाज और पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा तैयारी का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्रम में उन्होंने प्रखंड कार्यालय कोडरमा के मैदान का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को माननीय मुख्यमंत्री झारखंड सरकार हेमन्त सोरेन के संभावित आगमन को लेकर तैयारियां को पुख्ता करने का निर्देश दिये। इस मौके पर उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अनुमंडल पदाधिकारी श्री संदीप कुमार मीना समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएमसी के कार्यक्रम का नगर आयुक्त व पूर्व मंत्री ने किया उद्घाटन

देवघर: झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सरकार की ओर से अभी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत नगर आयुक्त योगेन्द्र प्रसाद, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, मुन्नम संजय, नीलम देवी, सूरज झा, सूरेश साह, मनोरंजन कुमार ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में निगम की ओर से लोगों को दि जाने वाली मूलभूत सुविधाओं को सरल बनाने के लिए कई काउंटर लगाये गये थे। जिसमें पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्या, प्रधानमंत्री आवास योजना, साफ-सफाई, जन्म मृत्यु, पथ प्रकाश, डे एनयूएलएम, होल्डिंग टैक्स, आधार यूआईडी, स्वास्थ्य जांच के कैंप लगाये गये थे। निगम के द्वारा लगाए गए शिविर में लाभुकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिला। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया है कि किसी भी प्रकार की जानकारी समस्या को तुरंत निष्पादन कैम्प में ऑन द स्पॉट किया जाए।

आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के 5वें दिन 6 प्रखण्ड के पंचायत में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शिविर में 6324 आवेदन हुए प्राप्त, 3464 आवेदनों का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

राष्ट्रीय खबर

चतरा:चतरा,कार्यक्रम के 5वें दिन जिले के हंटरगंज प्रखण्ड के डाहा पंचायत, चतरा प्रखण्ड के सिकीद पंचायत, ईटखोरी प्रखण्ड के ईटखोरी पंचायत, सिमरिया प्रखण्ड के कसारी पंचायत, टण्डवा प्रखण्ड के नावाडीह उर्फ तेलियाडीह पंचायत, प्रतापपुर प्रखण्ड के हुमाजांग पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।शिविर में फूलो झानों आशीर्वाद अभियान, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना, अबुआ आवास योजना, गुरूजी स्टूडेंस क्रेडिट कार्ड

योजना, बिरसा सिंचाई कूप सर्वधन योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने हेतु अलग अलग प्रखण्ड में लाभुक हजारो की संख्या में कार्यक्रम में पहुंच आवेदन कर योजनाओं से लाभान्वित हो रहे है। वहीं कार्यक्रम में ऑन द स्पॉट समस्याओं से संबंधित मामले का निष्पादन किया जा रहा है।

आज के शिविर में चतरा प्रखण्ड के सिकिद पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में कुल 909 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 362 आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया, हंटरगंज प्रखण्ड के डाहा पंचायत में 1378 आवेदन प्राप्त हुए है जिसमें 1348 आवेदन का निष्पादन किया गया, इटखोरी प्रखण्ड के इटखोरी पंचायत में 550 आवेदन प्राप्त हुए है 347 आवेदनों का निष्पादन किया गया, सिमरिया प्रखण्ड के कसारी पंचायत में 1376 आवेदन प्राप्त हुए वहीं 361आवेदनों का निष्पादन किया गया, टंडवा प्रखंड के नावाडीह उर्फ तेलियादिह पंचायत में 1181 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे 440 आवेदन का निष्पादन किया गया, प्रतापपुर प्रखंड के हुमाजांग पंचायत में 930 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे 606 आवेदन का निष्पादन किया गया। बताते चले कि दिनांक 01.12.2023 को कुन्दा प्रखण्ड के सिकीदाग पंचायत, हंटरगंज प्रखण्ड के गेरूआ पंचायत, नगर परिषद क्षेत्र चतरा में मध्य विद्यालय दिभा स्कूल 4 एवं 5 वार्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। सभी आम जनों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुँच सरकार द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ ले सकते है।

न्यूज फटाफट

विश्व एड्स दिवस पर प्रेरणा शाखा ने चलाया जागरूकता अभियान

झुमरीतिलैया: एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (एड्स) गंभीर और लाइलाज बीमारी है जिसकी रफ्तार वैश्विक स्तर पर बढ़ती हुई देखी जा रही है। एचआईवी के कारण यह बीमारी जानलेवा हो सकती है। एड्स रोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इस बीमारी से बचाव को लेकर लोगों को सचेत करने के उद्देश्य से हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह एक लइलाज बीमारी है। इसकी रफ्तार को रोकने का सबसे आवश्यक उपाय जागरूकता है। लोग इस बीमारी के लक्षण एवं कारण से जितने अधिक जागरूक होंगे उतनी ही अधिक संख्या में इसकी रफ्तार को काम किया जा सकता है। इस आर्टिकल के द्वारा झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा ने लोगों को जागृत करने के लिए एक मुहिम चला रही है। एचआईवी वायरस शरीर के संक्रमण और बीमारी से लड़ने की क्षमता को कमजोर कर देता है। यह एक छुआछूत की बीमारी नहीं है। इसलिए आवश्यकता है बीमारी से लड़ने की ना कि बीमार व्यक्ति से लड़ने की। एचआईवी संक्रमित लोगों के लिए सपोर्ट दिखाने और एड्स रोगियों को साहस देने के लिए हर साल इसे एक विशेष थीम भी दिया जाता है। इस साल 2023 का थीम ह्यलेट कम्युनिटी लीडह्ल है। विश्व एड्स दिवस पर यह है नारा, एड्स मुक्त हो विश्व हमारा। इस मुहिम में जागरूकता अभियान का प्रचार प्रसार करने के लिए झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा के द्वारा कोचिंग क्लासेस में पोस्टर के माध्यम से बच्चों के बीच जागरूकता फैलाई गई तथा विभिन्न स्थानों में पोस्टर लगाकर इस बीमारी में रोकथाम लाने के लिए लोगों को जागरूक किया गया।

भाजपा परसाबाद मंडल अध्यक्ष शशिभूषण चौधरी का निधन

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड के गोहाल पंचायत अन्तर्गत ग्राम मकतपुर निवासी और भाजपा परसाबाद मंडल अध्यक्ष शशिभूषण चौधरी (उम्र 65 वर्ष) का आकस्मिक निधन हो गया। सूचना मिलने पर केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सह सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव उनके आवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवारजनों से मिलकर इस दुःख की घड़ी में ढाढ़स तथा धैर्य बंधाया। बता दें कि शशिभूषण चौधरी 2003-04 में जयनगर प्रखंड भाजपा अध्यक्ष एवं 2020 में पुनः भाजपा परसाबाद मंडल अध्यक्ष बने। शशिभूषण चौधरी सरल मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। मृतक शशि भूषण चौधरी अपने पीछे भरे पूरे परिवार छोड़ कर गए हैं। मौके पर वरिष्ठ नेता रामचन्द्र सिंह, जिला अध्यक्ष नितीश चन्द्रवंशी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेंद्र भाई मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र राणा, किशुन यादव, विजय पंडित, विजय राणा, बिरेन्द्र मोदी, प्रमुख अंजू देवी, जिला महा मंत्री अनूप जोशी, मीना साव, जयप्रकाश राम, बिंदेश्वरी बिहारी, जयनगर मंडल प्रखंड अध्यक्ष रामदेव मोदी, युवा मोर्चा के परसाबाद मंडल अध्यक्ष विजय यादव, सुनील सिंह, धनेश्वर चौधरी, मनोज चौधरी, यमुना यादव, महेश रजक, राजकुमार पासवान, रविंद्र कुमार रवि, रामदेव प्रसाद यादव, बैजनाथ यादव, विवेक साव, सोनिया देवी, कविता कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष मौजूद थे।

डीएवी में विश्व एड्स जागरूकता दिवस का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

झुमरीतिलैया: डीएवी पब्लिक स्कूल कोडरमा की प्रातः कालीन सभा में एड्स दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में एड्स विषय के बारे में जानकारी देना और उन्हें सुरक्षित करना था। कार्यक्रम की शुरूआत में कक्षा छठी की आकृति सिंह ने कविता के माध्यम से एड्स के खिलाफ जागरूकता फैलाई। एड्स विषय पर पूरी जानकारी अंग्रेजी भाषण के द्वारा अलीशा सिन्हा ने दिया। हिंदी भाषण के द्वारा ग्यारहवीं की अनिका कुमारी ने एड्स होने के विभिन्न कारणों और उससे बचने के उपाय बताए। एड्स विषय पर प्रश्नोत्तरी ग्यारहवीं विज्ञान संकाय के यशराज ने करवाया। लघु नाटिका के द्वारा कक्षा नवमी की नव्या निर्मल, ऋषिका, रिया, अमोघ रंजन, अभिनव सिन्हा अंकित, अनुपम कुमारी और कक्षा सातवीं के नीतीश कुमार मिश्र ने एड्स के कारण, उससे बचाव के उपाय और एड्स पीड़ितों के प्रति सामान्य व्यवहार का संदेश दिया।

विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि 1 दिसंबर को हर साल विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह एचआईवी संक्रमण से होने वाली जानलेवा बीमारी एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अलका वर्मा, आनंदी प्रसाद, लक्ष्मी कुमारी, पवन कुमार और मोहम्मद अली की सराहना की।

डीएवी पब्लिक स्कूल ने सेक्रेड हार्ट स्कूल को चार रन से हराया

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को डीएवी पब्लिक स्कूल और सेक्रेड हार्ट स्कूल के बीच स्थानीय सी एच हाई स्कूल मैदान में मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएवी स्कूल ने 17.1 ओवर में 96 रन बनाए। डीएवी स्कूल की ओर से आनंद ने 27 रन और पीयूष ने 20 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए सेक्रेड हार्ट स्कूल की ओर से विशाल ने चार विकेट और शिवम ने तीन विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी सेक्रेड हार्ट स्कूल की टीम 19.2 ओवर में 92 रन ही बना सकी। इस प्रकार इस रोमांचक मैच में डीएवी ने चार रन से जीत दर्ज की। सेक्रेड हार्ट की ओर से सौरभ ने 34 रन और शिवम ने 11 रन बनाए । गेंदबाजी करते हुए डीएवी स्कूल की ओर से मुताहिर अंसारी ने तीन विकेट और पीयूष ने दो विकेट लिए। बेहतर खेल के लिए डीएवी स्कूल के मुताहिर अंसारी को मैन ऑफ द मैच दिया गया। मैच में अंपायर कुमार सुनील कश्यप और नयन कुमार तथा स्कोरर अक्षय कुमार थे।

डकैती की योजना बनाने के आरोपी को 6 वर्ष कारावास की सजा

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: तिलैया थाना कांड संख्या 484/ 2010 एसटी 45/ 2011 की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम गुलाम हैदर की अदालत ने आरोपी पंकज कुमार उर्फ अजय मंडल (35 वर्ष, पिता काली सुंडी) बेकोवार निवासी को डकैती की योजना बनाने एवं आर्म्स एक्ट का दोषी पाते हुए 6 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने 399 भादवि के तहत दोषी पाते हुए 6 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 3 हजार जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वही न्यायालय ने 402 भादवि के तहत दोषी पाते हुए 5 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथ ही 3 हजार जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। न्यायालय ने आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पातें हुए तीन वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई साथ ही 2 हजार जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दो माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। तत्कालीन तिलैया थाना प्रभारी राजीव रंजन सिंह को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग घूमो कालीमंडा के निकट आर्म्स के साथ डकैती की योजना बना रहे हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए राजीव रंजन सिंह ने पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे। पुलिस ने खदेड कर इसे पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से देसी रिवाल्वर एवं गोली बरामद हुआ जिसे थाना प्रभारी के लिखित बयान पर मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया था। अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी पीके मंडल ने किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता मंटू सिंह ने दलीलें पेश की।

एड्स दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल, कोडरमा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पारा लीगल वोलंटियर मोनिका कुमारी ने कहा कि एड्स पीड़ितों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए वे सभी अधिकार प्राप्त है जो आम लोगों को प्राप्त है। एड्स मरीजों को दवा से ज्यादा प्रेम और सहानुभूति की जरुरत है। उन्होंने कहा कि एड्स के प्रति जागरूकता ही इससे बचाव का सबसे बड़ा उपाय है। उन्होंने कहा कि प्राधिकार एड्स पीड़ितों की हर प्रकार सहायता करने को कृत संकल्पित है। पारा लीगल वोलंटियर नेहा सिन्हा ने कहा कि एड्स पीड़ितों को उनकी हर संभव सहायता के लिये सदर अस्पताल में स्थायी रूप से एड्स कंट्रोल सोसायटी की व्यवस्था की गई है जहाँ उन्हें जागरूक करने की सारी व्यवस्था की गई है। पारा लीगल वोलंटियर सुभाष मिस्त्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाकर एड्स जैसी जानलेवा एवं खतरनाक बीमारी को फैलने से रोका जा सकता है। मौके पर न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह, प्रियंका कुमारी, रविन्द्र कुमार सहित स्वस्थ्य कर्मी एवं ग्रामीण क्षेत्र के अन्य लोग उपस्थित थे।

बड़की चाँपि पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय खबर

कुडू: आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन कुडू प्रखण्ड के बड़की चाँपि पंचायत में आयोजित किया गया। आज यह कार्यक्रम बड़की चाँपि पंचायत के कुंडगड़ा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रांगण में हुई।इस कार्यक्रम में अतिथियो के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।इस मौके पर जे एस एल पी एस के दीदियों के द्वारा अतिथियो को बुके देकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में लाभुकों के बीच बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, आयुष्मान कार्ड, कंबल वितरण योजना,जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्रों,जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्रों का वितरण सहित कई सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सभी विभागों द्वारा अपने-

अपने स्टॉल लगाये गये थे। जिसमें ग्रामीणों द्वारा अबुआ आवास योजना, सावित्रीबाई फुले, आयुष्मान कार्ड समेत अन्य योजनाओं के आवेदन प्राप्त हुए।इस मौके पर पूरे पंचायत से सात सौ से अधिक अबुआ आवास योजना का आवेदन जमा किया गया। इस कार्यक्रम में नुक्कड़-नाटक कला दल के कलाकारों द्वारा डायन प्रथा उन्मूलन, बेटी की शिक्षा समेत अन्य जागरूकता के कार्यक्रम किये गये। इस मौके पर सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर बड़की चाँपि के छात्राओ के द्वारा कई मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

इस मौके पर छात्राओ को बड़की चाँपि पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी के द्वारा पुरुस्कार देकर समान्नित किया गया।आज के कार्यक्रम में बड़कीचांपी पंचायत में जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत,जिला नोडल पदाधिकारी अनुरंजन झा एवं प्रमोद कुमार गुप्ता , कुडू प्रखंड प्रमुख मुनि देवी, कुडू प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रवेश कुमार साव,कुडू अंचलाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह,एपीआरओ आशीष कुमार, प्रखंड उप प्रमुख ऐनुल अंसारी,बीइओ जयमंगल लोहार, सी आई अनंत शयनं विश्वकर्मा,कुडू प्रखंड पूर्व प्रमुख परिखा मुंडा,जेएमएम नेता सनजय तुरी एवं मो अफरोज, आवास समन्यवक राजेश गुप्ता,प्रभारी कल्याण पदाधिकारी अवध किशोर प्रसाद,प्रभारी कृषि पदाधिकारी सुनील चंद्र कुंवर, ,बड़की चाँपि पंचायत के मुखिया राजधन भगत, उप मुखिया हेना तिवारी, बड़की चाँपि पंचायत के वार्ड सदस्य सुनील मुंडा,परमेश्वर उराँव,गीता भगत,अनिता लकड़ा,सुनीता देवी, जसमनी उराँव,आलोमनी देवी, शिवशंकर भगत,जैनुल अंसारी, प्रण महतो,बीटीएम ज्ञान साहू, अंचल के सहायक तरुण कुमार सिंह एवं सूरज कुमार,सीडीपीओ कार्यालय के सुपरवाइजर किरण माला, ए ई विशाल मिंज, अंचल कर्मी दिलीप कुमार,कुर्बान,सुजीत कुमार,पंचायत सचिव जितबाहन उराँव,सलगी पंचायत की उप मुखिया किस्मती देवी, राजस्व उप निरीक्षक मनीष चंद्र उराँव, आदिवासी छात्र संघ कुडू अध्यक्ष अमित उराँव,अनूप उराँव, भूपाल पाठक,लाल अशोक नाथ सहदेव, रोजगार सेवक मो.असदुल्ला, ग्राम प्रधान,एतवा उराँव,अम्बिका भगत,हरिश्चन्द्र उराँव, प्रदान के देवेंद्र कुमार,लक्ष्मी उराँव समेत कईप्रखंड सह अंचल के कर्मी पदाधिकारी सहित कई लोग उपस्थित थे।इस मौके पर जिला परिसद अध्यक्ष ने कहे कि सरकार के द्वारा यह सरकार आपके द्वार कार्यक्रम काफी जनउपयोगी है,आप सभी लोग अपना समस्या का समाधान इस शिविर के माध्यम से करवाये।

80 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं को सम्मानित किया

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को उनके घर जाकर सम्मानित किया। प्रखंड कार्यालय की ओर से प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर दीपक कुमार रजक, पंचायत सचिव अंजू कुमारी एवं बिंदु कुमारी उपस्थित रहे। साथ ही बीएलओ रूपा देवी, अनीता देवी, ममता सिंह, खुशबू देवी, सुनीता देवी, कंचन देवी सहित कई लोग मौजूद थे। सम्मानित होने वालों में सावित्री देवी, रामेश्वर मोदी, चूल्हन सिंह, होरिल राम, भूदेव नाथ पांडेय, सोमर साव, असगर खान, सोहवा देवी, कमला देवी, मथुरा राम सहित कई लोगों को कंबल एवं पुष्प देकर सम्मानित किया। वहीं पंचायती राज पदाधिकारी बीरेन्द्र कुमार ने बताया कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की सूची बनायी गयी है।

न्यूज फटाफट

रांची विश्वविद्यालय ने एलएन मिथिला को 6 -0 से रौंदा

रांची : रांची विश्वविद्यालय टीम ने आज संबलपुर में खेले गए पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल लीग में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा को 6- 0 से पराजित कर अपना विजय अभियान जारी रखा रांची की टीम ने आज शानदार खेल का प्रदर्शन एक बार फिर दर्शकों को मन मोह लिया रांची की इस जीत में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अष्टम उरांवऔर अनिता कुमारी के दो-दो गोल उल्लेखनीय रहे जबकि अलीशा तिग्गा और कुसमा ने 1-1गोल किया रांची विश्वविद्यालय का अगला मुकाबला कल खेला जाएगा।

मिनी एनआरसी ने न्यू टेक ए डिवीजन लीग में एसएन चौहान स्पोर्टिंग क्लब को छह विकेट से हराया

रांची: मिनी एनआरसी ने न्यू टेक ए डिवीजन लीग में गुरुवार को एसएन चौहान स्पोर्टिंग क्लब को छह विकेट से हरा दिया। ईस्ट कुमारधुबी मैदान में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एसएन चौहान स्पोर्टिंग क्लब की टीम 26.4 ओवर में 133 रनों पर आउट हो गई। चेतन सोनी ने 37, रवि रजवार ने नाबाद 27 और अभी शुक्ला ने 20 रन बनाए। मिनी एनआरसी के महमूद अंसारी ने 45 पर पांच, आकाश हाड़ी ने 25 पर दो और शोएल अख्तर ने 14 पर दो विकेट लिए। बाद में मिनी एनआरसी ने जुनैद नूर के नाबाद 39, शुभम नारायण पाठक के 32, परमजीत हजारी के 26 और अनिरुद्ध माथुर के 18 रनों की मदद से 26.3 ओवर में चार विकेट पर 136 रन बनाकर मैच जीत लिया। कमलेश यादव ने 22 पर दो विकेट लिए। धर्म मिश्रा एवं सौरव गोराई को एक-एक विकेट मिला।

सांसद विजय हांसदा ने किया राष्ट्रीय ट्रैक साइक्लिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ!

रांची:भारतीय साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया एवम झारखंड साइकलिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में सिदो कान्हु वेलोड्रम स्टेडियम खेलगांव रांची में 75वां सीनियर महिला एवम पुरुष ,52वा जूनियर ,38वा सब जूनियर बालक एवम बालिका राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप का विधिवत शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि विजय हांसदा सांसद राजमहल लोकसभा क्षेत्र एवम विशिष्ट अतिथि साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल सरदार मनिंदर सिंह पाल, नीरज तंवर स.स सुदीश कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया गया। इस प्रतियोगिता में देश भर के लगभग 700 साइकिल राइडर भाग ले रहे हैं। सांसद विजय हांसदा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय ट्रेक साइकलिंग प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड में होना गर्व की बात है। भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का भी आयोजन झारखंड में किया जाएगा। आयोजन सचिव शैलेंद्र कुमार पाठक ने आयोजन हेतु सभी तकनीकी पदाधिकारीयों, खिलाड़ियों एवम सभी सहयोगकर्ता को धन्यवाद दिया। उद्घाटन समारोह में जेएसएसपीएस की बालक बालिका टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई । वहीं झारखंड आवासीय विद्यालय जामताड़ा की बालिका बैंड टीम ने अपने मनमोहक बैंड धुन से सबका मन मोह लिया। उक्त कार्यक्रम में में मुख्य रूप से अम्लान कुसुम सिन्हा, चंदन तिवारी, एसके पांडे, के. के. सिंह! कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन झारखंड साइकलिंग संघ के उपाध्यक्ष सुजीत कुमार, कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश कुमार यादव, दिलीप गुप्ता, जीतेंद्र महतो, सलिल कुमार, चंद्र बहादुर सिंह, राजकुमार मेहता, सोमित्रों बोराल, सतविंदर कौर, अनीता कुमारी, मो0 दानिश, प्रदीप रजक, आदि का योगदान रहा।

टी20 मैच

अंतर्राष्ट्रीय मैच के आयोजन से अंदर का हाल पता चला

अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में बिजली बिल बकाया

- अस्थायी कनेक्शन हासिल किया गया
- विकल्प के तौर पर जेनरेटर लाये गये
- स्थानीय प्रशासन पर उपेक्षा का भी आरोप

राष्ट्रीय खबर

रायपुर: शुक्रवार शाम भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टी20 मैच के आयोजन स्थल छत्तीसगढ़ के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम को राज्य खेल विभाग की ओर से लगातार उपेक्षा का सामना करना पड़ रहा है। यह विभाग इस महत्वपूर्ण खेल सुविधा के रखरखाव के संबंध में अक्सर अन्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपता है। स्थिति उस गंभीर बिंदु पर पहुंच गई है जहां 3.16 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया के कारण बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण हाल ही में एक अस्थायी बिजली कनेक्शन प्राप्त किया गया था। स्टेडियम के रखरखाव के लिए जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और छत्तीसगढ़ खेल विभाग सहित विभिन्न राज्य विभागों के इस दृष्टिकोण ने राज्य की अधिक आईसीसी मैचों को सुरक्षित करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न की है। 21 जनवरी को न्यूजीलैंड और भारत के बीच शुरूआती आईसीसी वनडे के बाद, ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच ळ20क एसवीएनएस स्टेडियम में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय मैच होगा, जिसे 2011-12 में प्रमुख मैचों की मेजबानी के लिए तैयार किया गया था।

पहले, जब छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ (सीएससीएस) महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करता था, तो छत्तीसगढ़ का खेल विभाग प्रति दिन 3 लाख रुपये का शुल्क लेता था। बिजली बिल चुकाना इसी विभाग की जिम्मेदारी है. हालाँकि, पिछले पाँच वर्षों से यह जिम्मेदारी कहीं और स्थानांतरित कर दी गई है। अस्थायी कनेक्शन की बहाली के बावजूद, सीएससीएस ने आपातकालीन स्थितियों के लिए जनरेटर की व्यवस्था की है। फ्लडलाइट में मैच आयोजित करने के लिए 1000 किलोवाट का बिजली कनेक्शन जरूरी है। विशेष रूप से, स्टेडियम-व्यापी प्रकाश व्यवस्था और एयर कंडीशनिंग के लिए, न्यूनतम 435 किलोवाट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। हालांकि फ्लडलाइट के लिए 600 किलोवाट बिजली की जरूरत होगी, जिसके लिए सीएससीएस ने करीब 1.44 करोड़ की लागत से जेनरेटर खरीदे हैं।

स्टेडियम का बिजली बिल लगभग पांच वर्षों से बकाया है, जिसके परिणामस्वरूप बिजली विभाग ने 2018 में आपूर्ति काट दी। बिल भुगतान के विवाद में छत्तीसगढ़ क्रिकेट एसोसिएशन, पीडब्ल्यूडी विभाग और खेल विभाग शामिल हैं। सीएससीएस ने राज्य विभागों से स्टेडियम का स्वामित्व उन्हें हस्तांतरित करने का आग्रह किया है, जिससे बीसीसीआई से संबद्ध खेल निकाय को इसे पूरी तरह से प्रबंधित करने की अनुमति मिल सके। हालाँकि, पीडब्ल्यूडी और खेल विभाग इस मुद्दे पर ध्यान देने से बचते रहे हैं।

इस बीच, सीएससीएस ने कहा है कि बिजली से संचालित होने पर प्रकाश व्यवधान और दुर्घटनाओं की आशंका के कारण फ्लडलाइट जनरेटर के माध्यम से निर्बाध रूप से काम करती रहेंगी। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, फ्लडलाइटों को जनरेटर द्वारा संचालित किया जा रहा है। एक बार बंद होने के बाद फ्लडलाइट को दोबारा चालू करने में लगभग आधा घंटा लगता है। इसके अतिरिक्त, जनरेटर बिजली से स्वचालित कनेक्शन बनाए रखेगा। रायपुर ग्रामीण मंडल प्रभारी अशोक खंडेलवाल ने बताया कि सचिव क्रिकेट एसोसिएशन ने स्टेडियम के अस्थाई कनेक्शन की क्षमता बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। वर्तमान में अस्थाई कनेक्शन की क्षमता 200 केवी है। इसे एक हजार केवी में अपग्रेड करने का आवेदन स्वीकृत हो चुका है, लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हुआ है. 2018 में बिजली कनेक्शन कटने के बाद से स्टेडियम में तीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित किए जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ (सीएससीएस) जो वर्तमान में स्टेडियम का प्रबंधन करता है, ने कहा कि बिजली विभाग को उनका कोई भुगतान नहीं है। सीएससीएस के अध्यक्ष जुबिन शाह ने कहा, हम सीएससीएस के आने से पहले उस विभाग के पिछले बकाया पर टिप्पणी नहीं कर सकते, जिसके अधीन स्टेडियम था। वह संबंध जहां बकाया हो सकता है वह संबंधित सरकारी विभाग के नाम पर था।

हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में जर्मनी ने भारत को हराया

एजेंसियां

सैंटियागो : एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्वकप में शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले में जर्मनी के हाथो भारत को 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। चिली के सैंटियागो में आज खेले गये मुकाबले में भारत की ओर से अन्नु ने 11वें मिनट में, रोपनी कुमारी ने 14वें मिनट में और मुमताज खान ने 24वें मिनट में गोल किये। वहीं जर्मनी की ओर से सोफिया श्वाबे ने 17वें मिनट में, लौरा प्लथ ने 21वें और 36वें मिनट में और कैरोलिन सेइडेल ने 38वें मिनट में गोल दागे। भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबाव बनाते हुए जर्मनी की रक्षापंक्ति पर हमले जारी रखे। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढ़त 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिए सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल किया और लौरा ने दूसरा गोल दाग कर स्कोर को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3-2 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में लौरा ने 36वें मिनट में गोल कर जर्मनी को फिर बराबरी पर ला दिया। कैरोलिन ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके जर्मनी को मैच में बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया लेकिन दोनों टीमे गोल करने में विफल रही। शनिवार को भारत का मुकाबला बेल्जियम से होगा।

डॉमिनिका ने टी-20 विश्वकप की मेजबानी से पीछे हटा

एजेंसियां

रुसाउ : कैरेबियाई देश डॉमिनिका तय समय में जरूरी निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के हवाला देते हुए टी-20 विश्वकप 2024 के मैचों की मेजबानी से पीछे हट गया है। डॉमिनिका सरकार के यहां जारी बयान में कहा, ''हमें ठेकेदारों से जो समयसीमा मिली थी, उसके अनुसार हम तय समय पर स्टेडियम के निर्माण कार्यों को पूरा नहीं करा सकते थे। इसलिए हम टी-20 विश्व कप मैचों की मेजबानी से पीछे हट रहे हैं। यह फैसला सभी लोगों के हित में है। हम क्रिकेट वेस्टइंडीज को धन्यवाद और विश्वकप की मेजबानी के लिए शुभकामना भी देना चाहते हैं।'' क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भी डॉमिनिका सरकार के इस फैसले को स्वीकार किया है और आईसीसी को इसकी जानकारी दी है। टी-20 विश्व कप के टूर्नामेंट डायरेक्टर फवाज बख्श ने कहा, ''जब बड़े पैमाने पर आप कोई टूर्नामेंट आयोजित करते हो तो ऐसी परिस्थितियों का आना अवश्यंभावी है। हमारे पास प्लान बी है और हम उसको लागू करने की प्रयास करेंगे।'' उल्लेखनीय है कि टी-20 विश्व कप 2024 का आयोजन चार जून से 30 जून के बीच वेस्टइंडीज और अमेरिका में होना है। डॉमिनिका उन सात कैरेबियाई देशों में से एक जहां विश्वकप मैच होने थे।

खेल जगत अपडेट्स

वेस्टइंडीज के शेन डाउरिच ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एंटीगुआ : वेस्टइंडीज टीम के विकेटकीपर शेन डाउरिच ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। शेन डाउरिच को तीन दिसंबर से शुरू होने वाले इंग्लैंड एकदिवसीय मैचों के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया और क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने डाउरिच की जगह किसी अन्य नाम पर फैसला नहीं किया है, कप्तान शाई होप विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी

आईपीएल की नीलामी में विदेशी खिलाड़ियों पर नजर

नई दिल्ली : 2024 सीजन से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण का आखिरी दिन 30 नवंबर है। नीलामी 19 दिसंबर को होनी है और जिन खिलाड़ियों ने अपने संबंधित देशों के बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त कर लिया है, उनके पास खुद को पंजीकृत करने और नीलामी में शामिल होने का मौका पाने के लिए आज दिन के अंत तक ही समय है। पूल। ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता खिलाड़ियों के लिए 10 फ्रेंचाइज़ियों के बीच बोली युद्ध छिड़ने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल में शतक बनाने वाले ट्रैविस हेड जैसे बड़े नाम, कीवी बल्लेबाज रचिन रवींद्र और डेरिल मिशेल के अलावा हॉट प्रॉपर्टी में शामिल हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों के हवाले से क्रिकबज के अनुसार, स्टार्क से पांच आईपीएल फ्रेंचाइजी पहले ही संपर्क कर चुकी हैं। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स नीलामी से हट गए हैं. एक बार पंजीकरण की समय सीमा समाप्त होने के बाद, 10 फ्रेंचाइजी एक शॉर्टलिस्ट तैयार करने के लिए एक साथ काम करेंगी। उम्मीद है कि लगभग 70 खिलाड़ियों के नाम के आगे 'बिक गया' टैग होगा और लगभग 262.95 करोड़ रुपये हाथ में आएंगे।

68 वर्ष के हुए उदित नारायण

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड के जानेमाने पार्श्वगायक उदित नारायण आज 68 वर्ष के हो गये। उदित नारायण झा का जन्म नेपाल में एक दिसंबर 1955 को एक मध्यम वर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन के दिनों से ही उनका रुझान संगीत की ओर था और वह पार्श्वगायक बनना चाहते थे। इस दिशा में शुरुआत करते हुए उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पंडित दिनकर कैकिनी से हासिल की। उदित नारायण ने गायक के रूप में अपने करियर की शुरुआत नेपाल में आकाशवाणी से की जहां वह लोक संगीत का कार्यक्रम पेश किया करते थे। लगभग आठ वर्ष तक नेपाल के आकाशवाणी मंच से जुड़े रहने के बाद वह 1978 में मुंबई चले गये और भारतीय विद्या मंदिर में स्कॉलरशिप हासिल कर शास्त्रीय संगीत की शिक्षा लेने लगे। वर्ष 1980 में उदित नारायण की मुलाकात मशहूर संगीतकार राजेश रौशन से हुयी जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचान करके अपनी फिल्म 'उन्नीस बीस' में पार्श्वगायक के रूप में उन्हें काम करने का मौका दिया लेकिन दुर्भाग्य से यह फिल्म टिकट खिड़की पर बुरी तरह नकार दी गयी। दिलचस्प बात है कि इस फिल्म में उन्हें अपने आदर्श मोहम्मद रफी के साथ पार्श्वगायन का मौका मिला। लगभग दो वर्ष तक मुंबई में रहने के बाद वह पार्श्वगायक बनने के लिये संघर्ष करने लगे। आश्वासन तो सभी देते लेकिन उन्हें काम करने का अवसर कोई नहीं देता था। इस बीच उदित नारायण ने 'गहरा जख्म', 'बड़े दिल वाला', 'तन बदन', 'अपना भी कोई होता' और 'पत्तों की बाजी' जैसी बी और सी ग्रेड वाली फिल्मों में पार्श्वगायन किया लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई खास फायदा नहीं पहुंचा।

ग्लोबल म्यूजिक आइकन किंग का गाना 'मान मेरी जान' ने इतिहास रचा

एजेंसियां

मुंबई : ग्लोबल म्यूजिक आइकन किंग का गाना 'मान मेरी जान' ने इतिहास रच दिया है और उनका यह गाना स्पॉटिफाइ पर सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला गाना बन गया है। किंग इन दिनों अपने 'टुबॉर्ग ज़ीरो पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर प्रेजेंट्स किंग न्यू लाइफ इंडिया टूर 2023' में व्यस्त हैं, जिसे बेंगलुरु, जयपुर और कोलकाता में शानदार प्रतिक्रिया मिली है। वहीं किंग का एक गाना ऐसा भी है जिसने अब इतिहास रच दिया है।एल्बम 'शैंपेन टॉक' से किंग का लव सांग 'मान मेरी जान' साल का सबसे ज्यादा स्ट्रीम किया जाने वाला गाना बनकर उभरा है। 275 मिलियन से अधिक बार बजने के साथ, यह स्पॉटिफ़ाइ पर भारत में सबसे अधिक स्ट्रीम वाला गाना बन गया है। किंग ने कहा, मुझे सचमुच यकीन नहीं हो रहा है। एक कलाकार के रूप में, यह मेरे दर्शकों का प्यार है जो मुझे उनके लिए सिर्फ और सिर्फ बेहतरीन संगीत बनाने के लिए प्रेरित करता है। उनका बेहद प्यार और सपोर्ट मान मेरी जान को इतना खास बनाने में महत्वपूर्ण रहा है।

चांदनी सिंह की फिल्म हम नहीं सुधरेंगे का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : अभिनेत्री चांदनी सिंह की आने वाली फिल्म हम नहीं सुधरेंगे का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। निर्माता आनन्द रूंगटा की फिल्म हम नही सुधरेंगे का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज कर दिया गया है,जिसमें अभिनेत्री चादनी सिंह अपने माथे पर रखी टोकरी में कुछ लोगों को उठाए लेकर जा रही हैं। निर्माता आनन्द रूंगटा ने फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को लेकर कहा कि जब हमने फिल्म की परिकल्पना की थी तभी हमने सोंच लिया था कि कहीं से भी इसको कॉपी पेस्ट जैसा नहीं रखेंगे , हम ऑरिजनल कन्टेन्ट लेकर आएंगे और कुछ नया करेंगे तो फिर हम पोस्टर पर किसी अन्य को कैसे कॉपी कर सकते हैं । निर्देशक सुनील मांझी ने कहा कि हमने यूनिक कॉन्सेप्ट लिया है तो इसके फर्स्ट लुक को भी यूनिक रखना ही हमारा कर्तव्य था। इसको देखकर आप फिल्म की कहानी के बारे में सिर्फ प्रिडिक्शन कर सकते हैं, वास्तविकता के लिए आपको फिल्म के रीलीजिंग का इंतज़ार तो करना ही पड़ेगा ।

सलमान खान के साथ ही वांटेड बनाना चाहते थे : बोनी कपूर

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड फिल्मकार बोनी कपूर का कहना है कि वह फिल्म वांटेड सलमान खान को लेकर हीं बनाना चाहते थे। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो, झलक दिखला जा में 'बोनी कपूर स्पेशल' एपिसोड होगा। इसमें बोनी कपूर की प्रतिष्ठित फिल्मों के कुछ चार्ट-टॉपिंग गानों की धुन पर शानदार परफॉर्मेंस के साथ डांस फ्लोर चमक उठेगा। झलक दिखला जा शो में मेहमान के तौर पर पहुंचे बोनी कपूर ने बताया कि कैसे उन्होंने सलमान खान को फिल्म वांटेड करने के लिए राज़ी किया था। बोनी कपूर ने कहा,फिल्म वांटेड 2009 में रिलीज़ हुई थी और हमने इसे 2007 में बनाना शुरू किया था। मुझे यकीन था कि इससे फिल्म निर्माण में एक्शन वापस आ जाएगा। क्योंकि उस दौर में सिर्फ रोमांटिक, पारिवारिक ड्रामा ही बन रहे थे और एक्शन कहीं गायब हो गया था। जितना मैं समझता हूं, जनता को एक्शन फिल्म से सबसे बड़ी खुशी मिल सकती है। बोनी कपूर ने बताया,जब मैंने फिल्म वांटेड की शुरुआत की, तो मैंने फैसला किया कि मैं इसे बनाऊंगा, और इसे केवल सलमान खान के साथ ही बनाने का निर्णय लिया। इसके अलावा, जब हमने इसके अधिकार लिए, तब मूल फिल्म तेलुगु में महेश बाबू के साथ बन रही थी। मैं फिल्म देखने के लिए सलमान के पीछे पड़ गया। प्रीव्यू तय किया गया था, लेकिन फिर शूटिंग आगे बढ़ जाने के कारण इसे रद्द कर दिया गया। दूसरे दिन भी वैसा ही हुआ। फिर तीसरे दिन मैं उनके पास गया और कहा, सलमान, मैं इसके बाद कभी नहीं आऊंगा। यदि आपको यह फिल्म पसंद नहीं आई तो मैं आपको कभी दूसरी फिल्म ऑफर करने की कोशिश भी नहीं करूंगा। आप बस आइए और ये फिल्म देखिए। इसलिए वह फिल्म देखने के लिए रात 12 बजे आए। और जब फिल्म खत्म हुई, तो वह बिना कुछ कहे चले गए, कार के पास गए और बस मुझे 'थम्स अप' दिखाया और मुझे पता चल गया कि वह यह फिल्म करेंगे। और उसके बाद, यह 'जलवा ही जलवा' था झलक दिखला जा हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होता है।

पृथ्वीराज की फिल्म 'आदुजीविथम' 10 अप्रैल 2024 को होगी रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : दक्षिण भारतीय सिनेमा के जानेमाने अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'आदुजीविथम' 10 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी। ब्लेसी द्वारा निर्देशित और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत फिल्म आदुजीविथम 10 अप्रैल 2024 को रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर पृथ्वीराज सुकुमारन ने वीडियो शेयर करते हुये लिखा,सबसे बड़ा सर्वाइवल एडवेंचर। एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी. असाधारण रहस्योद्घाटन का गवाह बनें। यह फिल्म यह फिल्म बेन्यामिन द्वारा लिखे गए इसी नाम के मलयालम उपन्यास का रूपांतरण है। यह फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी।

कैटरीना कैफ को पसंद आयी पति विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर

एजेंसियां

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ को अपने पति विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर बेहद पसंद आयी है। देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर फिल्म सैम बहादुर बनायी गयी है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल ने निभाया है। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलज़ार ने किया है। इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म आज रिलीज हो गयी है। विक्की कौशल की पत्नी कैटरीना कैफ को सैम बहादुर पसंद आयी है। कैटरीना ने इंस्टाग्राम पर सैम बहादुर का एक पोस्टर शेयर करते हुए लंबा कैप्शन लिखा है। कैप्शन में कैटरीना कैफ ने लिखा, सैम बहादुर, मेघना गुलज़ार इतनी काव्यात्मक खूबसूरत क्लासिक फिल्म है, जो हमें दूसरे युग में ले जाती है।

प्रदेश ›› अपडेट

कार पलटने से दो युवकों की मौत

भोपाल : मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के एम पी नगर थाना क्षेत्र के शिवाजी नगर में एक तेज रफ्तार कार के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार दो युवकों की मौत हो गयी और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार कल देर रात्रि एक कार तेज गति से जा रही थी, तभी एक ब्रेकर आ जाने के चलते कार अनियंत्रित होकर पलट गयी।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

फिर शानदार बहुमत हासिल करने जा रही है भाजपा : शिवराज

ग्वालियर : मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं ने भारतीय जनता पार्टी का लोगों के मन में एक अलग ही स्थान बनाया है और पार्टी फिर से शानदार बहुमत पाने जा रही है। चौहान पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा का स्वागत करने यहां आए थे। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि नड्डा के नेतृत्व में भाजपा लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन जन के मन में हैं। उनका स्नेह प्रदेश को मिलता रहा है। डबल इंजन की सरकार में राज्य ने बहुत प्रगति की है। गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, नड्डा का मार्गदर्शन, पार्टी कार्यकर्ताओं का अनथक परिश्रम और जनता के अपार प्रेम की बदौलत पार्टी फिर जीत हासिल करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं ने पार्टी का एक अलग स्थान लोगों के मन में बनाया है। लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं की जिंदगी बदल दी है। इस चुनाव में भाजपा फिर शानदार बहुमत पाने जा रही है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर : दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में गुरुवार शाम हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी। पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त होने के बाद पुलवामा के अरिहल गांव में संयुक्त बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया जिस दौरान आतंकियों से उनकी मुठभेड़ हुई। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ''तलाशी अभियान के दौरान, जैसे ही संयुक्त तलाशी दल संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ा, तो वहां पर छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चलाना शुरू कर दिया, जिसका सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाब दिया गया और मुठभेड़ शुरू हो गया। इस मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और तलाशी अभियान अभी तक जारी है।''

धनखड़ ने दी नागालैंड स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली : उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी है। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने शुक्रवार को यहां जारी एक संदेश में कहा कि नागालैंड में परंपरागत और आधुनिकता का मिश्रण है। नागालैंड हमारे देश की विविधता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, '' नागालैंड के लोगों को राज्य की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं। नागालैंड की संस्कृति देश की प्रगति, मजबूती और सदभाव में योगदान देती रहेगी।''

जम्मू-कश्मीर में बारिश

श्रीनगर : केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को हुई बारिश और हिमपात के बाद शुक्रवार को मौसम में सुधार दिखाई दिया और आगे मौसम शुष्क रह सकता है।

सुरक्षा

अमेरिका इसराइल पर दबाव डाल रहा है

दक्षिणी गाजा से नागरिकों को हटने का मौका दे इजरायल : अमेरिका

›› इजरायली अधिकारी सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर रहे हैं

राष्ट्रीय खबर

जेरूशलम: अमेरिका इसराइल पर दबाव डाल रहा है कि अगर इसराइल दक्षिणी गाजा पर हमला करता है तो वह नागरिकों को रास्ते से हटा दे। कई अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, बिडेन प्रशासन के अधिकारी अपने इजरायली समकक्षों के साथ इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि जब हमास के साथ लड़ाई में विराम अंततः समाप्त हो जाता है, तो दक्षिणी गाजा में भाग गए हजारों नागरिकों की सुरक्षा कैसे की जाए, अगर इजरायल रक्षा बल इस क्षेत्र को निशाना बनाते हैं। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि जिन कई विकल्पों पर अमेरिकी और इजरायली अधिकारी सक्रिय रूप से विचार-विमर्श कर रहे हैं, उनमें युद्ध की शुरूआत में दक्षिण की ओर गए नागरिकों को वहां सैन्य अभियान समाप्त होने के बाद वापस उत्तर की ओर ले जाना शामिल है। जबकि उत्तरी गाजा का अधिकांश भाग पहले ही लड़ाई और हवाई हमलों से नष्ट हो चुका है, इजराइल ने स्पष्ट कर दिया है कि वह वहां अपने सैन्य अभियान समाप्त करने पर तुला हुआ है। अब तक आईडीएफ ने विस्थापित फिलिस्तीनियों को दक्षिण से लौटने के खिलाफ चेतावनी दी है। स्वतंत्र शोधकताओं के उपग्रह विश्लेषण के अनुसार, नागरिकों को उत्तर की ओर वापस ले जाना एक महत्वपूर्ण मानवीय चुनौती का प्रतिनिधित्व करेगा, क्योंकि उत्तरी गाजा में अनुमानित आधी संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

यह चुनौती उन प्रमुख कारणों में से एक है जिनकी वजह से अमेरिकी अधिकारी उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता में वृद्धि देखने के इच्छुक हैं। कई अमेरिकी अधिकारियों ने भी दक्षिण में ऐसे क्षेत्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया है जिन्हें स्पष्ट रूप से नागरिकों के लिए संरक्षित माना जाता है। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, इजरायल द्वारा दक्षिणी गाजा में अपने सैन्य अभियानों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू करने की एक बड़ी वजह यह है कि खुफिया जानकारी से पता चलता है कि हमास नेतृत्व उस क्षेत्र में भाग गया है। उस अधिकारी ने यह नहीं बताया कि यह अमेरिकी या इजरायली खुफिया जानकारी थी।

निजी तौर पर, बिडेन प्रशासन के अधिकारी - जिनमें स्वयं राष्ट्रपति जो बिडेन भी शामिल हैं - अपने इजरायली समकक्षों से कह रहे हैं कि वे आईडीएफ को युद्ध में पहले से किए गए हवाई हमलों को फिर से शुरू होते नहीं देखना चाहते हैं, जिसके कारण बड़े पैमाने पर हताहत हुए और बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इसके बजाय, इजराइल को अपने लक्ष्यीकरण में अधिक सतर्क, अधिक सावधान, अधिक विचारशील और अधिक सटीक होना चाहिए। हालाँकि यह स्पष्ट नहीं है कि इजराइल अंततः सहमत होगा या नहीं, कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने आशावाद व्यक्त किया कि इजराइल कम से कम ऐसे विचारों पर विचार करने के लिए ग्रहणशील है। प्रशासन के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ऐसी समझ है कि उत्तर की तुलना में दक्षिण में एक अलग तरह का अभियान चलाया जाना चाहिए।

फिनलैंड ने रूस के साथ पूरी सीमा बंद कर दिया

राष्ट्रीय खबर

हेलसिंकी: रूस से भागकर लोगों के लगातार आने की वजह से अपनी प्रवासन संबंधी चिंताओं के कारण रूस के साथ अपनी पूरी सीमा को बंद करने की योजना लागू कर दी। फिनलैंड ने मास्को पर प्रवासियों को फि निश सीमा की ओर भेजने का आरोप लगाया है। सरकार ने कहा कि फिनलैंड नॉर्डिक राष्ट्र में शरण चाहने वालों के प्रवाह को रोकने के लिए अगले दो सप्ताह के लिए रूस के साथ अपनी पूरी सीमा यात्रियों के लिए बंद कर देगा। फिनलैंड ने पिछले सप्ताह रूस से आने वाले यात्रियों के लिए अपनी शेष सीमा चौकियों में से एक को छोड़कर सभी को बंद कर दिया, केवल आर्कटिक में स्थित सबसे उत्तरी क्रॉसिंग को खुला रखा। लेकिन यह भी अब बंद हो जाएगा, केवल माल परिवहन की अनुमति होगी, सरकार ने कहा।

फि निश बॉर्डर गार्ड के अनुसार, केन्या, मोरक्को, पाकिस्तान, सोमालिया, सीरिया और यमन सहित देशों के लगभग 900 शरण चाहने वालों ने नवंबर में रूस से फिनलैंड में प्रवेश किया है, जो पहले प्रति दिन एक से भी कम की वृद्धि है। इस फैसले का मतलब है कि दोनों देशों के बीच केवल माल ढुलाई ही गुजर सकेगी।

रूस के साथ अपनी सीमा पर सैनिकों की एकाग्रता की अनुमति देने के फिनलैंड के किसी भी कदम को मॉस्को एक खतरे के रूप में देखेगा, क्रेमलिन ने सीमा पर निगरानी रखने में हेलसिंकी की सहायता के लिए सैन्य सलाहकार प्रदान करने के पोलैंड के प्रस्ताव के जवाब में बुधवार को कहा। पोलिश राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो के निदेशक जेसेक सिविएरा ने फिनिश सीमा पर हाइब्रिड हमले के विरोध में मित्र देशों के समर्थन के आधिकारिक अनुरोध के जवाब में मंगलवार देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि पोलैंड सेना भेजेगा। बुधवार को फिनलैंड ने घोषणा की कि उसे पोलिश प्रस्ताव की जानकारी नहीं है। असाधारण रूप से बड़ी संख्या में शरण चाहने वालों को रोकने के प्रयास में, हेलसिंकी ने रूस के साथ अपनी पूरी 1,340 किमी लंबी सीमा को दो सप्ताह के लिए अवरुद्ध कर दिया है। हेलसिंकी का दावा है कि यह मॉस्को द्वारा योजनाबद्ध 'हाइब्रिड हमले' का परिणाम है, क्रेमलिन इस दावे पर विवाद करता है।

मध्यप्रदेश में कोई कांटे की टक्कर नहीं : शिवराज

भोपाल : मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कई एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत की ओर प्रदर्शित करने पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्य में कांटे की टक्कर जैसी कोई बात नहीं है और फिर एक बार भाजपा की सरकार बनना स्पष्ट हो रहा है। चौहान ने कहा कि वे पूर्व में भी कह चुके हैं कि प्रदेश में कांटे की टक्कर जैसी कोई बात नहीं है। जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति प्रेम, प्रधानमंत्री का नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा का मार्गदर्शन, पार्टी के कार्यकर्ताओं का अनथक परिश्रम, सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं और राज्य के विकास ने बता दिया है कि भाजपा की बहुमत से सरकार बनेगी।

देश विजन से चलता है, टेलीविजन से नहीं : कमलनाथ

एजेंसियां

भोपाल : मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में कई एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत की ओर प्रदर्शित करने पर पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं का आ''ान करते हुए कहा कि जनता मतगणना के बाद कांग्रेस सरकार पर मुहर लगाएगी और देश विजन से चलता है, टेलीविजन से नहीं। कमलनाथ ने कल रात एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को मैं उनका बल याद दिलाना चाहता हूं। आप लोग कांग्रेस की शक्ति हैं और आपकी मेहनत और समर्पण से ही जनता ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन में जमकर वोट डाला है। 3 दिसंबर को जब मतगणना शुरू होगी तो कांग्रेस की सरकार पर जनता की मोहर लग जाएगी।कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश विजन से चलता है, टेलीविजन से नहीं। बहुत से एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई दिखाई दी है जबकि कुछ एग्जिट पोल अन्य तरह की बात कर रहे हैं। किसी को भी इस सबसे अपना ध्यान भटकने नहीं देना है। अर्जुन की तरह निगाहें सिर्फ अपने लक्ष्य पर रखनी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपना पूरा ध्यान मतगणना के दिन पर लगाना है और यह सुनिश्चित करना है कि कांग्रेस को मिला एक-एक वोट सही से गिना जाए ।

मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में जमानत के लिए मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री इस मामले के सिलसिले में इस साल 26 फरवरी से जेल में हैं। उन्होंने शीर्ष अदालत के 30 अक्टूबर के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने से इनकार करने के शीर्ष अदालत के 30 अक्टूबर के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की है।याचिका 24 नवंबर को वकील विवेक जैन के माध्यम से दायर की गई थी। जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने 30 अक्टूबर को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था, विश्लेषण में कुछ ऐसे पहलू हैं जो संदिग्ध हैं.. 338 करोड़ के हस्तांतरण के संबंध में स्थानांतरण स्थापित किया गया है। हमने जमानत खारिज कर दी है। पीठ ने कहा था कि अगर आने वाले 6 महीनों में सुनवाई धीमी गति से आगे बढ़ती है तो वे इस अदालत का रुख कर सकते हैं। सिसौदिया इस साल 26 फरवरी से जेल में हैं। उनकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों द्वारा की जा रही है।

युद्ध संघर्ष

बीते दिन के दौरान मोर्चे पर कुल 73 युद्ध संघर्ष हुए

रूसी कमांड पोस्ट और भंडार नष्ट करने का दावा

राष्ट्रीय खबर

कियेब: बीते दिन के दौरान मोर्चे पर कुल 73 युद्ध संघर्ष हुए। रूस ने तीन मिसाइल हमले, 13 हवाई हमले और मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम से आठ बमबारी कीं। फेसबुक पर यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ, 29 नवंबर को 18:00 बजे तक की जानकारी दी थी। जनरल स्टाफ के अनुसार, रूस ने यूक्रेन पर के एच -31 गाइडेड मिसाइल और दो एस - 300 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों से हमला किया। हमलों में नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के रक्षा बलों की वायु सेना ने उन क्षेत्रों पर दो हमले किए जहां रूसी कर्मी, हथियार और सैन्य उपकरण केंद्रित थे, और दुश्मन के विमान भेदी मिसाइल प्रणालियों पर दो और हमले किए। रॉकेट फोर्सेज और आर्टिलरी की इकाइयों ने तीन कमांड पोस्ट, दो गोला-बारूद गोदामों और उस क्षेत्र पर हमला किया जहां दुश्मन के कर्मी, हथियार और सैन्य उपकरण केंद्रित थे।रक्षा बल खेरसॉन ओब्लास्ट में डीनिप्रो नदी के बाएं किनारे पर अपनी स्थिति बनाए हुए हैं। वे रूसियों को आग से नुकसान पहुंचाना जारी रखते हैं। कुपियांस्क मोर्चे पर, रूसियों ने सिंकिव्का के पास और खार्किव ओब्लास्ट में पेट्रोपावलिव्का के उत्तर-पूर्व और लुहान्स्क ओब्लास्ट में स्टेलमाखिव्का पर असफल हमले किए। रक्षा बलों ने इस मोर्चे पर छह हमलों को विफल कर दिया।लाइमन मोर्चे पर, यूक्रेनी रक्षकों ने लुहान्स्क ओब्लास्ट और टॉर्स्के, टर्नी और यमपोलिव्का, डोनेट्स्क ओब्लास्ट के पूर्व में सेरेब्रींका वन के पास 15 रूसी हमलों को विफल कर दिया। बखमुत मोर्चे पर, रूसियों ने इवानिव्स्के और एंड्रीव्का, डोनेट्स्क ओब्लास्ट के पास असफल हमले किए। अवदीवका मोर्चे पर, रूसियों ने, विमानन के समर्थन से, स्टेपोव, नोवोकालिनोव, नोवोबखमुतिवका के पूर्व, अवदीवका, टोर्नेके के दक्षिण, सिवेर्न और पेरवोमाइस्के, डोनेट्स्क ओब्लास्ट के पास असफल हमले किए, जहां रक्षा बलों ने 20 हमलों को विफल कर दिया। मारिंका मोर्चे पर, रूसियों ने, विमानन के समर्थन से, डोनेट्स्क ओब्लास्ट में नोवोमीखाइलिव्का के पास असफल हमले किए। रक्षा बलों ने वहां छह हमलों को नाकाम कर दिया। शेखटार्स्क मोर्चे पर, रूसियों ने डोनेट्स्क ओब्लास्ट में प्रीचिस्टिवका के दक्षिण में असफल हमले किए, जहां यूक्रेनी रक्षकों ने दो हमलों को विफल कर दिया।

जापोरीज़िया मोर्चे पर, रूसियों ने जापोरीज़िया ओब्लास्ट में रोबोटिन के पास अपनी खोई हुई स्थिति को बहाल करने के लिए पांच बार असफल प्रयास किया। इसके अलावा, यूक्रेनी सेना ने जापोरिज़िया ओब्लास्ट में वर्वोव के पश्चिम में पांच रूसी हमलों को नाकाम कर दिया।

न्यूज फटाफट

रूस ने अंतरराष्ट्रीय एलजीबीटी आंदोलन को प्रतिबंधित किया

मॉस्को : रूस ने अतरराष्ट्रीय एलजीबीटी आंदोलन पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा है कि यह एक चरमपंथी समूह है जिससे इस पर लंबी कार्रवाई आवशचक हो जाती है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा प्रचारित रूढ़िवादी रूझान, जिसे प्रायः पश्चिमी उदारवादी मूल्यों के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई के रूप में चित्रित किया जाता है, यह यूक्रेन में आक्रमण के बाद और तेज हो गया है। पत्रकारों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कल मॉस्को में फैसला सुनाया लेकिन पीठ ने यह नहीं बताया कि इस फैसले से कुछ व्यक्ति या संगठन प्रभावित होंगे या नहीं। न्यायाधीश ओलेग नेफेदोव ने फैसला सुनाया कि अंतरराष्ट्रीय एलजीबीटी सार्वजनिक आंदोलन और उसके उपखंड चरमपंथी हैं और रूस में इसकी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया। एक पत्रकार एडा ब्लेकवेल ने कहा,'' सुनवाई बंद कमरे में हुई और इसमें कोई बचाव पक्ष मौजूद नहीं था। अदालत के बाहर 10 से भी कम लोग जमा हुए थे। मुझे उम्मीद थी कि समर्थन दिखाने के लिए ज्यादा लोग आएंगे, लेकिन बहुत ही कम लोग आए। इससे पता चलता है कि एलजीबीटी लोगों से संबंधित किसी भी चीज़ के बारे में बात करने से लोग कितना डरे हुए हैं। न्यायाधीश ने कहा कि आदेश को तुरंत लागू किया जाना चाहिए हालांकि कुछ एनजीओ ने कहा कि इसे लागू करने में देरी होगी। एलजीबीटीक्यू अधिकारों के लिए काम करने वाले एनजीओ स्फीयर फाउंडेशन के संचार प्रमुख नोएल शाइदा ने कहा कि इससे एक बड़ी घबराहट उत्पन्न हो रही है, क्योंकि यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि इस प्रतिबंध के अंतर्गत किसपर मुकदमा चलाया जाएगा। अगर इसे व्यक्तियों पर लागू किया जाता है, तो चरमपंथी का मतलब है कि रूस में रहने वाले समलैंगिक, ट्रांसजेंडर या क्वीयर लोगों को वर्षों की जेल का सामना करना पड़ सकता है। यह रूस में इन समुदायों के अधिकारों की रक्षा करने वाले किसी भी समूह के आपराधिक अभियोजन का रास्ता भी खोलता है।

पाकिस्तान में पीएमएलएन जीती तो क्या नवाज बनेंगे प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद : पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि अगर उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतकर सत्ता में आती है तो वह चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। द न्यूज ने शरीफ के करीबी सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि शरीफ ने पार्टी स्तर पर नेतृत्व संबंधी जानकारी साझा नहीं की है वहीं उनके परिवार में अगर ऐसी कोई बात तय हुई है तो इसकी जानकारी पार्टी के ज्यादातर नेताओं को नहीं है। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि एक पार्टी के तौर पर पीएमएल-एन नेता शरीफ को चौथी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। उन्होंने कहा, ''पार्टी ने नवाज को चौथी बार प्रधानमंत्री बनाने का नारा अपनाया है। यह उन लोगों से बदला होगा जिन्होंने 2017 में शरीफ को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था।'' उन्होंने जोर दिया कि कहा कि पार्टी उन्हें चौथी बार प्रधानमंत्री बनायेगी और यह उन पर निर्भर होगा कि वे किसी भी समय इस्तीफा दें और किसी और को मुख्य कार्यकारी के रूप में नामित करें। दूसरी ओर अन्य राजनीतिक सूत्र इस बात पर आश्वस्त नहीं हैं कि अगर पीएमएल-एन चुनाव जीतता है, तो शरीफ फिर से प्रधानमंत्री बनने का विकल्प चुनेंगे या नहीं। प्रधानमंत्री पद के लिए शरीफ की संभावित पसंद के तौर पर शहबाज शरीफ और मरियम नवाज की भी चर्चा है। कई लोगों का मानना है कि मरियम अपनी अनुभवहीनता के साथ-साथ कुछ हलकों में अस्वीकार्यता के डर के कारण ऐसा नहीं कर पायेंगी, अलबत्ता मरियम को पंजाब में अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। वहीं शहबाज को अपने अनुभव का फायदा मिल सकता है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह सभी हितधारकों के साथ काम करना पसंद करते हैं।

फिलीपींस में दो यात्रियों सहित लापता विमान की तलाश जारी

मनीला : फिलीपींस ने उत्तरी इसाबेला प्रांत में एक लापता विमान की तलाश शुरू कर दी है, जिसमें पायलट सहित दो लोग सवार थे। फिलीपींस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएपी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थिर लैंडिंग गियर के साथ एकल इंजन वाले हल्के विमान ने सुबह स्थानीय समयानुसार 9:39 बजे उड़ान भरी। गुरुवार को विमान काउयान सिटी हवाई अड्डे से शहर के पूर्व में एक तटीय शहर पलानन की ओर जा रहा था। विमान को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:23 बजे पलानन में उतरना था। लेकिन रास्ते में ही संपर्क टूट गया। सीएएपी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने कहा कि एक खोज और बचाव दल ने विमान की अंतिम दर्ज स्थिति पर जाते हुए विमान के मार्ग के आसपास के क्षेत्रों की खोज शुरू कर दी है। अधिकारियों ने पहले बताया कि लापता विमान सेस्ना था।

पाकिस्तानी राष्ट्रपति का एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने के लिए जागरुकता का आह्वान

इस्लामाबाद : पाकिस्तानी राष्ट्रपति डॉ. आरिफ अल्वी ने मीडिया, प्रभावशाली लोगों और समुदायिक नेताओं सहित सभी हितधारकों से एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने हेतु इसके बारे में जागरुकता उत्पन्न करने का आह्वान किया। यह जानकारी डॉन न्यूज ने शुक्रवार को दी। राष्ट्रपति ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक संदेश में कहा, ''हमें एचआईवी संक्रमण की रोकथाम, निगरानी प्रणाली स्थापित करने, इस बीमारी से जुड़े कलंक को कम करने, स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और अपनी संस्थागत अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में अपने प्रयासों में तेजी लाने भी आवशचकता है।''

फिजी द्वीप समूह में 5.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग : फिजी द्वीप समूह क्षेत्र में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार रात 2320 बजे 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। यह जानकारी शुक्रवार को जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में भूकंप का केंद्र, 574.1 किमी की गहराई में, 18.00 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 178.11 डिग्री पश्चिम देशांतर पर निर्धारित किया गया।

आज का इतिहास

- 1804 : नेपोलियन बोनापार्ट की फ्रांस के सम्राट के तौर पर ताजपोशी की गई।
- 1848 : फ्रांस जोसेफ प्रथम ऑस्ट्रिया के सम्राट बने।
- 1911 : जॉर्ज पंचम और क्वीन मैरी भारत आने वाले ब्रिटेन के पहले राजा,रानी बनें। उनके बंबई (अब मुम्बई) आगमन की याद में ही गेटवे ऑफ इंडिया बनाया गया।
- 1942 : पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) में अरविंदो आश्रम स्कूल की स्थापना हुई जिसे बाद में अरविंदो इंटरनेशनल सेंटर ऑफ एजुकेशन के नाम से जाना गया।
- 1960 : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का जन्म।
- 1965 : सीमा सुरक्षा बल की स्थापना हुई
- 1971 : संयुक्त अरब अमीरात ने ब्रिटेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की।
- 1976 : फिदेल कास्त्रो क्यूबा के राष्ट्रपति बने।
- 1989 : विश्वनाथ प्रताप सिंह देश के सातवें प्रधानमंत्री बने।
- 1995 : बेरिंग्स बैंक कांड के चर्चित व्यक्ति निक लीसन को सिंगापुर के न्यायालय द्वारा साढ़े छह वर्ष की क़ैद की सज़ा।
- 1999 : भारत में बीमा क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को मंजूरी मिली।
- 2002 : प्रशान्त महासागर के बोरा-बोरा द्वीप में एक जलते यात्री जहाज़ 'विडस्टार' से 219 लोगों को सुरक्षित बचाया गया।
- 2006 : फिलीपींस में ज्वालामुखी का मलबा गिरने से 208 लोगों की मृत्यु तथा 261 लोग घायल।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र
प्रथम पृष्ठ 2
रांची शनिवार 12
web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rastriyakhabar.com
2:12:2023

सुखदेव भगत को अदालत से राहत मिली

रांचीः लोहरदगा के कांग्रेसी नेता सुखदेव भगत को एमपी एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। उनके खिलाफ एक सरकारी अधिकारी द्वारा सरकारी काम काज में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया था। चूंकि वह उस वक्त विधायक थे, इसलिए मामला इस अदालत में पहुंचा था। उच्च न्यायालय में इस मामले में सुनवाई के बाद अदालत ने उनके वकील की दलीलों को सुनने के बाद उन्हें जमानत दे दी है।

स्थापना दिवस

प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल, मेरु कैंप हजारीबाग (झारखंड) में 59वीं बीएसएफ स्थापना दिवस परेड का आयोजन

अपने शौर्य व सेवा की बदौलत ध्येय वाक्य जीवन पर्यंत कर्तव्य को चरितार्थ कर रहा है सीमा सुरक्षा बल : अमित शाह

राष्ट्रीय खबर

रांचीः 1 दिसंबर को सीमा सुरक्षा बल ने 59वें स्थापना दिवस के अवसर पर बीएसएफ प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल मेरु कैंप हजारीबाग (झारखंड) में औपचारिक परेड का आयोजन किया। इस अवसर पर सीमा प्रहरियों ने राष्ट्र और इसके आदर्श वाक्य ₹जीवन पर्यन्त कर्तव्य₹ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।झारखंड के हजारीबाग में पहली बार उत्साह और उल्लास के समृद्ध पारंपरिक माहौल में बीएसएफ स्थापना दिवस परेड का आयोजन किया गया है।माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में परेड की सलामी ली। परेड के दौरान, सीमा सुरक्षा बल की विभिन्न सीमाओं से आयी टुकड़ियों ने सीमा प्रहरियों की वीरता, गाथा और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए मार्च किया। परेड में महिला प्रहरी टुकड़ी, सजे-धजे अधिकारी और सैनिक, प्रसिद्ध ऊंट टुकड़ी और ऊंट बैंड, घुड़सवार टुकड़ियां, डॉग स्क्वाड और संचार टुकड़ी सहित 12 पैदल टुकड़ियों का मार्च पास्ट शामिल था। टीएसयू, सेनवॉस्टो, आईसीटी, एयर विंग और बीआईएएटी की झांकियां प्रदर्शित की गईं।

समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल अपने शौर्य और बलिदान की बदौलत ध्येय वाक्य ₹जीवन पर्यंत कर्तव्य' को चरितार्थ कर रहा है। बल के जवानों ने-0 डिग्री टेंपरेचर से लेकर 45 डिग्री टेंपरेचर के असामान्य हालात में भी असाधारण वीरता का परिचय देते हुए देश की सीमाओं की सुरक्षा कर रहा है। भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा भी बीएसएफ के पोस्ट के कारण सुरक्षित है।

पाक बांग्लादेश की दुर्गम सीमा पर प्रहरी की मुस्तैदी से दुश्मनों के नापाक इरादों को नाकाम किया है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल की सजकता की वजह से देश की सीमाएं सुरक्षित है। उन्होंने परेड के शानदार प्रदर्शन तथा भारत की पहली रक्षा पंक्ति के रूप में बीएसएफ की भूमिका की सराहना की। उन्होंने भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बीएसएफ के विभिन्न संरचनाओं और संस्थानों की उपलब्धियों पर भी जोर दिया। माननीय मुख्य अतिथि ने बल कर्मियों को वीरता के लिए पदक से सम्मानित किया। खेल और प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए अश्विनी ट्रॉफी फ्रंटियर बीएसएफ जम्मू को प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ने बल की वार्षिक 'बॉर्डरमैन' पत्रिका का भी विमोचन किया। उन्होंने बीएसएफ के उन बहादुर जवानों की भूमिका को याद किया, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। मौके पर कलारीपयट्टु, मनियारो रास, बिहू नृत्य, योग, पर एक शानदार प्रदर्शन किया गया लेज़िम डांस, खरिया लोक नृत्य, मदाली डांस और जांबाज शो सीमा भवानी द्वारा प्रदर्शित किया गया। प्रहरियों ने दर्शकों से जोरदार उत्साह और तालियाँ बटोरीं। परेड के दौरान एमआई-17 वी-5 बेड़े को दशार्ने वाले एयर विंग भी प्रदर्शित किए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह के अलावा मानव संसाधन राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद जयंत सिन्हा, सुनील कुमार सिंह, विधायक अंबा प्रसाद, जय प्रकाश पटेल, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक नितिन अग्रवाल, उपमहानिरीक्षक प्रशिक्षण केंद्र एवं विद्यालय हजारीबाग राजेश कुमार, उपायुक्त नैंसी सहाय, आरक्षी अधीक्षक चौथे मनोज रतन सहित जिला के वरीय अधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सेनाओं में लागू किये गये कल्याणकारी उपाय,विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के दौरान कर्मियों के योगदान और बलिदान के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार इसमें कोई कसर नहीं छोड़ेगी।इस अवसर पर, सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक, नितिन अग्रवाल ने देश की सेवा में

यातायात नियमों को तोड़ने वालों से 1.5 लाख ऑनलाइन चालान इस साल काटा गया

राष्ट्रीय खबर

रांचीः राजधानी में दो ट्रैफिक कंट्रोल रूम से शहर के चप्पे-चप्पे पर की कड़ी रखी जा रही है। यह कंट्रोल रूम शहर के हर चौक चौराहों पर वाहनों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुई है। आपको बता दें, शहर में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से हो इसके लिए राजधानी के हर चौक- चौराहों पर कुल 750 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसमें कई अत्यधुनिक कैमरे हैं जो ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने वाले वाहनों के नंबर प्लेट को कैप्चर करने, सिग्नल ब्रेक करने वालों की पहचान करने और सड़कों पर तेज गति से वाहनों को चलाने वालों की पहचान करने साथ ही शहर में क्राइम कंट्रोल पर नजर रखने के लिए हर अलग-अलग जगहों पर लगाए गए है। रिपोर्स के मुताबिक, शहर में एजेंसी द्वारा 650 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे जिसमें से 550 कैमरे सही ढंग से काम कर रहे है। जबकि 100 ऐसे कैमरे है जिसे फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण हटा दिए गए हैं। शहर में 200 कैमरे स्मार्ट सिटी की एजेंसी द्वारा भी लगाए गए हैं। इसके अलावे राजधानी रांची के 60 लोकेशन पर ट्रैफिक उल्लंघन कैमरे और 63 लोकेशन पर सर्विलांस सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं शहर में लगे इन तमाम सीसीटीवी कैमरों की सहायता से ट्रैफिक विभाग ने यातायात नियमों को तेड़ने वालों से करीब 1.5 लाख ऑनलाइन चालान इस साल काटे हैं। हर में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर रांची ट्रैफिक एसपी कुमार गौरव से बताया कि शहर के सभी सीसीटीवी कैमरे की मॉनेटरिंग कंट्रोल रूम हो रही है। उन्होंने कहा कि शहर के किसी इलाके से जब किसी वाहन के चोरी होने की खबर मिलती है तो उस वक्त पर कैमरे की सहायता से चोरी हुए उस वाहन के गाड़ी नंबर को रजिस्टर्ड कर लिया जाता है।

रांची के बूटी में पाहन की संदेहास्पद मौत, हत्या या हादसा की जांच में जुटी पुलिस

राष्ट्रीय खबर

रांची:सदर थाना क्षेत्र के बूटी बस्ती निवासी संजय पाहन का शव खून से लथपथ अवस्था में घर के आंगन से बरामद किया गया है। उनके सिर पर गहरे जख्म के निशान पाये गये हैं। संजय पाहन का आदिवासी समाज में काफी सम्मान था। उन्हें बूटी का जमींदार भी कहा जाता है। उनकी मौत की खबर मिलने के बाद बस्ती में मातम पसरा हुआ है। किसी को समझ नहीं आ रहा कि आखिर संजय आंगन में खून से लथपथ अवस्था में कैसे मिले। मामले की जानकारी परिजनों द्वारा सदर पुलिस को दी गयी है। मामले की जानकारी मिलने के बाद सदर डीएसपी, सदर थानेदार समेत एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची। मामला हत्या का है या हादसा पुलिस इसकी जांच कर रही है। सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार ने कहा कि संजय पाहन की मौत संदिग्ध लग रही है। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है। मामला हत्या का है या हादसा का इसकी जांच की जा रही है। सदर डीएसपी ने यह भी बताया कि परिजन भी कुछ स्पष्ट बताने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक संजय पाहन के शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड गठित कर कराया जायेगा ताकि मौत की असली वजह सामने आ सके। संजय पाहन आदिवासी समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति थे। उनकी मौत की खबर सुनने के बाद समाज में शोक का माहौल है और हर कोई चाहता है कि उनकी मौत की असली वजह सामने आए।

विजय हांसदा के बॉडीगार्ड सहित आधा दर्जन पुलिसवाले ईडी की रडार पर, जल्द होगा समन

राष्ट्रीय खबर

रांचीः ईडी के गवाहों को प्रभावित करने के मामले में साहिबगंज पुलिस और रांची पुलिस के आधा दर्जन अफसरों से ईडी जल्द पूछताछ करने वाली है। इस मामले में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम और रांची सार्जेंट से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है।झारखंड के साहिबगंज में एक हजार करोड़ के अवैध खनन के मुख्य गवाह विजय हांसदा समेत अन्य गवाहों को प्रभावित करने के मामले में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम के बाद अब विजय हांसदा के बॉडीगार्ड का बयान भी दर्ज करवाया जाएगा। जानकारी के अनुसार एसपी नौशाद आलम के बयान के बाद ही साहिबगंज के आधा दर्जन पुलिसवालों के नाम सामने आए हैं। अब ईडी अन्य पुलिसकर्मियों का भी बयान दर्ज करेगी।ईडी की पूछताछ में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने बताया था कि विजय हांसदा के बॉडीगार्ड के कहने पर ही उन्होंने रांची पुलिस के कनीय पदाधिकारी से टिकट की बुकिंग करायी थी। इस बात को सत्यापित करने के लिए विजय हांसदा के दो सरकारी बॉडीगार्ड और रांची पुलिस के कनीय पदाधिकारी का भी बयान ईडी दर्ज करेगी। साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने ईडी की पूछताछ में कई अन्य जानकारी भी दी है। उन बयानों का मिलान भी अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों के बयान से किया जाएगा। ईडी ने मंगलवार की सुबह 10:00 बजे से रात 11: 45 बजे तक एसपी नौशाद आलम से पूछताछ की थी।गौरतलब है कि साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम ईडी के गवाह को हार्सटाइल कराने के केस में एजेंसी के रडार पर सबसे पहले आए। साहिबगंज में 1000 करोड़ के अवैध खनन के केस में ही एसपी नौशाद आलम को समन किया गया था। इस केस में ईडी के मुख्य गवाहों में विजय हांसदा शामिल था। साहिबगंज पुलिस ने उसे आर्म्स एक्ट के केस में जेल भेजा था, लेकिन बाद में उसे अवैध खनन केस में पैसे के बल पर गवाही से पलटने की बात की पुष्टि हुई। सीबीआई ने भी अपनी जांच में पाया है कि विजय हांसदा के बैंक खाते में कई संदेहास्पद लेनदेन हुए थे। साथ ही कैश में भी उसने पैसे लिए हैं।इस पूरे मामले में साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव और एसपी नौशाद आलम की भूमिका प्रमुख रही है। ईडी ने अपने गवाह के होर्सटाइल होने की जांच में पाया था कि रांची हाइकोर्ट में लाने से लेकर कोर्ट में गवाही कराने तक में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम की भूमिका अहम रही है।